- उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार
-07

- केंद्रीय उद्योग मंत्री गोयल बोले- आयातकों और निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए
-07

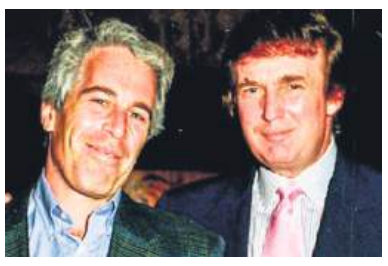

- ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव
-09

- रिंकू के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी से उत्तर प्रदेश ने तमिलनाडु पर बढ़त बनाई
-12

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

लखनऊ

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष अमावस्या 12:17 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 20 नवंबर 2025, वर्ष 35, अंक 291, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

छह साल का साथ, अटूट विश्वास

सादर प्रणाम।

आज अमृत विचार केवल एक समाचार पत्र नहीं, बल्कि सच और सकारात्मकता की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसने आप सभी के अटूट विश्वास के सहारे अपने छह वर्ष सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर, हम आप सभी का हृदयतल से आभार व्यक्त करते हैं और कोटिश: बधाई देते हैं।

वर्ष 2019 में बरेली की पावन धरा से जब हमने अपनी यात्रा शुरू की थी, तब बाजार में अनेक चुनौतियां थीं, लेकिन हमारे पास एक संकल्प था – पत्रकारिता के उच्चतम मूल्यों को पुन: स्थापित करने का। हमने तय किया था कि हम केवल खबरें नहीं छापेंगे, बल्कि उन खबरों के पीछे का सच सामने लाएंगे, जो समाज को प्रभावित करती हैं। इन छह वर्षों में हमने निष्पक्षता को अपना धर्म बनाया। चाहे वह स्थानीय स्तर की समस्याएं हों या राष्ट्रीय मुद्दे, अमृत विचार ने हमेशा बेबाकी से अपनी बात रखी है। नियमित खबरों के साथ साथ पाठकों को अपडेट रखने के लिए सप्ताह में सातों दिन अलग -अलग विषय पर विशेष फीचर पेजों का संयोजन भी किया जा रहा है।

इस यात्रा में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन आपके समर्थन ने हमें हर चुनौती का डटकर सामना करने की शक्ति दी। आज, बरेली से शुरू हुआ यह कारवां लखनऊ, कानपुर, मुरादाबाद, हल्द्वानी और अयोध्या तक पहुंच चुका है, और यह विस्तार आपके भरोसे का सीधा प्रमाण है। जल्द ही हम अमृत विचार के दिल्ली, देहरादून और मेरठ संस्करण की शुरुआत की दिशा में भी काम कर रहे हैं।

हमारा मानना है कि पत्रकारिता केवल समस्याओं को उजागर करने तक सीमित नहीं है। हमारा उद्देश्य समाधान-उन्मुख पत्रकारिता करना और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है। अमृत विचार आगे भी इसी पथ पर चलता रहेगा। हम सनसनीखेज पत्रकारिता से बचते हुए, तथ्यों पर आधारित और चिंतन पूर्ण सामग्री अपने पाठकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा हर शब्द समाज के निर्माण में एक सकारात्मक भूमिका निभाए, यही हमारा लक्ष्य है।

इन छह वर्षों की सफलता ने हमारे हौसलों को और मजबूत किया है। इस अवसर पर, हम यह संकल्प लेते हैं कि अमृत विचार समाचार पत्र को हम पत्रकारिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर लेकर जाएंगे। तकनीकी रूप से उन्नत होते हुए, हम डिजिटल माध्यमों पर भी अपनी पकड़ मजबूत करेंगे, ताकि हर वर्ग के पाठक तक पहुंच बनाई जा सके।

हम एक बार फिर अपने पाठकों का, जिन्होंने हमें अपना दैनिक साथी बनाया... अपने विज्ञापनदाताओं का, जिन्होंने हमारे मूल्यों पर भरोसा किया... अपने वितरकों का, जिन्होंने घर-घर तक हमें पहुंचाया और अपने मेहनती कर्मचारियों का, जिन्होंने इस सपने को हकीकत में बदला, हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आपका विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। हम आपके आभारी हैं और भविष्य में भी इसी जोश और ईमानदारी के साथ आपकी सेवा में तत्पर रहेंगे।

डॉ. केशव अग्रवाल
चेयरमैन

डॉ. अशोक अग्रवाल
प्रेसिडेंट

डॉ. वरुण अग्रवाल
डायरेक्टर

डॉ. अर्जुन अग्रवाल
डायरेक्टर

अमृत विचार समूह

भारत जैविक खेती का वैश्विक केंद्र बनने की राह पर : मोदी

कोयंबटूर, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत जैविक खेती का वैश्विक केन्द्र बनने की राह पर है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह देश की स्वदेशी और पारंपरिक पद्धति है। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के बाद मोदी ने अपने यहां आगमन पर लोगों द्वारा गमछा लहराने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि बिहार की हवा उनसे पहले ही तमिलनाडु में आ गई हो।

तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से मुकाबला करेगा। विपक्षी गठबंधन एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार को सत्ता से हटाने के लिए भरसक प्रयास कर रहा है। दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि शिखर सम्मेलन 2025 और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने नौ करोड़ किसानों को सहायता देने के लिए पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी की। इस किस्त की कुल राशि 18,000 करोड़ रुपये से अधिक है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरता में कमी आई है और जैविक खेती को पूरी तरह से समर्थन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा संबंधी समस्याओं का समाधान है।

कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक कृषि सम्मेलन का शुभारंभ करते पीएम मोदी।

- 18,000 करोड़ की पीएम-किसान योजना की 21वीं किस्त जारी
- फसल विविधीकरण और जैविक खेती मृदा समस्याओं का समाधान

जलवायु परिवर्तन से निपटने में मददगार

प्रधानमंत्री ने कहा कि साथ ही जैविक खेती जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी मदद करती है। प्रधानमंत्री ने जब दो छात्राओं को राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन के लिए उनके दृष्टिकोण की सराहना करते हुए तख्तियां लहराते देखा तो उन्होंने सुरक्षाकर्मियों से इन तख्तियों को लाने को कहा। इससे पहले प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे से कोयंबटूर जिला लघु उद्योग संघ मैदान तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तक रोड शो किया।

संसद हमारे फैसले नहीं पलट सकती : सुप्रीम कोर्ट

न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम के अहम प्रावधानों को रद्द किया

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को बड़ा झटका देते हुए बुधवार को न्यायाधिकरणों के सदस्यों और पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा शर्तों से संबंधित 2021 न्यायाधिकरण सुधार कानून के प्रमुख प्रावधानों को रद्द कर दिया और कहा कि संसद मामूली बदलावों के साथ इन्हें फिर से लागू करके न्यायिक फैसले को दरकिनार नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश के समान प्रावधानों को कानून के रूप में पेश करने के लिए केंद्र के खिलाफ टिप्पणी की।

प्रधान न्यायाधीश बीआर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने 137 पृष्ठ के अपने फैसले में कहा कि हम उन मुद्दों पर इस अदालत के निर्देशों को बार-बार अस्वीकार करने के भारत सरकार के रवैये से असहमति जताते हैं, जिन्हें पहले ही कई निर्णयों के माध्यम से सुलझा लिया गया है। पीठ ने कहा कि यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता और कामकाज को लेकर इस न्यायालय की ओर से तय किए गए स्पष्ट सिद्धांतों को लागू करने के बजाय, विधायिका ने ऐसे प्रावधान फिर से पेश किए, जिनकी वजह से अलग-अलग कानूनों और नियमों के जरिए वही संवैधानिक वाद-विवाद फिर शुरू हो गए हैं।

राज्यपाल की मंजूरी की अवधि मुद्दे पर आज निर्णय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय गुरुवार को राष्ट्रपति संदर्भ पर फैसला सुनाएगा, जिसमें पूछा गया था कि क्या संवैधानिक न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है।

रद्द प्रावधानों को लागू करना अवहेलना

पीठ ने कहा कि विवादित प्रावधान शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता के सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन्हें वापस नहीं लाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि संसद ने पहले से ही न्यायालय द्वारा रद्द किए गए प्रावधानों को पुन: लागू करके बाध्यकारी न्यायिक मिसालों की विधायी रूप से अवहेलना का प्रयास किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हमने अध्यादेश और 2021 के अधिनियम के प्रावधानों की तुलना की है और यह दर्शाता है कि सभी प्रावधानों को मामूली बदलाव के साथ फिर से लागू किया गया है।

2021 के प्रावधान बरकार नहीं रख सकते

पीठ ने कहा कि 2021 अधिनियम के प्रावधानों को बरकरार नहीं रखा जा सकता क्योंकि यह शक्तियों के पृथक्करण और न्यायिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है। यह किसी भी खामी को दूर किए बिना और बाध्यकारी निर्णय के विपरीत जाकर विधायी अतिक्रमण के समान है, यह संविधान के अनुरूप नहीं है। इसलिए, इसे असंवैधानिक घोषित करके रद्द किया जाता है। शीर्ष अदालत ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 11 नवंबर को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

आरएसएस के बारे में पूर्वाग्रहों के आधार पर राय न बनाएं युवा

गुवाहाटी, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को असम और पूर्वोत्तर भारत के युवाओं से अपील की कि वे संगठन के बारे में पूर्वाग्रहों या दुष्प्रचार के आधार पर अपनी राय न बनाएं। भागवत ने अपनी तीन दिवसीय असम यात्रा के अंतिम दिन युवा नेतृत्व सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरएसएस के सिद्धांतों, आदर्शों व कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला, साथ ही संगठन के बारे में चल रहे वाद-विवाद और चर्चाओं का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस अब सार्वजनिक चर्चाओं का विषय बन गया है, लेकिन ये चर्चाएं तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए। भागवत ने दावा किया कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों और डिजिटल स्रोतों पर संघ के बारे में 50 प्रतिशत से अधिक जानकारी या तो गलत है या अधूरी है।

अल फलाह ग्रुप का अध्यक्ष 13 दिन की ईडी हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। वही, एजेंसी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के पास भारत से भागने के कई कारण हैं क्योंकि उसके परिवार के करीबी सदस्य खाड़ी देशों में बसे हुए हैं। सिद्दीकी को संघीय जांच एजेंसी ने मंगलवार रात फरीदाबाद स्थित अल फलाह विश्वविद्यालय समूह के खिलाफ दिनभर की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था। यह विश्वविद्यालय 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए विस्फोट की जांच के केंद्र में है, जिसमें 15 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे। ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी ने अपने ट्रस्ट द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के साथ बेईमानी से 415 करोड़ रुपये की आय अर्जित की।

न्यूज ब्रीफ

मिशेल बैचलेट को इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार

नई दिल्ली। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट को बुधवार को वर्ष 2024 का इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रदान किया गया। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास की प्रमुख सोनिया गांधी ने मिशेल को यह पुरस्कार प्रदान किया। उन्हें शांति, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और विकास में उनके योगदान के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इंदिरा गांधी स्मारक न्यास द्वारा इंदिरा गांधी शांति, निरस्त्रीकरण और विकास पुरस्कार प्रति वर्ष विश्व के किसी ऐसे व्यक्ति या संस्था को प्रदान किया जाता है जिसने समाज सेवा, निरस्त्रीकरण या विकास के कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांछित कोर्ट में पेश

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के आरोपी एवं गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को बुधवार को यहां एक अदालत में पेश किया गया। एनआईए ने अमेरिका से प्रत्यर्पण के उपरांत गिरफ्तार किए गए अनमोल को शाम करीब पांच बजे पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। संघीय एजेंसी ने अनमोल को विशेष न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के समक्ष पेश करने के बाद उसे 15 दिन की हिरासत में भेजने का अनुरोध किया। अदालत परिसर और उसके आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

मुकदमेबाजी से बचने को अकेली महिलाएं बनाएं अपनी वसीयत

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उन सभी महिलाओं से अपील की जिनकी संतान या पति नहीं हैं, कि वे अपने माता-पिता और ससुराल वालों के बीच संभावित मुकदमेबाजी से बचने के लिए वसीयत बनाएं। शीर्ष अदालत ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम-1956 का हवाला देते हुए कहा कि उस समय संसद ने यह मान लिया होगा कि महिलाओं के पास स्व-अर्जित संपत्ति नहीं होगी, लेकिन इन दशकों में महिलाओं की प्रगति को कम करके नहीं आंका जा सकता।

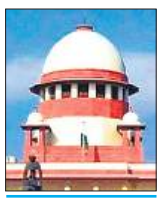

- परिवार में संपत्ति विवाद को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की अपील

पीठ ने कहा कि इस देश में हिंदू महिलाओं सहित महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता ने उन्हें स्व-अर्जित संपत्ति बनाने के लिए प्रेरित किया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि किसी हिंदू महिला की मृत्यु बिना वसीयत के और उसके पुत्र, पुत्री और पति के अभाव में हो जाती है, तो ऐसी स्व-अर्जित संपत्ति केवल उसके पति के उत्तराधिकारियों को ही मिलेगी, तो संभवत: जहां तक मायके वालों का सवाल है, यह उनके लिए परेशानी का कारण बन सकता है। हम इस संबंध में भी कोई टिप्पणी नहीं करते हैं।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 15(1)(बी) को चुनौती देने के लिए एक महिला वकील द्वारा दायर जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए यह सुझाव दिया।

हिडमा के बाद खूंखार नक्सली मेटरू भी ढेर

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मारेडुमिल्ली में छह माओवादियों के मारे जाने के एक दिन बाद बुधवार को आसपास के क्षेत्र में हुई एक अन्य मुठभेड़ में सात और माओवादी मारे गए हैं। जिनमें खूंखार नक्सली कमांडर मेटरू जोखा राव भी शामिल है। खुफिया एडीजी महेश चंद्र लड्ढा ने कहा कि मृतकों में तीन महिला माओवादी भी शामिल हैं, और उनकी पहचान की जा रही है। लड्ढा ने कहा कि आज की कार्रवाई मंगलवार को हुई पहली मुठभेड़ की जगह से सात किलोमीटर दूर हुई। एक की पहचान श्रीकाकुलम निवासी मेटरू जोखा राव उर्फ शंकर के रूप में हुई है, जो आंध्र ओडिशा सीमा (एओबी) का प्रभारी (एसीएम) था और तकनीकी चीजों, हथियार निर्माण, संचार में विशेषज्ञता रखता था।

- आंध्र प्रदेश में मुठभेड़ के दौरान सात माओवादी मारे गए

राज्यपाल से मिले नीतीश, सरकार बनाने का दावा

पटना, एजेंसी

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने बुधवार को राज्यपाल को मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपा। साथ ही उन्होंने राजग के विधायकों का समर्थन पत्र देकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

राजभवन सूत्रों के अनुसार, राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार का इस्तीफा स्वीकार करते हुए नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू की और उनसे कार्यकारी मुख्यमंत्री के रूप में पद पर बने रहने का अनुरोध किया। गठबंधन नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि राजग के पास बहुमत का समर्थन है, इसलिए उन्हें सरकार बनाने का अवसर दिया जाए। राज्यपाल ने समर्थन पत्र स्वीकार कर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे पहले राजग विधायक दल की बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को सर्वसम्मति से नेता चुना गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें 75 वर्षीय नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। इससे पहले राजग के प्रमुख घटक दलों ने बुधवार को अपने-अपने विधायक दल के नेताओं को चुना।

- आज शपथ ग्रहण समारोह, 10वीं बार संभालेंगे बिहार सीएम का पद

सम्राट चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता

भाजपा के विधायक दल की बैठक में नव-निर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी को नेता चुना। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि भाजपा के विधायकों ने सर्वसम्मति से सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता और विजय सिन्हा को उपनेता चुना है। बैठक में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सह-पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थे। भाजपा के एक नेता ने बताया कि कुल 10 नवनिर्वाचित विधायकों ने सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के नाम क्रमश: नेता और उपनेता के रूप में प्रस्तावित किए, जिन्हें सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया।

5 माह की बच्ची का रेप व हत्या करने के अभियुक्त का मृत्युदंड उम्रकैद में तब्दील

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने पांच माह की बच्ची से रेप करने के बाद उसकी हत्या करने के मामले में दोषसिद्ध करार दिए गए अभियुक्त की मृत्यु की सजा को उम्र कैद में परिवर्तित कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि अभियुक्त को अपनी पूरी जिंदगी जेल में बितानी होगी और इस दौरान उसे कोई छूट नहीं दी जाएगी। यह निर्णय न्यायमूर्ति रजनीश कुमार व न्यायमूर्ति राजीव सिंह की खंडपीठ ने सत्र अदालत द्वारा मृत्यु की सजा की पुष्टि के लिए भेजे गए संदर्भ और अभियुक्त प्रेमचंद उर्फ पप्पू दीक्षित की अपील, दोनों पर एक साथ सुनवाई के उपरांत पारित किया। अपने विस्तृत निर्णय में कोर्ट ने कहा है कि ट्रायल कोर्ट द्वारा अभियुक्त को दोषसिद्ध किए जाने का निर्णय बिल्कुल सही है। हालांकि मृत्युदंड को उम्र कैद में परिवर्तित करने का आदेश देते हुए कोर्ट ने कहा कि अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व का कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उसका भी 3-4 साल का एक बच्चा है और ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह प्रतीत होता हो कि अभियुक्त ने उक्त अपराध पूर्व योजना के तहत किया हो।

- कोर्ट ने कहा, ताजिंदगी रहना होगा जेल में, नहीं मिलेगी छूट, मड़ियांव थाने की वर्ष 2020 की घटना

यह था मामला

घटना 16 फरवरी 2020 की मड़ियांव थाने की है। बच्ची के माता-पिता एसआर मैरिज लॉन में एक रिश्तेदार के वैवाहिक समारोह में गए थे। वहां बच्ची का चचेरा भाई प्रेमचंद उर्फ पप्पू दीक्षित भी आया हुआ था, उसने बच्ची को खिलाने के लिए मां की गोद से ले लिया और कहीं चला गया। काफी देर बाद जब वह नहीं आया तो परिजनों ने तलाश शुरू की, काफी तलाशने के बाद बच्ची मैरिज लॉन से कुछ दूर झाड़ियों में मिली। तत्काल उसे केजीएमयू ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल से अभियुक्त के शर्ट के बटन व अभियुक्त के सिर के तीन बाल मिले थे। सत्र अदालत ने 30 सितंबर 2021 को अभियुक्त को मौत की सजा सुनाई थी।

समीक्षा | मुख्यमंत्री ने मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन की विकास कार्ययोजना को परखा

जनहित के लिए धन की कमी नहीं, जरूरत पर और मिलेगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में धन की कमी न होने की जानकारी साझा करते हुए आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त बजट देने का भरोसा जताया है।

बुधवार को मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के नगरीय विकास की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नगरों का विकास केवल सड़कों और इमारतों के निर्माण तक सीमित न हो, बल्कि उनका स्वरूप ऐसा बने जिसमें स्थानीय पहचान, इतिहास, संस्कृति और आधुनिक सुविधाओं का संतुलन दिखे।

योगी ने निर्देश दिया कि योजनाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी की जाएं। मुख्यमंत्री ने मेरठ में प्रस्तावित बिजली बम्बा बाईपास को लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की तर्ज पर पीपीपी मोड में विकसित करने की संभावना तलाशने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पहले चरण की कार्ययोजना के रूप में वर्ष 2025-26 में मेरठ में 11, कानपुर में 13 और मथुरा-वृंदावन में 14 परियोजनाओं पर कार्य किया जाए। इन परियोजनाओं में यातायात सुधार, चौराहों का पुनर्विकास, मल्टीलेवल पार्किंग, हरित क्षेत्र, सड़क और पेवमेंट सुधार, बिजली लाइनों का भूमिगतकरण, जल प्रबंधन, पर्यटन सुविधाओं का उन्नयन और शहरी सौंदर्यीकरण जैसी जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है। योगी ने अधिकारियों को रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर निजी क्षेत्र का सहयोग लेने और जहां संभव हो वहां पीपीपी मोड अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य ऐसा शहरी ढांचा तैयार करना है जो यातायात को सुगम बनाएं, पैदल यात्रियों और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें, हरे-भरे शहरों की दिशा में आगे बढ़ें।

- योगी बोले, सरकार पर निर्भरता कम करें, प्रोजेक्ट बनाते वक्त आय सृजन की भी सोचें
- तीनों शहरों में 478 विकास परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार, मेरठ में बनेगा बाईपास

विरासत और पर्यटन आधारित मॉडल

बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से तीनों मंडलों के मंडलायुक्तों ने कार्ययोजना से अवगत कराया। बताया गया कि अयोध्या, वाराणसी, गोरखपुर और प्रयागराज की तर्ज पर अब मेरठ, कानपुर और मथुरा-वृंदावन के लिए भी विकास मॉडल अपनाया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों से विमर्श और विभागों के बीच समन्वय कर इन शहरों में कुल 478 परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार है। इनमें मेरठ में 111, कानपुर में 109 और मथुरा-वृंदावन में 258 परियोजनाओं का विकास प्रस्तावित है।

विकसित भारत विकसित अन्नदाता

उत्तर प्रदेश आज कृषि, दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। राज्य की कृषि विकास दर 2016-17 के 8.6% से बढ़कर 2024-25 में 17.7% तक पहुँच गई है, जिससे किसानों की आय और समृद्धि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत करोड़ों किसानों को आर्थिक सहायता दी गई है। महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से फूलों की खेती और सीडलिंग उत्पादन को बढ़ावा मिला है। राज्य में चीनी मिलों, डेयरी इकाइयों, फिशरीज और "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" जैसी योजनाओं से रोजगार और उत्पादन में तेजी आई है। साथ ही, गोवंश संरक्षण, जैविक खेती, मत्स्य पालन और औद्योगिक फसलों के प्रोत्साहन से उत्तर प्रदेश आत्मनिर्भर कृषि राज्य के रूप में उभर रहा है।

अन्नदाता का उत्थान

- कृषि विकास दर वर्ष 2016-17 में 8.6% से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 17.7% हो गयी है
- प्रति वर्ष 400 लाख टन फल एवं सब्जियों का उत्पादन करते हुए देश में प्रथम स्थान पर है उत्तर प्रदेश
- पी.एम. किसान सम्मान निधि के माध्यम से 2.86 करोड़ से अधिक किसानों को ₹80,000 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तान्तरित
- पी.एम. कुसुम योजना से किसानों को 93062 से अधिक सोलर पम्पों का आवंटन

मण्डल मुख्यालयों पर जैविक एवं प्राकृतिक उत्पादों के आउटलेट स्थापित

प्रदेश में 20 नये कृषि विज्ञान केन्द्रों की स्थापना की गयी है। प्रदेश में कुल 89 कृषि विज्ञान केन्द्र हैं संचालित

मिर्जापुर में ड्रैगन फ्रूट्स एवं डेट पॉम (खजूर), जालौन में ड्राई लैण्ड हार्टिकल्चर, बरुआसागर झाँसी में सिट्रस के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की हो रही स्थापना

सोनभद्र में कैक्ट्स के लिए सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना को लेकर जारी है कार्य

2017-18 से अब तक 31 से अधिक सिंचाई परियोजनायें पूर्ण की गयीं जिससे 22 लाख 75 हजार हेक्टेयर से अधिक सिंचन क्षमता सृजित हुई, जिसका लाभ 46 लाख 69 हजार कृषकों को प्राप्त हुआ

विभिन्न जनपदों में 6,600 राजकीय नलकूपों के आधुनिकीकरण तथा डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण का कार्य है प्रगति पर

राजकीय नलकूपों के पुनर्निर्माण से लगभग 1.33 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता की बढ़ोतरी होगी तथा लगभग 1.10 लाख कृषक परिवार होंगे लाभान्वित

कृषकों के हित के लिए एंड्रायड मोबाइल एप यू.पी. मण्डी भाव का शुभारम्भ किया गया है

कृषि बाजारों के बाजार भाव एवं मौसम की जानकारी ऐप के माध्यम से प्रतिदिन निशुल्क करायी जा रही उपलब्ध

फार्मर रजिस्ट्रेशन करते हुए अब तक कुल 1.45 करोड़ फार्मर कार्ड आईडी की गई है निर्गत

महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से सीडलिंग का उत्पादन किया जा रहा है

60 हजार महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने का माध्यम बना सीडलिंग उत्पादन

लखनऊ में ₹251 करोड़ की लागत से भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर एक सीड पार्क की स्थापना का किया गया है निर्णय

मार्च, 2017 से अब तक 03 नई चीनी मिलों की हुई स्थापना, 06 चीनी मिलों का पुर्नसंचालन तथा 38 चीनी मिलों की क्षमता का हुआ है विस्तार

1.25 लाख लोगों को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करने का माध्यम बना चीनी मिलों का संचालन

प्रदेश में वर्ष 2017 तक एथेनॉल का कुल उत्पादन 42 करोड़ लीटर था, जो सत्र 2024-25 में बढ़कर 177 करोड़ हो गया है। देश में प्रथम स्थान पर है उत्तर प्रदेश

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प पूर्ण। 14 लाख से अधिक किसान लाभान्वित

निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए 7727 गोआश्रय स्थलों की स्थापना तथा 16,35,251 लाख गोवंश संरक्षित

मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के जरिए 2,46,426 गोवंश इच्छुक कृषक/पशुपालक परिवारों को किए गए सुपुर्द

प्रदेश में पहली बार डी.बी.टी. के माध्यम से प्रति गोवंश भरण-पोषण हेतु ₹50 प्रतिदिन की दर से गौ-आश्रय स्थलों को धनराशि का हस्तानांतरण

नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत दुग्ध उत्पादन तथा डेयरी की स्थापना के लिए लगभग 50 प्रतिशत का दिया जा रहा है अनुदान

दुग्ध संघों के सुदृढ़ीकरण हेतु 220 समितियों का गठन एवं 450 समितियों का पुनर्गठन

ई-कॉमर्स पोर्टल से 1,27,018 उपभोक्ताओं, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं पराग मित्रों को जोड़ा गया

प्रदेश में दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उ.प्र. दुग्धशाला विकास एवं उत्पाद प्रोत्साहन नीति का प्रख्यापन

मत्स्य पालन को प्रोत्साहन देने हेतु प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना लागू

निषादराज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत नाव क्रय करने के लिए अनुदान की व्यवस्था

किसान क्रेडिट कार्ड योजना (पशुपालन घटक) के अन्तर्गत मार्च 2025 तक 06 लाख 68 हजार से अधिक किसान क्रेडिट कार्ड वितरित

औद्यानिक फसलों तथा उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहित किये जाने हेतु उ.प्र. राज्य औद्यानिक निर्यात प्रोत्साहन बोर्ड की स्थापना की गई है

कौशाम्बी में 'सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स' व चंदौली में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल्स' की स्थापना की कार्यवाही जारी

सहारनपुर में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स, वेजीटेबल्स, लखनऊ में सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑर्नामेंटल प्लांट्स का निर्माण

हापुड़ और कुशीनगर में आलू के लिए 02 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस निर्माणाधीन

ADVERTORIAL

न्यूज ब्रीफ

श्याम नारायण को मिला गोरक्षा सर्वोच्च सम्मान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विश्व हिंदू महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अधिवेशन में संतकबीर नगर निवासी गोरक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री श्याम नारायण तिवारी को गोरक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोरक्षा सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया गया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इसके लिए शीर्ष नेतृत्व को धन्यवाद अर्पित करता हूं, उम्मीद करता हूं कि गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने के लिए गोरक्षा प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश सड़कों पर उतरेगी और सनातन के साथ न्याय होगा। श्री तिवारी ने कहा कि गोकशी पर पूर्ण प्रतिबंध ही दुनिया के संरक्षण का एकमात्र विकल्प है वरना कथित संपन्नता किसी काम की नहीं होगी।

हाटा में विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास

कुशीनगर, अमृत विचार : नगरपालिका परिषद हाटा में वंदन योजना के तहत प्रचीन शिवमंदिर मोतीपाकड़ वार्ड नं 16 के सुन्दरीकरण व कायाकल्प कार्य लागत 2 करोड़ का शिलान्यास व वार्ड नं 10 अम्बेडकरनगर में वाहन पार्किंग लागत 30 लाख का लोकार्पण मोहन वर्मा विधायक हाटा व नगर पालिका अध्यक्ष रामानंद सिंह द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर अधिशासी अधिकारी मीनू सिंह, सभासद प्रतिनिधि अर्जुन मौर्या, पन्नेलाल, हरिनाथ सिंह, पिन्टू सिंह, जयप्रकाश सिंह, सभासद हरेराम सिंह, लिपिक रमाशंकर गुप्ता, पंकज भारद्वाज सहित निकाय के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

ई-रिक्शा चालक की जमानत अर्जी खारिज

संतकबीरनगर। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र गंगा मंझरिया गांव में हुई सरिता हत्याकांड के आरोपी ई-रिक्शा चालक की जमानत अर्जी को सत्र न्यायाधीश मोहन लाल विश्वकर्मा ने बुधवार को खारिज कर दिया।

धारा 125 के हर अंतिम आदेश में तय करें 'निर्धारण के बिंदु'

हाईकोर्ट ने राज्य के सभी पारिवारिक न्यायालयों को दिया निर्देश

विधि संवाददाता,प्रयागराज।

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण पोषण से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए राज्य के सभी पारिवारिक न्यायालयों को निर्देश दिया है कि वे धारा 354(6) दंड प्रक्रिया संहिता के तहत धारा 125 के सभी अंतिम आदेशों में अनिवार्य रूप से 'निर्धारण के लिए बिंदु' तय करें।

उक्त आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने शैलेश कुमार यादव की आपराधिक पुनरीक्षण खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने माना कि कई मामले बिना इन बिंदुओं को निर्धारित किए निपटाए जा रहे हैं, जिससे आदेश के आधारों को समझना कठिन हो जाता है।निर्धारण के लिए कोई बिंदु निर्धारित न होने के कारण, यह पता लगाना कठिन है कि किस आधार पर ट्रायल कोर्ट ने आदेश पारित किया या भरण-पोषण राशि प्रदान की। वर्तमान पुनरीक्षण के माध्यम से पति ने परिवार न्यायालय, बलिया के आदेश को चुनौती दिया था। ट्रायल कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सब-इंस्पेक्टर के रूप में कार्यरत पुनरीक्षणकर्ता को पत्नी को प्रति माह 18 हजार रुपये भरण-पोषण देने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने पाया कि याची की आय ट्रायल कोर्ट में दाखिल आय प्रमाणपत्र के अनुसार 65 हजार रुपये प्रतिमाह थी, जबकि वर्तमान आय लगभग 1.2 लाख रुपये है। स्वीकृत आय 65 हजार रुपये को आधार मानकर भरण-पोषण की गणना करने पर इसका 25% 16,250 रुपये होता है। इस आधार पर कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट द्वारा तय 18 हजार रुपये प्रतिमाह की राशि अत्यधिक नहीं, बल्कि कम है। कोर्ट ने स्वीकार किया कि पुनरीक्षणकर्ता/पति एक सक्षम व्यक्ति है और अपनी पत्नी व बच्चे का भरण-पोषण करने के कानूनी दायित्व से बच नहीं सकता। कोर्ट ने परिवार न्यायालय का आदेश बरकरार रखते हुए पुनरीक्षण याचिका खारिज कर दी। साथ ही रजिस्ट्रार (अनुपालन) को निर्देश दिया कि यह आदेश सभी जिला न्यायाधीशों और परिवार न्यायालयों के प्रधान न्यायाधीशों तक सख्त अनुपालन हेतु प्रेषित किया जाए।

स्पष्ट धोखाधड़ी के संकेतों के बिना वसूली का आदेश न्यायसंगत नहीं

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने डिप्टी लाइब्रेरियन से लाइब्रेरियन के पदनाम परिवर्तन और उससे जुड़े वेतनमान व सेवानिवृत्ति आयु के प्रश्न पर निर्णय देते हुए कहा कि 17 वर्षों तक उच्च वेतनमान पर कार्य कराने के बाद इसकी वसूली करना न्यायसंगत नहीं होगा, विशेषकर जब यह कर्मचारी की किसी धोखाधड़ी का परिणाम न हो।

यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ ने कासगंज निवासी उमेश कुमार की याचिका निस्तारित करते हुए की। कोर्ट ने कहा कि वर्ष 1998 के शासनादेश को गलत तरीके से व्यापक अर्थ देकर सेवानिवृत्ति आयु जैसे सेवा लाभों का दावा नहीं किया जा सकता। क्योंकि वह आदेश केवल पदनाम बदलने और उच्च वेतनमान देने तक सीमित है। केवल पदनाम परिवर्तन के आधार पर नहीं बढ़ाया जा सकता। इसलिए 60 वर्ष की मौजूदा मामले में याची का जन्म 3 जनवरी 1958 में हुआ, उन्हें 1991 में डिप्टी लाइब्रेरियन नियुक्त किया गया था। उक्त पद के लिए सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष है और इसलिए उन्हें सत्र के लाभ के साथ 30 जून 2018 को सेवानिवृत्त कर दिया गया। याची का तर्क था कि 26 दिसंबर 1998 के शासनादेश से उनका पदनाम लाइब्रेरियन में बदल गया था, इसलिए वे 62 वर्ष की आयु तक सेवा करने के अधिकारी थे। कोर्ट ने इस तर्क को सिरे से अस्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि शासनादेश पदनाम बदलने और लाइब्रेरियन का उच्चतर यूजीसी वेतनमान देने की अनुमति देता है, लेकिन सेवा शर्तों,विशेष रूप से सेवानिवृत्ति आयु में कोई परिवर्तन नहीं करता। चूंकि सेवानिवृत्ति आयु सेवा नियमों का विषय है और इसका वित्तीय प्रभाव होता है, इसे आयु पर सेवानिवृत्ति पूर्णतः वैध मानी गई। मामले के दूसरे पहलू के अनुसार याची को वर्ष 2001 में लाइब्रेरियन का वेतनमान दिया गया था। जबकि वे जिस वेतनमान (1400–2300 रुपये) में कार्यरत थे, वह शासनादेश के लिए निर्धारित पात्रता (2000–3200 रुपये) की शर्त पूरी नहीं करता था। कोर्ट ने माना कि नियमों के अनुसार देखा जाए तो यह लाभ वास्तव में उन्हें दिया ही नहीं जाना चाहिए था। इसके बावजूद न्यायालय ने इस वेतनमान को 17 वर्षों तक लागू रहने और इस अवधि में याची द्वारा विभिन्न वेतन संशोधनों एवं यूजीसी लाभ पाने के मद्देनज़र वसूली का आदेश अनुचित माना। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रफीक मसीह मामले का हवाला देते हुए कहा कि कर्मचारी से सेवानिवृत्ति के बाद खासकर जब कोई धोखाधड़ी न हो, इतने वर्षों पूर्व मिले लाभ की वसूली नहीं की जा सकती।

करीब साढ़े पांच लाख रुपये का रेल राजस्व वसूला गया

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के निर्देश पर प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, प्रकाश चन्द्र जायसवाल के नेतृत्व में वाणिज्य अधिकारियों की टीम ने 1 से 18 नवम्बर तक गोरखपुर से सीवान, गोरखपुर से मनकापुर एवं गोंडा, गोरखपुर से बेल्थरा रोड एवं बनारस खंड में विशेष टिकट जांच अभियान आयोजित किया। जिसमें अनधिकृत यात्रियों/बिना टिकट यात्रियों एवं पैन्ट्रीकार तथा ऑन बोर्ड स्टाफ के आई.डी. की जांच की गई। जिसके फलस्वरूप बिना टिकट/अनियमित बिना बुक सामान के कुल 791 मामले पकड़े गये, जिनसे कुल रुपये 5,49,775 के रेल राजस्व की वसूली की गयी। यात्रियों की सुविधा एवं रेल राजस्व की क्षति रोकने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे के सभी मंडल पर प्रत्येक माह स्पॉट चेक, एम्बुश चेक, किलाबंदी चेक आयोजित किये जाते हैं। पूर्वोत्तर रेलवे पर स्टेशनों एवं गाड़ियों में आगे भी बिना टिकट यात्रा, बिना बुक किये गये सामानों की जांच, अनियमित यात्रा आदि विशेष टिकट जांच अभियान निरन्तर जारी रहेगा। रेल प्रशासन की यात्रियों से अपील है कि उचित टिकट लेकर ही यात्रा प्रारम्भ करे। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

1350 किमी लंबे रेलवे ट्रैक के दोनों तरफ होगी फेंसिंग

संवाददाता गोंडा

अमृत विचार: रेल ट्रैक पर होने वाले हादसों की रोकथाम के लिए पूर्वोत्तर रेलवे ने बड़ा कदम उठाया है। लोगों को रेल ट्रैक पर जाने से रोकने के लिए ट्रैक के दोनों तरफ फेंसिंग कराई जाएगी। फेंसिंग होने से यात्री या अन्य कोई मवेशी रेल ट्रैक पर नहीं जा सकेगा इससे आए दिन होने वाले हादसों पर लगाम लग सकेगी। बुधवार को गोंडा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण करने पहुंचे पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि हादसों की रोकथाम के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत आने वाले 1350 किमी लंबे रेल ट्रैक के दोनों तरफ फेंसिंग का कार्य कराया जायेगा। पहले फेज में यह कार्य गोरखपुर से लखनऊ तक होना है जिसे प्रारंभ करा दिया गया है। प्रेस कांफ्रेंस से पहले उन्होने पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल समेत अन्य रेल अधिकारियों के साथ गोंडा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और अफसरों को दिशा निर्देश दिया।

प्रेस कांफ्रेंस करते पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर व डीआरएम गौरव अग्रवाल।

- पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने डीआरएम संग किया गोंडा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण
- फेंसिंग से रेलवे ट्रैक पर होने वाले हादसों की होगी रोकथाम

शाम करीब पांच बजे गोरखपुर से गोंडा पहुंचे पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक उदय बोरवणकर ने मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के साथ गोंडा रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और रेल परिचालन से संबंधित व्यवस्थाओं की ली जानकारी ली। महाप्रबंधक ने ब्रिज, सिग्नलिंग व यात्री सुविधाओं का जायजा लिया और

अमृत भारत योजना के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्यों के गुणवत्ता की जांच की। रेलवे महाप्रबंधक ने सुरक्षा व संरक्षा को लेकर अफसरों को दिशा निर्देश भी दिया। रेलवे महाप्रबंधक ने कहा कि गोरखपुर से लेकर गोंडा तक का जो हमारा खंड है वह परिचालन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण खंड है। आज उसका गहन निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के दौरान जितने भी रेल परिचालन से जुड़े सभी पहलुओं जैसे लोकोमोटिव, वैगन का रखरखाव, ट्रैक, ब्रिज, सिग्नलिंग आदि का निरीक्षण किया गया। उन्होने पैसेंजर व कर्मचारियों से संबंधित जानकारी ली और उपकरणों के रखरखाव की स्थिति देखी। महाप्रबंधक ने अमृत भारत योजना से कराए जा रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया और उसके गुणवत्ता की जांच की। निरीक्षण के दौरान रेल संरक्षा से संबंधित एक नाटक भी बच्चों ने प्रस्तुत किया। रेलवे महाप्रबंधक ने कहा कि निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व संरक्षा से जुड़े सभी कार्यों का अध्ययन किया गया और अधिकारियों के साथ चर्चा की गयी तथा उचित दिशा निर्देश सभी को दिए गए हैं। इस दौरान पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ पंकज सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

डीएम ने सुनीं किसानों की समस्याएं

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

किसान दिवस में किसानों की समस्याएं सुनते डीएम शिवशरणप्पा जीएन।

अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में अम्बेडकर सभागार में किसान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याएं सुनी। कहा कि आप लोगों की जो भी शिकायते हैं उसे लिखित में दें, जिससे समस्याओं का निस्तारण कराया जा सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि किसानों की मांगों को समय से पूर्ण कराएं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थियों के खाते में क्षतिपूर्ति की धनराशि प्रेषित कराने का निर्देश दिया। सभी अधिकारीगण किसानों की समस्याओं का शत प्रतिशत निस्तारण करायें।

जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देश दिया कि प्राप्त शिकायतों को संबधित अधिकारियों को प्रेषित करके उनकी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण कराये। सरकार की योजनाओं का लाभ सभी पात्र लाभार्थियों को मिलना चाहिए। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला कृषि अधिकारी मु0 मुजम्मिल, तथा किसान यूनियन के समस्त पदाधिकारी एवं किसान व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से वृद्ध की मौत

संतकबीरनगर। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के मगहर पुलिस चौकी के समीप मंगलवार देर शाम हाईवे पर सड़क किनारे खड़े 76 वर्षीय बुजुर्ग को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को परिजन संयुक्त जिला चिकित्सालय ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नगर पंचायत मगहर के शेरपुर रेहरवा नई आबादी निवासी मोहम्मद मोनीस ने बताया कि मोहम्मद हारिश मूल रूप से नेवास, थाना गीडा के रहने वाले थे। वह अपनी बेटी और दामाद से मिलने मगहर आए थे। उन्हें विदा करने के लिए वे परिजनों के साथ हाईवे तक गए थे।

दुर्घटना में दो सगे भाइयों की मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

क्षेत्र के बंतवार गांव में विश्वनाथ के घर लड़की की शादी थी। शादी में गोरखपुर जनपद के सिकरीगंज थाना क्षेत्र के रेहरवा गांव से बारात आई थी। इसी बारात में शामिल रेहरवा निवासी दो सगे भाई 23 वर्षीय विनोद और 20 वर्षीय दीपक पुत्र जीएन बाइक से समारोह में पहुंचे थे। भोजन करने के बाद दोनों भाई देर रात बाइक से वापस लौट रहे थे। मुंडेरा शुक्ल और बंसवारी गांव के बीच राम-जानकी मार्ग पर तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों भाई सड़क किनारे गिर पड़े, जबकि बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पीआरवी टीम ने दोनों को सीएचसी हैंसर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक जयप्रकाश दुबे ने बताया कि बोलेरो और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टर पलटने से मजदूर की दबकर मौत

संतकबीरनगर। धनघटा थाना क्षेत्र के मझौरा गांव में मंगलवार की रात करीब 11 मिट्टी से लदी ट्रैक्टर-ट्राली महुली थाना क्षेत्र के झिंगुरा पार गांव की ओर जा रही थी। जब ट्रैक्टर मझौरा गांव के उत्तर बंधे को पार कर रहा था, तभी वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रैक्टर पर बैठे मजदूर कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, लेकिन झिंगुरापार निवासी 25 वर्षीय आवेश पुत्र महबूब ट्रैक्टर के नीचे दब गया। लोगों ने किसी तरह मिट्टी हटाकर ट्रैक्टर को सीधा किया। आवेश को सीएचसी मलौली ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रधान संघ अध्यक्ष की जमानत खारिज

संतकबीरनगर। जानलेवा हमले के आरोपित प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रणवीर पांडेय की जमानत अर्जी को जनपद एवं सत्र न्यायाधीश मोहन लाल विश्वकर्मा की अदालत ने सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। रणवीर पांडेय सांथा ब्लॉक के प्रधान संघ के अध्यक्ष हैं और उन पर पुरानी रंजिश के चलते कार से युवक को कुचलने का गंभीर आरोप है। घटना बखिरा थाना क्षेत्र के पुरैना गांव की है। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) विशाल श्रीवास्तव के अनुसार, वादी राधेश्याम पांडेय निवासी अठलोहिया ने मुकदमा दर्ज कराया है। घटना 7 नवंबर 2025 की है।

महिला आयोग की सदस्य ने महिलाओं की सुनीं समस्याएं

संवाददाता कुशीनगरः

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य जनक नंदिनी की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 महिला उत्पीडन घटनाओं की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन हाटा तहसील सभागार में किया गया।

जनसुनवाई के दौरान कुल 15 मामले प्रस्तुत हुए। कुल 15 प्रकरण संबंधित विभागों को प्रेषित कर आख्या सात दिवस के भीतर प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। इसके बाद सदस्य द्वारा सीएचसी हाटा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपस्थित मरीजों व परिजनों के साथ बातचीत कर प्रभारी चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया गया कि किसी भी दशा में बाहर की दवा न लिखी जाएं। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय हाटा, कुशीनगर का निरीक्षण कर आवासित बालिकाओं के साथ भोजन भी की। जनसुनवाई में उपजिलाधिकारी योगेश्वर सिंह, क्षेत्राधिकारी कुन्दन कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कुछ रेलगाड़ियों के संचालन में रहेगा बदलाव

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु वाराणसी मंडल के चैनवा एवं सीवान स्टेशन यार्ड में प्वाइंट एवं क्रासिंग के बदलाव हेतु दिये गये ब्लॉक के फलस्वरूप गाड़ियों पुनर्निर्धारण एवं नियंत्रण किया जयेगा।

22 नवम्बर को चलने वाली 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस काठगोदाम से 60 मिनट एवं 24 नवम्बर को 45 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जायेगी। नियंत्रण 14674 अमृतसर-जयनगर एक्सप्रेस 24 नवम्बर, 2025 को मार्ग में 45 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी।15110 मथुरा-छपरा एक्सप्रेस 25 नवम्बर, 2025 को मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी।18181 टाटानगर-थावे एक्सप्रेस 25 नवम्बर, 2025 को मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी।13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस 27 नवम्बर, 2025 को मार्ग में 40 मिनट नियंत्रित कर चलायी जायेगी। इसके अलावा वाराणसी मंडल के थावे-कप्तानगंज खण्ड के पडरौना स्टेशन के निकट समपार संख्या-68 पर निर्माण कार्य एवं गर्डर लांचिग हेतु ब्लाक लिये जाने के फलस्वरूप गाड़ियों का पुनर्निर्धारण किया जायेगा। 2 एवं 8 दिसम्बर को चलने वाली 75105 थावे-नकहा जंगल डेमू गाड़ी थावे से 60 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जायेगी। कप्तानगंज से 02 एवं 08 दिसम्बर को चलने वाली 55116 कप्तानगंज-थावे सवारी गाड़ी कप्तानगंज से 120 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जायेगी।थावे से 02 एवं 08 दिसम्बर, 2025 को चलने वाली 55109 थावे-छपरा कचहरी सवारी गाड़ी थावे से 90 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलायी जायेगी। उक्त जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

थोक सीमेंट के माल ढुलाई शुल्क में कटौती

नई दिल्ली,अमृत विचार। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कंटेनरों में थोक सीमेंट की दरों को विवेकपूर्ण बनाने और थोक सीमेंट टर्मिनलों के लिए नीति का अनावरण किया। यह नीति सीमेंट परिवहन के लिए रेलवे सुधारों का एक हिस्सा है। मंत्री ने नई दिल्ली स्थित रेल भवन में नीति का अनावरण करते हुए इसे क्रांतिकारी बदलाव बताया। इन सुधारों से मध्यम और निर्धन परिवारों के लिए अपने सपनों का घर बनाते समय सीमेंट की लागत कम हो जाएगी। नई नीति के अनुसार, दूरी और भार के स्लैब हटा दिए गए हैं। नई दर को फ्लैट सकल टन किलोमीटर पर 0.90 रुपये प्रति टन प्रति किलोमीटर कर दिया गया है।

सरधना हत्याकांड में दोषी 6 लोगों को आजीवन कारावास

मेरठ, एजेंसी। मेरठ जिले की एक अदालत ने सरधना क्षेत्र में वर्ष 2022 में हुए एक हत्याकांड के छह आरोपियों को दोषी ठहराते हुए बुधवार को आजीवन कारावास की सजा सुनायी।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता नीरज सोम के अनुसार 17 अप्रैल 2022 को सरधना थाना क्षेत्र के छबड़िया गांव के निवासी महिपाल सिंह ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया था कि सात आरोपियों ओमबीर, सतेन्द्र उर्फ पिन्टू, जितेन्द्र उर्फ पिंका, अमनदीप उर्फ अंचित, सैन्दर कौर और प्रीती ने उस पर, उसके पुत्रों और परिवार के अन्य सदस्यों पर धारदार हथियारों से हमला किया। सोम ने बताया कि शिकायत के आधार पर दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि इस घटना में वादी का पुत्र संदीप गंभीर रूप से घायल हुआ था और इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी। इस मामले में हत्या समेत विभिन्न आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि विशेष न्यायाधीश चन्द्र शेखर मिश्र की अदालत ने बुधवार को सभी छह आरोपियों को विभिन्न धाराओं में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आयोजन | तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने किया साबित

हौसले के आगे दिव्यांगता कोई चुनौती नहीं

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में मौजूद बच्चे व अतिथि।

अमृत विचार। दिव्यांग बच्चों के तहसील स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बुधवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय उसका बाजार के मैदान में हुआ। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष हेमंत जायसवाल ने सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर व दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। दिव्यांग छात्राओं ने सुषमा पांडेय के इशारे पर स्वागत गीत की शानदार प्रस्तुति कर बता दिया कि उनके हौसले के आगे दिव्यांगता कोई चुनौती नहीं है। वहीं खेल प्रतियोगिताओं में भी बच्चों ने अपना दमखम दिखाया। बालिका वर्ग के जलेबी कूद में नौगढ़ की अंशिका प्रथम, चकोरी द्वितीय, उसका की महक तृतीय रही। जलेबी दौड़ बालक वर्ग में विक्की जोगिया प्रथम, अतुल गुप्ता उसका द्वितीय, अनुराग लोटन तृतीय रहे। चम्मच दौड़ बालक वर्ग कान्हा उसका प्रथम, संदेश उसका द्वितीय, देवाशीष लोटन तृतीय रहे। बालिका वर्ग चम्मच दौड़ अंजू उसका प्रथम, सलोनी बर्डपुर द्वितीय, शिवानी लोटन तृतीय रही। कुर्सी दौड़ में उसका की आजोरी, वैष्णवी व मयूरी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रही। रस्सा कसी बालक वर्ग में भोला, अमरजीत, शिवा, अनिक, अनुराग, अखिलेश की टीम विजेता बनी। रस्साकसी बालिका वर्ग अमीना, रोशनी, अंजू, मयूरी, अंशिका, अर्चिता की टीम विजई हुई। हेमंत जायसवाल ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को बिना भेदभाव के समान अवसर देना चाहिए।

दुर्घटना में दो लोगों की मौत, तीन गंभीर

कुशीनगर, अमृत विचार : कुशीनगर के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब कार अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई। घायलों को गोरखपुर एम्स रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुशीनगर के राष्ट्रीय राजमार्ग 28 के अहिरौली बाजार थाना क्षेत्र के सुबुधिया खुर्द के पास भोर में हादसा हुआ। हादसे में अमन गौंड (24) पुत्र गब्बूगौंड व निलेश गौंड (25) पुत्र उदयभान गौंड निवासी सकरौली थाना कोतवाली हाटा को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल दिलीप जायसवाल (26), श्रवण साहनी (25) व अंकित जायसवाल (23) निवासी सकरौली थाना कोतवाली हाटा की हालत गंभीर देख उन्हें एम्स गोरखपुर रेफर कर दिया।

एएनएम सेन्टर का किया निरीक्षण

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग अपर सचिव उर्वरक विभाग अनीता सी0 मेश्राम द्वारा जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के पास बने एएनएम सेन्टर का निरीक्षण किया गया। अनीता सी0 मेश्राम द्वारा एएनएम सेन्टर में ट्रेनिंग के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। इसके साथ ही आवासीय कक्ष को भी देखा गया।

इसके पश्चात माधव प्रसाद त्रिपाठी राजकीय मेडिकल कालेज का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान केन्द्रीय प्रभारी उर्वरक विभाग अनीता सी0 मेश्राम द्वारा इमरजेंसी वार्ड, पंजीकरण कक्ष, रेड जोन-येलो जोन वार्ड, एसएनसीयू, पीआईसीयू वार्ड को देखा गया। केन्द्रीय प्रभारी द्वारा भर्ती मरीजों से वार्ता कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। भर्ती मरीजों द्वारा अवगत कराया गया कि दवायें एवं अन्य सुविधायें मिल रही है। प्राचार्य द्वारा अवगत कराया गया कि प्रतिदिन लगभग 5000 ओपीडी होता है। नियमित जांच होता है तथा मरीजों का सही इलाज होता है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी श्री बलराम सिंह, ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल, प्राचार्य मेंडिकल कालेज डा0 राजेश मोहन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

एएनएम सेन्टर का निरीक्षण करतीं केन्द्रीय प्रभारी अधिकारी नीति आयोग अपर सचिव उर्वरक विभाग अनीता सी0 मेश्राम।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 20 नवंबर 2025

लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर

अमृत विचार, लखनऊ : विकासनगर की सचिवालय कालोनी में बुधवार की शाम तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी। भागने के दौरान उसने बाराबंकी के पूर्व एमएलसी की कार में भी टक्कर मारी। आसपास मौजूद लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। एसओ विकास नगर आलोक सिंह ने बताया कि मड़ियांव की प्रियदर्शिनी कालोनी निवासी युवक नशे में कार चला रहा था। शाम लगभग सात बजे वह कार से जानकीपुरम की तरफ जा रहा था तभी उसकी कार अनियंत्रित हो गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, कार ने स्कूटी सवार सबौली निवासी मिस्बाहुर्रहमान को टक्कर मार दी। भागने के चले उसने बाराबंकी के पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह की कार में भी टक्कर मारी। मौके पर मौजूद लोगों ने दौड़ाकर उसे पकड़ लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़ा गया चालक यश है। अभी तक किसी पक्ष से कोई तहरीर नहीं मिली है।

एससी/एसटी कर्मचारी संघ के चुनावों की घोषणा

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय स्टेट बैंक अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ लखनऊ मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव (2025–27) की घोषणा कर दी गई है। निर्णय मंडल उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व सहायक महाप्रबंधकशिव बाबू को मुख्य चुनाव अधिकारी और संतोष कुमार (पूर्व प्रबंधक) व रामाशंकर सोनकर (उप प्रबंधक) सहायक चुनाव अधिकारी नामित किया गया। लखनऊ मंडल की जिला कमेटियां अपने क्षेत्रों की अंचल कमेटियों का गठन 30 नवंबर तक पूरा करेंगी। अंचल कमेटियों की अंतिम सूची संबंधित उप-चुनाव अधिकारियों द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी को भेजी गई है। मंडल कार्यकारिणी का चुनाव 20 दिसंबर को जीपीएस मेकैनाइज्ड स्कूल, श्यामला नगर, कानपुर में सुबह 10 बजे से आयोजित होगा। संघ ने स्पष्ट किया कि कोई भी सामान्य सदस्य, जिसकी सदस्यता अद्यतन हो, जिला, अंचल या मंडल, किसी भी स्तर पर चुनाव लड़ सकता है। चुनाव पूरी तरह निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से कराए जाएंगे। उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह ने सभी सदस्यों से अपील की कि वे चुनाव प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करें और अपने-अपने क्षेत्रों में कमेटियों के गठन में सहयोग दें।

प्रधानमंत्री पर अमर्यादित टिप्पणी, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, गोसाईंगंज : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में सोशल मीडिया पर अमर्यादित टिप्पणी की गई। जो सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वायरल हुई। इसकी जानकारी होते ही यूपी-112 मुख्यालय की टीम ने जांच शुरू किया। यूपी-112 के आपरेशन कमांडर मुकेश कुमार सिंह ने पुलिस कमिश्नर लखनऊ कार्यालय में एक रिपोर्ट भेजा। जिसमें एक्स हैंडल (Ameesha Patel@Limited0190) से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अमर्यादित टिप्पणी की गई थी। मुकेश मुताबिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी के दौरान 18 नवंबर की रात इसकी जानकारी हुई। हैंडल से किये गये अमर्यादित टिप्पणी का स्क्रीन शॉट्स लिया गया। इसकी जांच की गई। जांच में इसी एक्स हैंडल से टिप्पणी अपलोड करने की पुष्टि हुई। मुकेश के मुताबिक इसकी पूरी जानकारी कमिश्नरेट पुलिस के अलावा डीजीपी, एडीजी कानून-व्यवस्था समेत सभी उच्चाधिकारियों को दी गई। उनके आदेश पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में तहरीर दी। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेंद्र सिंह के मुताबिक रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

एकेटीयू में छात्रों ने डिजाइन किया मशीन

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय ऑटोकैड आधारित स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला का बुधवार को समापन हुआ। छात्रों ने ऑटोकैड पर डिजाइन की बारीकियाँ सीखीं। सिविल व मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए विशेष रूप से टू-डी डिजाइन सॉफ्टवेयर ऑटोकैड की जानकारी दी गई। इस दौरान छात्रों को सामान्य जानकारी के साथ-साथ डिजाइन संबंधी अन्य पहलुओं से भी अवगत कराया गया। एडवांस टूल्स के माध्यम से बेहतर डिजाइन तैयार करने की तकनीक सिखाई गई। प्रशिक्षण के अंतिम दिन छात्रों ने ऑटोकैड सॉफ्टवेयर पर मशीनों और घर का नक्शा प्रोजेक्ट के रूप में बनाया। विशेषज्ञ विजय सिंह ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कमियों की ओर ध्यान दिलाते हुए सॉफ्टवेयर के प्रभावी उपयोग के तरीकों को समझाया। डीन ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रो. नीलम श्रीवास्तव ने छात्रों से इस अवसर का पूरा लाभ उठाने की अपील की। इस दौरान प्रतिभा शुक्ला, शिशिर द्विवेदी समेत कई छात्र-छात्राएँ मौजूद रहीं। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

राज्य सरकार के आदेश के मद्देनजर विशेष अपीलों का निपटारा

हाईकोर्ट ने कहा, बेसिक शिक्षा विभाग को दिशा-निर्देशों का करना होगा पालन

लखनऊ, एजेंसी

परिषदीय स्कूलों के विलय का मामला

अमृत विचार: प्रदेश के परिषदीय स्कूलों के विलय मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एकल पीठ के फैसले को चुनौती देने वाली दो विशेष अपीलें निस्तारित कर दीं। कोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा मामले में जारी आदेश के प्रकाश में अपीलों का निपटारा कर दिया। कोर्ट ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग को आदेश में दिए गए दिशा निर्देशों का पालन करना होगा।

राज्य सरकार की ओर से आदेश पेश करके कहा गया कि 50 से अधिक बच्चों वाले और एक किलोमीटर से अधिक दूरी वाले स्कूलों की पेयरिंग नहीं की गई। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने यह अहम आदेश मामले में दाखिल विशेष अपीलों पर दिया हैं। गत 24 जुलाई को हाईकोर्ट ने विलय प्रक्रिया में उजागर हुई स्पष्ट अनियमितताओं के मद्देनजर सीतापुर के स्कूलों के विलय पर यथास्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यह अंतरिम आदेश देते समय अदालत ने स्कूलों के विलय की सरकार की नीति और इसपर अमल करने की मेरिट पर कुछ नहीं किया है। राज्य सरकार के मुख्य स्थाई अधिवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले में सरकार के 27 अगस्त के आदेश को कोर्ट में पेश करके कहा गया कि जिन स्कूलों में 50 से अधिक बच्चे हैं और दो स्कूलों की दूरी अगर एक किलोमीटर से अधिक है, तो उनको जोड़ा नहीं जाएगा। सरकार ने एक और आदेश पेश कर कहा कि जिन स्कूलों में 50 से कम बच्चे हैं और जिन दो स्कूलों के बीच एक किलोमीटर से कम दूरी है, उन्हीं की जोड़ने की गई है। इस पर कोर्ट ने कहा कि स्कूलों की पेयरिंग के स्टेटस से साफ पता चलता है कि पेयरिंग की कारवाई 2009 के आरटीई अधिनियम और इसके नियमों के तहत की गई है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने अपीलें निस्तारित कर दीं। हाईकोर्ट ने पहले सीतापुर में विलय/ पेयरिंग प्रक्रिया पर यथास्थिति का आदेश दिया था। मामले में गत 24 जुलाई को कोर्ट ने मामले में अंतरिम आदेश देकर अगली सुनवाई 21 अगस्त को नियत की थी।

कोर्ट के सामने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पेश किए गए विलय के कुछ दस्तावेजों में साफ अनियमितताएं सामने आईं थीं। राज्य सरकार की ओर से इनका स्पष्टीकरण देने का समय मांगा गया था। जिनके मद्देनजर कोर्ट ने सीतापुर जिले में स्कूलों की विलय/ पेयरिंग प्रक्रिया पर 21 अगस्त तक मौजूदा स्थिति बरकरार रखने का आदेश दिया था। इसके बाद अदालत ने बीते 21 अगस्त को सीतापुर में स्कूलों के विलय पर यथास्थिति बरकरार रखने का अंतरिम आदेश एक सितंबर तक बढ़ा दिया था।

पहली विशेष अपील सीतापुर के पांच बच्चों ने, और दूसरी भी वहीं के 17 बच्चों ने अपने अभिभावकों के जरिए दाखिल की थी। इनमें स्कूलों के विलय में एकल पीठ द्वारा गत सात जुलाई को दिए गए फैसले को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था। एकल पीठ ने गत सात जुलाई को स्कूलों के विलय मामले में प्राथमिक स्कूलों के विलय आदेश को चुनौती देने वाली दोनों याचिकाओं को खारिज कर दिया था। एकल पीठ ने यह फैसला सीतापुर के प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ने वाले 51 बच्चों समेत एक अन्य याचिका पर दिया था। इनमें बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा बीती 16 जून को जारी उस आदेश को चुनौती देकर रद्द करने का आग्रह किया गया था, जिसके तहत प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों की संख्या के आधार पर उच्च प्राथमिक या कंपोजिट स्कूलों में विलय करने का प्रावधान किया गया था।

गांधी भवन सभागार में परिषद के 37वें वार्षिक अधिवेशन का दीप जलाकर शुभारंभ करते डॉ. आशीष कुमार गोयल व अन्य।

विभाग के पेंशनर्स को लगवाना पड़ेगा बिजली का मीटर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वार्षिक अधिवेशन में पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष ने कहा, सुविधाएं मिलती रहेंगी

अमृत विचार: सरकार के नीतिगत फैसले के तहत सभी उपभोक्ताओं के परिसरों में स्मार्ट मीटर लगाने की मुहिम तेज हो गई है। इसके दायरे में बिजली विभाग के पेंशनर्स भी शामिल हैं। पेंशनर्स को मिलने वाली बिजली संबंधी सुविधाएं जारी रहेंगे, लेकिन उन्हें मीटर लगवाना होगा। ये बात बुधवार को विद्युत पेंशनर्स परिषद के वार्षिक अधिवेशन में पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कही।

गांधी भवन सभागार में परिषद का 37वां वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया। इसमें गोयल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि करीब 75 हजार सेवानिवृत्त कर्मियों के घरों में स्मार्ट मीटर लगाने की दिशा में सरकार के आदेश के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। लखनऊ समेत जिलों में पेंशनर्स के घरों में मीटर लगाए गए हैं, लेकिन अभी संख्या कम है। उन्होंने पेंशनर्स से इस मुहिम का विरोध न करने की अपील भी की। उन्होंने आश्वस्त किया कि पेंशनर्स के बिजली और मेडिकल बिलों के भुगतान में किसी प्रकार की बाधा नहीं आने दी जाएगी। पेंशनर्स की उचित समस्याओं का निवारण प्राथमिकता पर किया जाता रहेगा।

अधिवेशन में पावर कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने कहा कि परिषद के प्रमुख महासचिव कप्तान सिंह की ओर से सौंपे गए मांग पत्र पर जल्द ही बैठक कर समाधान पर चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनर्स को अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अधिवेशन के दौरान मेडिकल बिलों में की जा रही कटौती पर पेंशनर्स ने गहरी नाराजगी जताई। वक्ताओं ने गोरखपुर के पेंशनर जेई प्रशांत कुमार घोष का हवाला देते हुए बताया कि उनके पेसमेकर प्रत्यारोपण पर अस्पताल की ओर से करीब तीन लाख रुपये का बिल बनाया गया था। खंडीय कार्यालय ने जांच के बाद इसे घटाकर 1.22 लाख रुपये किया, जबकि पूर्वांचल निगम के एमडी ने केवल 88 हजार रुपये का भुगतान किया।

डॉ. सर्वेश ने हॉफेड के नए प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभाला

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. राज्य औद्यानिक सहकारी विपणन संघ (हॉफेड) के नए प्रबंध निदेशक के रूप में संयुक्त निदेशक (उद्यान) डॉ. सर्वेश कुमार ने कार्यभार ग्रहण किया।

उन्होंने यह पदभार हॉफेड के सभापति नवलेश प्रताप सिंह से लिया है। उन्हें वर्तमान दायित्वों के साथ यह अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। नवपदस्थ डॉ. सर्वेश कुमार ने बताया कि सभापति के साथ प्रदेश की 1044 औद्यानिक सहकारी समितियों और 14 जिला संघों के माध्यम से बागवान किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, फसल उत्पादकता बढ़ाने और तुड़ाई उपरांत प्रबंधन मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हाई-टेक हॉर्टीकल्चर, केंद्र व राज्य योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आम और आलू जैसी फसलों के विपणन के लिए विभिन्न राज्यों में बायर-सेलर मीट आयोजित की जा रही हैं। सभापति ने संचालक मंडल की बैठक शीघ्र बुलाने और सभी कार्यक्रमों में पारदर्शिता व तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वैश्विक निवेशकों की पसंद बना यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एलओसी से बढ़ी विकास की रफ्तार, स्टार्टअप इकोसिस्टम भी हुआ मजबूत

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। न केवल उद्योगों की रफ्तार बढ़ रही है बल्कि स्टार्टअप इकोसिस्टम भी मज़बूत हुआ है। दरअसल, 6.77 लाख करोड़ के एलओसी (लेटर ऑफ कंफर्ट) से भी विकास की गति तेज हुई है। इसे राज्य सरकार की ही नीतियों का प्रभाव माना जा रहा कि यूपी में तेज़ी से बढ़ रहे उद्योगों के कारण लाखों युवाओं को रोजगार भी मिला।

योगी सरकार ने निवेश बढाने के लिए 33 से अधिक क्षेत्र विशिष्ट

नीतियां लागू की हैं, जो उभरते औद्योगिक क्षेत्रों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की गई हैं। राज्य की फ्लैगशिप, औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022, एफडीआई व एफसीआई नीति-2023 के साथ ही सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों की नीतियों ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए विश्वसनीय और संभावनाओं से भरपूर गंतव्य बना दिया है।

निवेश के बाद प्रोत्साहनों को सरल और तेज बनाने के लिए प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया गया है। वही एक उच्च-स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति से हर महीने औसतन 10 लेटर ऑफ कम्फर्ट भी जारी किये जा रहे है। वर्ष 2025 में ही औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति 2022 के तहत 6.77 लाख करोड़ रुपये मूल्य के 70 से अधिक एलओसी स्वीकृत किए गए हैं।

आर्ट्स कॉलेज में हुई फिल्म चित्रका की स्क्रीनिंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कला एवं शिल्प महाविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग में दृश्यलोक प्रोडक्शन की ओर से रचनात्मकता और संवेदना से भरा एक विशेष आयोजन किया गया। युवा कलाकारों द्वारा निर्मित मनोवैज्ञानिक शॉर्ट फ़िल्म चित्रका की स्क्रीनिंग की गई।

मुख्य अतिथि कला एवं शिल्प महाविद्यालय के डीन डॉ. रतन कुमार रहे। वरिष्ठ कला अध्यापक आलोक कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों ने कॉलेज की चारदीवारी में रहकर जिस तरह इतनी परिपक्व और संवेदनशील फिल्म बनाई है, वह किसी बड़े प्रोडक्शन हाउस से कम नहीं।

जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर, धर्मेन्द्र कुमार, रविकांत पांडे, अतुल हुंडू, महेश विश्वकर्मा, अजय कुमार, अनिरुद्ध दिवाकर आचार्य सहित कई अन्य शिक्षक तथा जसम लखनऊ की उपाध्यक्ष सईदा सायरा, विमल किशोर व शांतम निधि भी उपस्थित रहे।

बिजली विभाग में जमा दस्तावेज में बदल गया नाम, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- तीन बिजली विभाग कर्मचारियों समेत सात पर आरोप, पुलिस कर रही जांच

अमृत विचार: बिजली विभाग के रिकार्ड में दर्ज नाम में फर्जी बदलाव कर जालसाजों ने बड़ा फर्जीवाड़ा किया। यह धोखाधड़ी ऐशबाग स्थित राम जानकी मंदिर के प्रबंधक के साथ हुई। पीड़ित द्वारा जांच कराए जाने पर कर्मचारियों की मिलीभगत की बात भी सामने आई। इस मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है और जांच जारी है।

तिलकनगर स्थित ओम बिल्डिंग के मालिक ओम प्रकाश गुप्ता ने बाजारखाला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनके अनुसार वह ऐशबाग वाटर वर्क्स रोड स्थित राम जानकी मंदिर के प्रबंधक हैं और लंबे समय से वहां बिजली बिल नियमित रूप से जमा कर रहे थे। 12 सितंबर को जब वह बिल जमा करने पहुंचे तो पाया कि बिजली बिल में दर्ज नाम बदल चुका है। शिकायत करने पर अधिशासी अभियंता ने पत्रावली मंगाई तो पता चला कि नाम परिवर्तन के लिए एक प्रार्थना पत्र लगाया गया है, जिस पर उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। ओम प्रकाश के अनुसार नौबस्ता बाजारखाला निवासी नीरज गुप्ता, ऐशबाग विद्युत वितरण केंद्र के कर्मचारी सौरभ मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, संविदाकर्मी रोमी मिर्जा और चार अन्य लोगों ने मिलकर यह फर्जीवाड़ा किया। अधिशासी अभियंता ने पीड़ित से लिखित प्रार्थना पत्र, नमूना हस्ताक्षर और आधार कार्ड लेकर नाम को दोबारा पूर्व की तरह दर्ज कर दिया और दोषियों पर विभागीय जांच का आश्वासन भी दिया, मगर कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित ने बाजारखाला थाने में आवेदन दिया, पर वहां भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने कोर्ट में अर्जी लगाई। कोर्ट के आदेश पर बाजारखाला पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार सिंह के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थिति में निजी कंपनी के मैनेजर की मौत

- अमृत विचार, लखनऊ: चिनहट के सेमरा में बुधवार रात प्राइवेट कंपनी के मैनेजर की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की है। पुलिस के मुताबिक शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्र के मुताबिक बुधवार रात सूचना मिली कि मोहन अपार्टमेंट निवासी प्राइवेट कंपनी में मैनेजर विवेक द्विवेदी (47) चलते-चलते अचानक गिर गए। इस सूचना पर फौरन पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने विवेक को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। विवेक के पास मिली आईडी के पते पर पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। परिजनों का कहना है कि विवेक स्कूटी से निकले थे। इंस्पेक्टर का कहना है कि स्कूटी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। घटना स्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

खूंटा गाड़ने को लेकर भिड़े दो पक्ष, आधा दर्जन घायल

- अमृत विचार, बख्शी का तालाब: केसरमऊ कला में बुधवार की सुबह खूंटा गाड़ने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। कुछ ही देर में विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी-डंडे और तलवार से हमला कर दिया। घटना में दोनों पक्षों से लगभग आधा दर्जन लोगों को चोटें आई हैं। दोनों पक्षों ने इटौंजा पुलिस से शिकायत की है। केसरमऊ कला निवासी विपुल कुमार का आरोप है कि बुधवार की सुबह उनकी मां छोटकन्ना सड़क किनारे मवेशी बांधने के लिए खूंटा गाड़ रही थी। इसी बीच गांव के ही पप्पू, लवकुश, आकाश और अन्य ने विरोध करते हुए लाठी डंडे से हमला कर दिया। शोरगुल सुनकर बचाने आए रिंकू पर तलवार से हमला किया गया। घटना में विपुल, रिंकू और उनकी मां छोटकन्ना को चोटें आई हैं। दूसरे पक्ष की शिवदेवी का आरोप है कि उनके घर पर कोई नहीं था। अज्ञात कार से चार पांच लोग डंडा, हाकी लेकर आए और गाली-गलौज कर बेटी को पीट दिया। बेटी को चोटें आई हैं। इंस्पेक्टर इंटौंजा मारकंडेय यादव ने बताया कि पप्पू, आकाश और लवकुश के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की गई है।

महिला पर धारदार हथियार से हमला

- अमृत विचार, मलिहाबाद: लखनऊ अलीगंज निवासी अंजलि शर्मा शादी में टाटा सफारी से नजर गांव जा रही थीं। चालक शुभम गाड़ी चला रहा था। नजर नगर मोड़ के पास बाइक से आए दो हमलावरों ने धारदार हथियारों से वाहन पर ताबड़तोड़ वार शुरू कर दिए। शुभम ने गाड़ी तेज कर दी और डायल 112 पर घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को आता देख हमलावर भाग गए। हड़बड़ी में उनकी एक बाइक घटनास्थल पर ही छूट गई। हमले में महिला और चालक किसी तरह सुरक्षित बचे। पीड़िता की तहरीर पर सोमवार देर शाम को पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत कई गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी के मुताबिक बाइक के नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

सिटी डायरी

नवयुग कन्या में अंतर महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ : रानी लक्ष्मीबाई के जन्मदिवस को नारी शक्ति दिवस के रूप में नवयुग कन्या महाविद्यालय में मनाया गया। इस अवसर पर अंतरमहाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय ने की। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मार्गदर्शन दिया। खो-खो प्रतियोगिता के साथ छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। फाइनल मुकाबला लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज और नवयुग कन्या महाविद्यालय के बीच अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रहा, जिसमें लखनऊ क्रिश्चियन कॉलेज विजेता तथा नवयुग कन्या महाविद्यालय उपविजेता घोषित हुआ। दोनों टीमों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करती प्राचार्या।

बल्लेबाजी करते एकेटीयू कुलपति।

कुलपति टीम हुई धराशाई

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में चल रहे इंट्रा यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स फेस्ट में बुधवार को वीसी 11 और एफओएपी 11 के बीच क्रिकेट का सेमीफाइनल मैच हुआ। जिसमें एफओएपी 11 की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरी वीसी 11 टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज योगेंद्र यादव बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद दूसरा विकेट भी वीसी 11 ने जल्द गंवा दिया। जबकि दूसरी ओर सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे कुलपति प्रो. जेपी पाण्डेय ने स्कोर बोर्ड को एक-दो रन लेकर चलायमान रखा। शिशिर द्विवेदी, महीप सिंह ने कुछ अच्छे शॉट खेले। 10 ओवरों में वीसी 11 इलेवन की टीम ने 76 रनों का चुनौती भरा स्कोर बनाया।

मुख्य अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन करते कर्मचारी।

मुख्य अभियंता कार्यालय पर प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : अमौसी ज़ोन के मोहनलालगंज और नादरगंज डिवीज़न के लगभग 40 आउटसोर्स कर्मचारियों को तीन माह से वेतन नहीं मिला है। परेशान इन कर्मियों ने बुधवार को मुख्य अभियंता अमौसी ज़ोन के कृष्णानगर कार्यालय पर प्रदर्शन किया। प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पांडेय ने बताया कि मुख्य अभियंता ने जल्द भुगतान का आश्वासन दिया है। मालूम हो कि इससे पहले 14 नवम्बर को संगठन पदाधिकारियों और मुख्य अभियंता एचआर मध्यांचल के बीच हुई बैठक में भी वेतन भुगतान का आश्वासन दिया गया था। इसके बावजूद भी जिम्मेदार संस्था मेसर्स टी एंड एम कंपनी ने अब तक कर्मचारियों को बकाया वेतन नहीं दिया है।

शिकंजा कसा

सभी जिलों के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को भेजा पत्र

एटीएस ने मांगा आठ जिलों के मदरसों का ब्योरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मदरसों के बच्चों, पढ़ाने वाले मौलवियों व प्रबंधकों मांगी जानकारी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश की एंटी टेररिस्ट स्क्वायड (एटीएस) ने मदरसों से जुड़े लोगों से जुड़ी जानकारी मांगी है। इस संबंध में एटीएस ने प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, बांदा समेत 8 जिलों के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को पत्र भेजा है। जिसमें मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों, पढ़ाने वाले मौलवियों और प्रबन्धकों के संबंध में पूरी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। एटीएस की इस कार्रवाई को दिल्ली में हाल ही में हुए धमाके से जोड़कर भी देखा जा रहा है।

एटीएस के अधिकारी के मुताबिक प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर, बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को पत्र लिखकर उनके क्षेत्रों के मदरसों से जुड़े छात्रों और शिक्षकों की पूरी सूची मांगी है। अधिकारियों के अनुसार,इसके लिए 15 नवंबर को सभी को पत्र भेजा गया है। इसमें छात्रों के नाम, उनके पिता के नाम, पते और मोबाइल नंबर मांगे गए हैं। एटीएस के अधिकारी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य असामाजिक तत्वों द्वारा मदरसों के दुरुपयोग की किसी भी संभावना को रोकना है।

प्रयागराज ने भेजा ब्योरा

- प्रयागराज के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कृष्ण मुरारी ने बुधवार को जिले की रिपोर्ट एटीएस को सौंप दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, प्रयागराज में कुल 206 मदरसे संचालित हैं। इनमें से 43 सरकारी सहायता प्राप्त और 169 गैर-सहायता प्राप्त मदरसे हैं। अधिकारियों ने बताया कि एटीएस ने प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर जमीनी सत्यापन शुरू कर दिया है। वहीं, प्रदेश के पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सरकार ने आठ जिलों के प्रशासन को मदरसा कर्मचारियों की सूची शीघ्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। विभाग एटीएस को जांच में पूरा सहयोग करेगा।

बीबीएयू में कार्यक्रम को संबोधित करती वक्ता।

लक्ष्य निर्धारित करें छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में महिला उद्यमिता विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवाचार और समावेशन के माध्यम से स्वदेशी विकास को प्रोत्साहित करना रहा। अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति तभी संभव है जब युवा व्यवसाय और उद्यमिता से जुड़कर नए अवसरों का निर्माण करें, यह समय की प्रमुख आवश्यकता है।

भोजपुरी लोकगीत व रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मोहा

महादेवा महोत्सव के मंच पर कलाकारों ने प्रस्तुत किये सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकीः

कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : महादेवा महोत्सव में बुधवार को सांस्कृतिक मंच पर रंगारंग प्रस्तुतियों और लोकगीतों की भरमार रही। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कलाकारों ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि सामाजिक जागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश भी दिया। सूचना विभाग के कलाकार निर्मल और उनकी टीम ने कार्यक्रम की शुरुआत भोले बाबा की भक्ति पर आधारित प्रस्तुतियों से की।

भोले बाबा तेरा सबको सहारा है, खुशियों का अब छाया नजारा है और बाबा भक्तन का उबारव जैसी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। इसके अलावा महादेवा मंदिर बड़ा निराला है, बाबा भक्तों का सहारा है और भक्तन पे फेरी के बाबा सगरी नजरिया, बेड़ा पार लगाना है जैसे गीतों ने तालियों की गड़गड़ाहट से मंच गूंज उठाया। निर्मल की टीम के कलाकार राम सागर, साहब दीन, रामअधार, रामेश्वर, बरसाती, दिनेश, रमेश चंद्र, राजेश कुमार, रमेश, उदय राज और इंदल कुमार ने धोबिया नृत्य प्रस्तुत कर प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित किया। मुख्य अतिथि गौरीकांत दीक्षित ने कलाकारों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस मौके पर ग्राम प्रधान अजय तिवारी, संतोष, नूर मोहम्मद, विनीत और चंदन रावत सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके बाद सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने भोजपुरी बिरहा लोकगीत के माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का महत्व बताया।

धर्म की रक्षा को हर युग में आते हैं प्रभु : साध्वी वैष्णवी

संवाददाता, लखनऊ

श्रीमद्भागवत कथा सुनातीं साध्वी वैष्णवी भारती। अमृत विचार

अमृत विचार : बाबा की बगिया में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन बुधवार को आशुतोष महाराज की शिष्या साध्वी वैष्णवी भारती ने भगवान श्रीकृष्ण के अलौकिक व्यक्तित्व से अवगत करवाया।

उन्होंने कहा कि समुद्र मंथन देवता तथा दैत्यों द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि धर्म की रक्षा के लिए हर युग में प्रभु आते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के कथनानुसार सागर में से बहुत से रत्नों की प्राप्ति होगी। जिनमें से अमृत भी एक है जिसका पान कर अमरता को प्राप्त किया जा सकता है। साध्वी ने कहा कि सागर के गर्भ से प्रथम रत्न विष बाहर निकला। जो सभी दिशाओं में फैलने लगा। देवताओं ने देवों के देव महादेव से प्रार्थना की। भोलेनाथ ने सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान कर लिया। उन्होंने विष को अपने कंठ में ही रोक लिया। इस कारण उनका एक नाम पड़ गया नीलकंठ। उन्होंने कहा कि प्रभु ने हमें शिक्षा प्रदान की, यदि तुम्हें संसार के विष रूपी कड़वे वचन भी सुनने को मिलें तो उसे दिल में मत लेकर जाना अपितु गले में ही रोक लेना। इस प्रकार जीवन में सुखी रहा जा सकता है। लक्ष्मीजी समुद्र में से प्रकट होकर श्री नारायण को वर रूप में स्वीकार करती हैं। इस प्रसंग से उन्होंने सीख दी कि नारायण को पाने का प्रयास करो। लक्ष्मी स्वयं तुम्हारे पीछे आएंगी। मंथन में से घोड़ा, पारिजात वृक्ष, अप्सराएं, कामधेनु गाय, रथ, तरकश, बाण, अमृत बाहर निकले। जिन्हें देव और दानव सभी ने आपस में विभाजित कर दिया। उन्होने कहा कि द्वापर में कंस के अत्याचार को समाप्त करने के लिए प्रभु धरती पर आए। उन्होंने गोकुलवासियों के जीवन को उत्सव बना दिया।

रात में बनी दुल्हन, विदाई के वक्त घर छोड़कर चली गयी

बाराबंकी : अमृत विचार : मंगलवार रात दूल्हे ने जिस दुल्हन के साथ सात फेरे लिए, वह बुधवार की सुबह लापता हो गयी। पता चला कि युवती घर छोड़कर चली गई है। अपमान से आहत वर पक्ष हुए खर्च की वापस को लेकर अड़ा रहा। पुलिस मौके पर गई लेकिन फिलहाल मामले की शिकायत नहीं की गई है। यह घटना शहर कोतवाली क्षेत्र में बंकी कस्बा की है। यहां के रहने वाले एक व्यक्ति की बेटी का विवाह घुंघटेर क्षेत्र के एक युवक से तय हुआ था। मंगलवार को बारात वधू पक्ष के दरवाजे पहुंची। विवाह की सारी रस्में पूरी हुईं। बुधवार की सुबह विदाई का समय आया तो वर पक्ष दुल्हन का इंतजार करने लगा लेकिन यह पता लगते ही कि दुल्हन घर में है ही नहीं, वर पक्ष में सन्नाटा पसर गया। तलाश के बावजूद दुल्हन का पता नहीं लगा तो वर पक्ष आग बबूला हो गया। दोनों पक्षों में बहस हुई। वर पक्ष अब तक हुए खर्च की वापसी पर अड़ गए। हंगामे की सूचना बंकी चौकी इंचार्ज मौके पर पहुंचे। हालांकि चौकी प्रभारी ने किसी शिकायत से इंकार किया है।

ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

● हरगांव के तीर्थ मेले में दर्शन को जा रही थीं, कोतवाली देहात इलाके में हुआ हादसा

अमृत विचार : शहर सीमा से सटे कोतवाली देहात क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक, दोनों हरगांव स्थित तीर्थ मेले में दर्शन करने निकली थीं। क्षेत्राधिकारी सदर ने बताया कि फाटक बंद होने के बावजूद दोनों ने रेलवे ट्रैक पार करने की कोशिश की होगी, जिसके चलते हादसा हुआ।

कोतवाली देहात क्षेत्र के भुर्जिया मजरा बड़ा गांव निवासी सोनी राजपूत (40) और उनकी बेटी पिंकी हरगांव में लगे तीर्थ मेले के दर्शन के लिए घर से पैदल निकली थीं। बताया जा रहा है कि मां-बेटी रेलवे लाइन के किनारे बने हॉल्ट की ओर जा रही थीं। इसी दौरान अचानक तेज रफ्तार ट्रेन आ गई और दोनों को अपनी चपेट में लेते हुए गुजर गई। हादसे में सोनी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पिंकी को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया, इलाज के दौरान उसकी भी कुछ ही देर बाद मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंचीं क्षेत्राधिकारी सदर नेहा त्रिपाठी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि रेलवे फाटक बंद था, फिर भी संभवतः दोनों ट्रैक पार करते समय हादसे का शिकार हो गईं। कोतवाली प्रभारी अमर सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

कलश यात्रा के साथ आज शुरू होगा ध्वजारोहण का अनुष्ठान

अयोध्या, अमृत विचार : श्रीराम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर अनुष्ठान गुरुवार 20 नवंबर को कलश यात्रा के साथ शुरू होगा। कलश यात्रा सरयू के कच्चा घाट से दोपहर दो बजे शुरू होगी। कलश यात्रा शुरू करने के पहले श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र पूजन हवन करेंगे। इसके बाद कलश यात्रा वहां से निकलेगी। सबसे आगे बैनर, फिर श्री राम मंदिर पर फिदायीन हमले में शहीद रमेश पांडेय के पुत्र मयंक पांडेय के साथ 151 वैदिक छात्र चलेंगे। इसके पीछे 551 महिलाएं कलश लेकर चलेंगी। यह यात्रा श्री राम मंदिर परिसर पहुंचेगी। इसके बाद अनुष्ठान शुरू किया जाएगा।

सजेंगे चौराहे 25 से गूंजेगी राम धुन

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : नगर निगम ने 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्रस्तावित धर्म ध्वजारोहण कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयारी पूरी कर ली है। राममंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के साथ ही नगर के पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम से भगवान राम के भजन व हनुमान चालीसा का पाठ प्रसारित किया जाएगा। सभी चौराहों व अंडरपास को फूलों से सजाया जाएगा। होम स्टे संचालकों के साथ बैठक कर श्रद्धालुओं से मुनासिब दर लेने की अपील की जाएगी। ये बातें बुधवार को पत्रकारों से बात करते हुए महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ने कहीं।

सम्भागीय कार्यालय उप निदेशक (निर्माण)
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ0प्र0
नवीन फल सब्जी मण्डी स्थल उतरौला रोड, देवीपाटन (गोण्डा)

पत्रांक :– नि0–देवी0(गोण्डा)/(निविदा प0)/2025–642 दिनांक :– 19.11.2025

ई–प्रोक्यूरमेंट अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक :– नि0–देवी0(गोण्डा)/(निविदा प0)/2025–461 दिनांक:– 25.09.2025, पत्रांक:–542 दिनांक:–17.10.2025 एवं पत्रांक–591 दिनांक:–04.11.2025 के द्वारा जनपद बहराइच के मण्डी समिति, पयागपुर के क्षेत्रान्तर्गत गड्ढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत सम्पर्क मार्गों के मरम्मत/अनुरक्षण कार्य (05 वर्षीय अनुरक्षण सहित) हेतु मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ़ ठेकेदारों/फर्मों से अलग–अगल तकनीकी एवं वित्तीय बिड ई–टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक: 14.11.2025 को आमंत्रित की गयी थी, उक्त तिथि को आमंत्रित निविदा में वैध निविदा प्राप्त न होने के कारण पुनः दिनांक: 29.11.2025 को आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्तें निविदादाता कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में एवं वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर जानकारी प्राप्त कर सकते है। ई–निविदा के माध्यम से आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर दिनांक–20.11.2025 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक:– 28.11.2025 की सांय 5.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। कार्यो की तकनीकी बिड दिनांक:–29.11.2025 को दोपहर 12.00 बजे से अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मरम्मत /05 वर्षीय अनुरक्षण सहित कार्य की कुल लागत रू0लाख में	निविदा शुल्क (जी0एस0टी0 सहित)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
मण्डी समिति, पयागपुर के क्षेत्रान्तर्गत						
2	सम्पर्क मार्ग बहराइच गोण्डा रोड से लाला तेलियनपुरवा से गोदवरा तक मरम्मत कार्य। (ल0–2.00 किमी0) (Tender ID: 2025_RKUMP_1077465_3)	33.46	6018.00	3.35	04 माह	''द''

नोटः–
1. निविदादाता निविदा शुल्क की धनराशि का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित) उपनिदेशक (निर्माण) के खाता भारतीय स्टेट बैंक की शाखा (नवीन फल एवं सब्जी मण्डी स्थल) गोण्डा के खाता संख्या 30394521872 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट/आर0टी0जी0एस0 कराना होगा। निविदा शुल्क की धनराशि नान रिफन्डेबल है, एवं धरोहर धनराशि जमानत खाता संख्या 30394522015 आई0एफ0एस0सी0 कोड संख्या SBIN0014612 जो उप निदेशक (निर्माण) के नाम नेफ्ट/आर0टी0जी0एस0 कराना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि का यू0टी0आर0 नम्बर निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य होगा।
2. निविदा से सम्बन्धित सभी नियम एवं शर्तें तथा अन्य विवरण आनलाइन निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है।
3. लोक निर्माण विभाग के पत्र संख्या 3689 सी–UPRML/मूल/2023 दिनाँक 17.02.2024 के अनुसार सम्पर्क मार्ग के कार्यों में 05 वर्षीय अनुरक्षण हेतु भुगतान प्रक्रिया का पालन किया जायेगा।
4. उपरोक्त सम्पर्क मार्ग पर प्रीमिक्सिंग / सीलकोट का कार्य हाट मिक्स पद्धति से कराया जायेगा।
5. शेष नियम एवं शर्तें यथावत् रहेंगी।

उपनिदेशक (निर्माण)
मण्डी परिषद, देवीपाटन (गोण्डा)

सूचना

मैंने अपना नाम SHALESH KUMAR VERMA से बदलकर SHAILESH KUMAR VERMA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-RAM CHANDRA CHAUDHARY ADD-B-64, SEC-O ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226020 (U.P.).**

पूर्वोत्तर रेलवे

पीएमएस–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/ निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पीएमएस निविदा आमंत्रित करते है। **क्र० सं०–1, ई–प्रापण निविदा संख्या :** उप मु०इन्जी०–नि०–सीपीआर–पीएमएस–06–2025 दिनांक: 17.11.2025, **कार्य का नाम** – पूर्वोत्तर रेलवे के पनियहवा (छोड़कर)–छितौनी–तमकुही रोड (शामिल) के नए सिंगल ब्राड गेज लाइन के सिविल इंजीनियरिंग कार्यों, विद्युतीकरण कार्यों और सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्यों के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाओं के लिए अथॉरिटी इंजीनियर नियुक्त करने हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (RFP) (पहला चरण: 29.050 किमी और दूसरा चरण:34.793 किमी, कुल लंबाई = 64.193 किमी।), अनुमानित निविदा मुल्य : 13,84,82,489.70, बयाना राशि (रू०) : 8,42,400.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू०) : शून्य, कार्य पूर्ण करने की अवधि : 63 (तिरसठ) माह ● बिडिंग प्रारम्भ करने की तिथि–28.11.2025 ● उपरोक्त पीएमएस निविदा सबमिसन की बन्द होने की तिथि – दिनांक 12.12.2025 15.30 बजे तक। ● उपरोक्त पीएमएस निविदा खुलने की तिथि – दिनांक 12.12.2025 15.30 बजे के उपरांत। ● निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें। उप मुख्य इन्जी०/नि०/ I/ वाराणसी मो०नं० 9794844290

उप मुख्य इंजीनियर/ नि०/I
मुजाधि/डब्लू – 337 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय जिलाधिकारी, अयोध्या
(खनन अनुभाग)

संख्याः 1495 /क्वैरी कार्यालय/2025–26 दिनांकः हस्ताक्षर तिथि

ई–निविदा आमन्त्रण हेतु सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद अयोध्या में नदी तल स्थिति निजी भूमि में उपलब्ध निम्न विवरण के अनुसार साधारण बालू के खनन क्षेत्रों को उ0प्र0 उपखनिज (परिहार) नियमावली 2021 के नियम–23 के उपनियम (2)(ड.) के प्राविधानों के अन्तर्गत उपलब्ध घोषित करते हुए शासनादेश संख्या 2026/86–2019–57(सा0)/ 2017 दिनांक 30 अगस्त 2019 में दिये गये निर्देशानुसार उक्त नियमावली के अध्याय–4 के प्राविधानों के अन्तर्गत 06 माह की अवधि के लिए ई–टेण्डर के माध्यम से खनन परिहार पर स्वीकृत किये जाने हेतु उपलब्ध घोषित किया जाता है तथा दिनांक 22.12.2025 समय 10.00 बजे से दिनांक 30.12.2025 समय 5.00 बजे तक क्षेत्रों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्षेत्रों का विवरण :–

क्र0 सं0	भूस्वामी/भूस्वामियों का नाम	तहसील/ग्राम	गाटा संख्या/खण्ड संख्या	क्षेत्रफल (हे0)	सीमायें चौहद्दी		जियोकार्डिनेट		उपखनिज का नाम	खनन योग्य अनुमानित उपखनिज की मात्रा (घ0मी0 में)	साधारण बालू की प्रचलित दर (रू0 में)	न्यूतम आरक्षित मूल्य (रू0 में)	आरक्षित मूल्य का 25 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी रू0 में
1	श्री सदलू यादव पुत्र श्री राम खेलावन यादव पता नया घाट रैन बसेरा अयोध्या	सदर/मीरापुर ढाबा 2207780101	1ल	2.400	उत्तर	1ल का भाग	A	26° 48'14.9" 82° 13'41.0"	साधारण बालू	48000	65	3120000	780000
					दक्षिण		B	26° 48'09.5" 82° 13'48.8"					
					पूर्व		C	26° 48'07.6" 82° 13'46.3"					
					पश्चिम		D	26° 48'12.8" 82° 13'38.7"					
2	धर्मेन्द्र कुमार मनोहर आदि	रूदौली/ मरौंवा 1656730103	188 ख	1.100	पूर्व	गाटा संख्या 188 का शेष भाग सीमा ग्राम पसैया गाटा संख्या 174 व 188 का भाग गाटा संख्या 188 का शेष भाग	A	26°49'05.27" 81°49'54.13"	साधारण बालू	27500	65	1787500	446875
					पश्चिम		B	26°49'07.28" 81°49'56.63"					
					उत्तर		C	26°49'06.27" 81°49'57.42"					
					दक्षिण		D	26°49'05.59" 81°50'00.06"					
							E	26°49'02.92" 81°49'57.23"					

2. परिहार की अवधि में मानसून सत्र (जुलाई, अगस्त, सितम्बर) की अवधि सम्मिलित नहीं मानी जायेगी।
3. ई–निविदा आंमत्रण सूचना दिनांक 22.12.2025 समय 10.00 बजे से दिनांक 30.12.2025 समय 5.00 बजे तक तक ई–टेण्डर पोर्टल http://etender.up.nic.in पर निविदाकार के द्वारा अपनी ई–निविदा अपलोड की जायेगी।
4. ई–निविदा दिनांक 31.12.2025 को अपरान्ह 1.00 बजे जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित ई टेण्डर समिति द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार, अयोध्या में खोला जायेगा।
5. उक्त के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी खनन अनुभाग जिलाधिकारी कार्यालय अयोध्या से प्राप्त की जा सकती है।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)
प्रभारी अधिकारी (खनन)
अयोध्या

UP-240859 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–ऑक्शन आमंत्रित किया जाता है।

एडमिन यूनिट/जोन	Lucknow-NR-Division-Commercial/Northern Railway
नीलामी सूची सं0	MPS-BSB-25
कार्य का विवरण	Allotment of MPS Stall at BSB Station of Lucknow Division, Northern Railway for the period of 05 years.
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	14-11-2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	29-11-2025 at 11:00 hrs
नीलामी बंद करने की तिथि एवं समय	29-11-2025 at 11:30 hrs
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

Details of catering stalls to be auctioned are as under :-

SN	Station	Lot No.	Stall ID	Close Date /Time	Quota	Sub Quota
1	VARANASI Cantt. (BSB)	MPS-LKO-BSB-MPS-14-25-1	BSB/1/9/MPS	29-11-2025 at 11:30 hrs	GMU	

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3586/2025

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड
विद्युत पारेषण खण्ड–तृतीय, लखनऊ
ई–निविदा सूचना, दिनांक–19.11.2025

अति अल्पकालीन निविदा संख्या: 08/वि0पा0ख0तृ0(ल0)/2025–26, विद्युत पारेषण खण्ड–तृतीय, लखनऊ के नियन्त्रणाधीन 132 के0वी0 उपकेन्द्र रामसनेही घाट और हैदरगढ पर स्थापित आइसोलेटर की सर्विसिंग एवं ओवरहालिंग सम्बन्धित कार्य। निविदा प्रपत्र मूल्य रु0 590/– मात्र (रु0 500.00 + जीएसटी 18 प्रतिशत अतिरिक्त)। सन्दर्भित निविदा हेतु धरोहर धनराशि रु0 2000/– मात्र। ई–निविदा की अन्तिम तिथि–25.11.2025 को 16:00 बजे तक। विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड– तृतीय, लखनऊ, कक्ष संख्या 217–222, ''पारेषण भवन'' एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।** ''राष्ट्र हित में बिजली बचाए'' पत्रांक: 1768/वि.पा.खं.तृ.(ल.)/ई–निविदा/2025–26 दिनांक: 19.11.2025

कार्यालय जिला कलेक्टर, अम्बेडकरनगर।

पत्रांकः 778/वि0भू0अ0अ0/2025 दिनांक 17.11.2025

सामाजिक समाघात निर्धारण करने हेतु निविदा

जनपद अम्बेडकरनगर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारा परियोजना के निर्माण हेतु तहसील अकबरपुर के ग्राम बेवाना, जगदीशपुर मुस्लिमपुर, खानजहांपुर, होरिलपुर व सिवरा की भूमि का अर्जन ''भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013'' के अन्तर्गत किये जाने हेतु प्रस्ताव मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 एक्सप्रेसवेज औद्योगिक– विकास प्राधिकरण (यूपीडा), लखनऊ के पत्र संख्या 4207/यूपीडा–23/1772(30)/भू–अर्जन दिनांक 03 नवम्बर, 2025 के माध्यम से उपलब्ध कराया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

क्रमांक	जनपद का नाम	तहसील	ग्राम	प्रस्तावित भूमि (हे0 में)
1	2	3	4	5
1	अम्बेडकरनगर	अकबरपुर	बेवाना	2.57127
2			जगदीशपुर मुस्लिमपुर	2.72010
3			खानजहांपुर	12.467335
4			होरिलपुर	0.20200
5			सिवरा	0.00840
योगः–				17.969105

उक्त भूमि के अर्जन से पूर्व ''भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम–2013'' की धारा–4 के अन्तर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) एवं सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना तैयार करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी/अन्य संस्थान/गैर सरकारी संस्थान/ विश्वविद्यालयों आदि से अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अध्ययन करने के लिये तकनीकी एवं वित्तीय आवेदन पत्र आमन्त्रित किये जाते है। आवेदन पत्र का प्रारूप नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), अम्बेडकरनगर के कार्यालय में देखा जा सकता हैः–

1– पात्रता :–

अ– सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) एवं सामाजिक समाघात प्रबन्धन योजना तैयार करने हेतु प्रतिष्ठित केन्द्रीय/राज्य सरकार/अर्द्ध सरकारी संस्थान/ विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन किया जा सकता है।

ब– इच्छुक गैर सरकारी संस्थान प्रश्नगत अधिनियम में कम्पनी/सोसायटी के रूप में पंजीकृत हो अथवा कम से कम पिछले पॉच वर्ष से किसी अन्य सुसंगत अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत हो।

स– संस्थान के पास पर्याप्त मानव संसाधन जिसमें योग्य स्तर के अध्ययन/प्रबंधन के लिए उपयुक्त व्यक्ति, जो शीर्ष और मध्यम स्तर के प्रबंधन स्तर पर कुशल कार्य कर रहे हों।

द– संस्थान के पास पेशेवर प्रबंधन, अर्थशास्त्री, समाज शास्त्री/मानव वैज्ञानिक आदि होने चाहिए, जिसका विवरण आवेदन पत्र के साथ देना अनिवार्य होगा।

य– पूर्व में सामाजिक समाघात अध्ययन का अनुभव रखने वाले संस्थान को वरीयता दी जायेगी।

2– आवेदन का प्रारूपः–

अ– संस्थान द्वारा किये गये आवेदन में संस्थान की संरचना का विवरण शामिल होना चाहिए। सामाजिक प्रभाव अध्ययन/मूल्यांकन करने में त्रुटि के लिए संस्थान जिम्मेदार होगा।

ब– आवेदन के साथ सामाजिक प्रभाव अध्ययन या इसी तरह के जुडे पूर्व में किय गये अध्ययनों का विवरण दिया जाय, जिसमें परियोजना के सम्बन्ध में अध्ययन किये जाने सम्बन्धी समय और स्वरूप का विवरण विस्तार से हो।

3– पात्रता का चयनः–

निर्धारित समय के अन्तर्गत प्राप्त कुल आवदन पत्रों का मूल्यांकन, संस्थान द्वारा दिये गये विवरण के आधार पर किया जायेगा। इस कार्य हेतु उपलब्ध स्टाफ, कार्यरत विशेषज्ञों तथा प्रस्तावित कार्यक्षेत्र अथवा अन्य प्रकार की परियोजनाओं हेतु किये गये पूर्व अध्ययन को शामिल किया जायेगा। अतः संस्था द्वारा इसका विवरण अवश्य अंकित किया जाय।

4– संस्थान के चयन को निरस्त करने के लिये किसी भी कारण का बताया जाना अनिवार्य नहीं होगा।

5– इच्छुक संस्थानों के आवेदन पूर्ण विवरण के साथ कार्यालय में अथवा पंजीकृत डाक से दिनांक 27.11.2025 तक कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, कलेक्ट्रेट, अम्बेडकरनगर कक्ष संख्या 33 में स्वीकार किये जायेगें।

6– सामाजिक समाघात निर्धारण (Social impact Assessment) अध्ययन किये जाने के लिए संस्थान द्वारा लिये जाने वाले शुल्क का विवरण (कर सहित) अलग सीलबन्द लिफाफे में दिया जाना होगा। इसके अभाव में आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

नोटः–प्रस्तावित भूमि का पूर्ण विवरण कार्यालय विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी, कलेक्ट्रेट, अम्बेडकरनगर कक्ष संख्या 33 में किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। आवेदन का प्रारूप जनपद की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

जिला कलेक्टर,
अम्बेड़करनगर।

UP-240852 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम KHADEEZA से बदल कर CHANDA W/O MOHD MUSHEER AHMAD रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा पढ़ा व समझा जाये। **निवासी HARRAI Barabanki - 225301**

सूचना

मैने अपना नाम SYED MEHAR ABBAS NAQVI से बदलकर SYED MEHAR ABBAS रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SYED MOHD WASI ADD-BHADARSA LALPUR LALPUR PURVI BHARATKUND BHADORSA TA BAHAR, DIST-FAIZABAD - 224202(U.P)**

सूचना

मैने अपना नाम MOHD HAROON ABDUL HASAN से बदलकर MOHD HAROON रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-ABBUL HASAN ADD-HAMIRAPUR, MALIHABAD, PO-MALIHABAB DIST-LUCKNOW - 227111 (U.P)**

सूचना

मैंने अपना नाम MAHENDRA KUMAR से बदल कर MAHENDRA KUMAR AGARWAL रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O- RAM AUTAR R/O: H NO 15-B, BAINK ROAD ALLAHABAD UTTAR PRADESH - 211002.**

सूचना

सूचित हो कि, मैं Belal Ahmed पुत्र Abul Kalam निवासीः– 302, सिल्वर हाइट्स अपार्टमेंट, गुलशन एन्क्लेव, खुर्रमनगर, पोस्टः विकासनगर लखनऊ का हूँ, मेरे नाम में Belal Ahmed की स्पेलिंग Belal Ahmad अंकित हैं, जो गलत हैं, मेरे सारे दस्तावेजों में मेरा नाम सही स्पेलिंग के साथ Belal Ahmed अंकित हैं, अतः मेरे नाम को Belal Ahmed लिखा जाये।

सूचना

सूचित हो कि मैं **सौम्य दुबे पुत्र कृष्ण अवतार दुबे निवासी ग्राम सराय सुन्दर पोस्ट अकबरपुर, परगना छिबरामऊ, जनपद कन्नौज** घोषित करता हूं कि मेरा चाल चलन ठीक नहीं है जिससे मैं अपने पिता कृष्ण अवतार पुत्र तेजराम के साथ नहीं रहना चाहता। उनसे संबंध विच्छेद करने के साथ उनकी सभी जायदाद जैसे कृषि भूमि व मकान में कोई हिस्सा नहीं लेना चाहता हूं। विच्छेदन की समस्त प्रक्रिया का जिम्मेदार मैं स्वयं हूं। इससे किसी का लेना देना नहीं है।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- **Faculty of Medical Sciences** (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- **Faculty of Nursing** M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- **Faculty of Dental Sciences** (All Specilities)
- **Humanities and Journalism** English
- **Faculty of Pharmacy**
- **Faculty of Management**
- **Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences)** (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 20 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

अधीक्षण अभियंता सहित चार को हटाया

अमृत विचार, लखनऊ : मेरठ में हापुड़ रोड पर शास्त्री नगर में रायल प्लाजा के नाम से बने 4 मंजिला अवैध निर्माण को रोकने में लापरवाही पर आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने जिम्मेदार अभियंताओं पर बड़ी कार्रवाई की है। यह जानकारी उप आवास आयुक्त प्रशासन पल्लवी मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि आवास विकास के मेरठ वृत्त के अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार, अधिशासी अभियंता आफताब अहमद, सहायक अभियंता सौरभ कुमार और अवर अभियंता संदीप कुमार को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए मुख्यालय से सम्बद्ध कर दिया है। स्वीकृत मानचित्र के विरूद्ध अवैध निर्माण को रोकने, सील व ध्वस्त करने में अपने दायित्वों का निर्वहन न करने के लिए सम्बंधित अभियंताओं के विरूद्ध विभागीय जांच के गठित करने के आदेश दिए हैं।

किसानों के खाते में पहुंची सम्मान निधि

अमृत विचार, लखनऊ : पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त किसानों के खाते में भेजे जाने पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने प्रदेश के किसानों और राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। वह बुधवार को बहराइच से इस कार्यक्रम में जुड़े थे। बताया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत उत्तर प्रदेश के 2,15,71,323 किसानों के बैंक खातों में सीधे सम्मान राशि भेजी जा चुकी है। 21 वीं क़िस्त के रूप में उत्तर प्रदेश में 4314 .26 करोड़ की धनराशि लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की गई है।

कामकाजी महिलाओं के लिए बनेगा पिंक इंडस्ट्रियल पार्क

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित प्रदेश बनाने के तहत समाज कल्याण विभाग ने भी बुधवार को गोमतीनगर स्थित भागीदारी भवन में विभागीय स्टेकहोल्डर वर्कशॉप आयोजित की। इसमें प्रदेश के 9 विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। कार्यशाला का उद्देश्य सशक्त समाज, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी प्रगति, महिला सशक्तिकरण और सतत विकास की दिशा में आवश्यक नीतिगत हस्तक्षेपों पर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान विकसित उत्तर प्रदेश @47 विजन में महिलाओं के सशक्तिकरण और उनके स्वावलंबन पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। इसके लिए पिंक इंडस्ट्रियल पार्क बनेगा जो केवल कामकाजी महिलाओं के लिए होगा।

उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष पद के लिए मांगे गए आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष की जल्द ही नियुक्ति होगी। इस प्रक्रिया के तहत बायोडाटा समेत आवेदन पत्र मांगे गए हैं। आवेदन 10 दिसंबर शाम छह बजे तक किया जा सकेगा। इस पद के लिए राज्य सरकार के प्रमुख सचिव या उनके समकक्ष पद पर रहे, विश्वविद्यालय के कुलपति हों या रहे हों तथा किसी विश्वविद्यालय के न्यूनतम 10 वर्ष तक आचार्य हों या रहे हों और उनके पास कम से कम तीन वर्ष का प्रशासनिक अनुभव हो, ऐसे लोग आवेदन कर सकते हैं। यह जानकारी उच्च शिक्षा विभाग के विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी ने दी। अध्यक्ष पद के लिए नियुक्ति की तिथि से तीन वर्ष की अवधि अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, पद धारण करेगा। इच्छुक आवेदकों को निर्धारित प्रारूप में बायोडाटा समेत प्रार्थना पत्र विशेष सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग-5, नवीन भवन, कक्ष संख्या-40, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ के नाम पंजीकृत डाक से भेजना होगा।

कानपुर की रमईपुर ग्राम पंचायत को मिला स्वच्छता में सर्वेश्रेष्ठ पुरस्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- महोबा की सिजहरी समेत पांच पंचायतों ने जीता सेनेट्री कॉम्पलेक्स पुरस्कार
- विश्व शौचालय दिवस पर पंचायती राज निदेशालय में किया गया समारोह का आयोजन

अमृत विचार: विश्व शौचालय दिवस पर पंचायती राज निदेशालय में जिलों से चयनित उत्कृष्ट ग्राम पंचायते, प्रधानों और जिलों को स्वच्छता के क्षेत्र में विशिष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार गाजियाबाद, रामपुर, हाथरस, श्रावस्ती एवं फिरोजाबाद को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत का पुरस्कार मिर्जापुर की नदिहार, बरेली की भरतौल, बिजनौर की जालबपुर गूदड़, कानपुर नगर की रमईपुर एवं श्रावस्ती की सरवन तारा ग्राम पंचायत को दिया गया।

राजधानी के अलीगंज स्थित पंचायती राज निदेशालय में राज्य स्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, प्रमुख सचिव अनिल कुमार और निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर की। इसमें सामुदायिक शौचालयों के उत्कृष्ट संचालन, व्यवहार परिवर्तन गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन और जन-जागरूकता प्रसार में मिली उपलब्धियों को सराहा गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक से भी स्वच्छता का संदेश दिया गया। इस दौरान बेस्ट कम्यूनिटी सेनेट्री कॉम्पलेक्स पुरस्कार महोबा की सिजहरी, झांसी की सिमरावारी, पीलीभीत की पिपरिया अगरू, कासगंज की मजराजात कासगंज एवं आजमगढ़ की वीनापारा ग्राम पंचायतों को मिला। श्रेष्ठ गोबर्धन प्रोजेक्ट पुरस्कार ललितपुर की कारीपहाड़ी, श्रावस्ती की टण्डवा महंत और रामपुर की किरा ग्राम पंचायत ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट पुरस्कार रामपुर की सींगनखेड़ा, बरेली की भमौरा और सोनभद्र की रामगढ़ ग्राम पंचायतों को प्रदान किया गया।

सम्मानित पंचायतों प्रदेश के लिए मॉडल

- पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि सम्मानित पंचायतें आज प्रदेश के लिए आदर्श मॉडल हैं और यह सम्मान उन्हें और भी बड़ी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। हमारा लक्ष्य है हर गांव स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवहार परिवर्तन से सशक्त हो।

ग्राम पंचायतों की सक्रियता सराहनीय

- प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार सिंह ने कहा कि ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, सामुदायिक शौचालयों के सुचारू संचालन व प्लास्टिक मुक्त गांवों के निर्माण में ग्राम पंचायतों की सक्रियता सराहनीय है।

पंचायतों को मिलता रहेगा सहयोग

- निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने कहा कि स्वच्छता अभियान तभी सफल होता है जब समुदाय स्वयं इसकी धुरी बने। विभाग आगे भी ग्राम पंचायतों को तकनीकी एवं प्रशिक्षण सहयोग प्रदान करता रहेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत करते पंचायती राज मंत्री ओपी राजभर और अन्य।

सभी जिलों में फुलप्रूफ होगा आपदा प्रबंधन

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश में आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम को मजबूत बनाने के लिए राहत आयुक्त कार्यालय, उत्तर प्रदेश और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के बीच एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। इसी क्रम में बुधवार को राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर याशोद की अध्यक्षता में एक बैठक भी की गई। बैठक में यूएनडीपी के प्रतिनिधियों ने बताया गया कि इस कार्यक्रम के अन्तर्गत हम विशेषज्ञों के माध्यम से 75 जिलों में जिला आपदा प्रबंधन योजनाओं का विकास करने के साथ ही 15 विभागीय आपदा प्रबंधन योजनाओं का विकास करेंगे।

प्रदेश में 99.48 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण का कार्य पूरा

कुल 15,44,30,092 मतदाता, 15,36,29,570 को दिए जा चुके हैं गणना प्रपत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

अमृत विचार: मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने उत्तर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया के तहत अब तक 99.48 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण का कार्य पूरा हो जाने की जानकारी दी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में कुल 15,44,30,092 मतदाता हैं, अभी तक 15,36,29,570 यानी 99.48 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण का कार्य किया जा चुका है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बुधवार को मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर प्रदेश में चल रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया की प्रगति, दिशा-निर्देशों और कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी दलों से मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने आश्वस्त किया कि एसआईआर के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होने दी जाएगी, इसके सख्त निर्देश सभी अधिकारियों को दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि, बीएलओ की ओर से 04 नवम्बर से कार्य शुरु किया गया। 04 दिसंबर तक मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाकर जमा किया जाना है। 09 दिसंबर को मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन किया जाएगा। फिर 09 दिसम्बर से 08 जनवरी तक प्राप्त दावे एंव आपत्तियों पर सुनवाई के बाद 07 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी तक लगभग 90 हज़ार से अधिक मतदाताओं ने ऑनलाइन माध्यम से अपना गणना प्रपत्र भरा है। बैठक में भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, आप, अपना दल (एस) और एनपीपी के पदाधिकारी मौजूद रहे।

दो दलों ने नहीं बनाए बीएलए

- उन्होंने कहा कि अभी तक मान्यता प्राप्त सभी राजनैतिक दलों द्वारा 3,85,799 बीएलए नियुक्त किए गए हैं, जिसमें सपा ने 1,12,309, बीजेपी ने 1,56,015, बीएसपी ने 1,00,169, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 16,538, अपना दल (एस) ने 713, सीपीआई (एम) ने 55 बीएलए नियुक्त किए हैं। आम आदमी पार्टी और एनपीपी ने अभी एक भी बीएलए नहीं नियुक्त किया है।

मतदाता से नहीं जा रहा दस्तावेज

- मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि किसी भी मतदाता से कोई भी दस्तावेज नहीं लिए जा रहे हैं, जिन मतदातओं द्वारा गणना प्रपत्र पर अपना विवरण भरकर बूथ लेवल अधिकारी के पास जमा कराया जाएगा, उनका नाम आलेख्य सूची में शामिल होगा। ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मिलान नहीं होगा, उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

एसआईआर की अंतिम तिथि बढ़ाई जाए: सीपीएम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में एसआईआर प्रक्रिया की कमियों को उठाया। कहा कि मौजूदा गति और अव्यवस्था से बड़ी संख्या में मतदाताओं के छूट जाने की आशंका है। पार्टी की ओर से बैठक में शामिल राज्य कमेटी सदस्य नवाबउद्दीन ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में धान कटाई का समय है, किसान व्यस्त हैं, जिससे प्रपत्र भरने में दिक्कतें आ रही हैं। 2003 की मतदाता सूची केवल बीएलओ के पास है। परिसीमन में सीटें बदलने से मतदाताओं को अपना नाम ढूंढने में काफी परेशानी हो रही है, विशेषकर उन जिलों में जहां विभाजन हुआ है। इसके अलावा बड़ी संख्या में बीएलओ घर-घर नहीं जा रहे, बल्कि एक स्थान पर बैठकर प्रपत्र बांट रहे हैं और कई जगह प्रपत्र की दूसरी प्रति भी मतदाताओं को नहीं दी जा रही। कई बीएलओ फोटो की अनिवार्यता को लेकर अलग-अलग बातें बता रहे हैं, जिससे भ्रम की स्थिति है। फार्म 6 और 8 भी कई स्थानों पर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने मांग की कि इतनी अव्यवस्था के बीच 4 दिसंबर की अंतिम तिथि में एसआईआर पूरा होना संभव नहीं दिखता, इसलिए इसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

बुलंदशहर के सभी टीबी मरीजों को गोद लिया नरौरा पावर प्लांट ने

अमृत विचार, लखनऊ : बुलंदशहर प्रदेश का पहला जिला बन गया है जहां एक ही संस्था ने सभी ट्यूबरक्लोसिस मरीजों को गोद लेकर पोषण देने का फैसला किया है। बुधवार को इस बावत नरौरा परमाणु एटामिक पॉवर प्लांट एवं स्वास्थ्य विभाग के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर जिलाधिकारी श्रुति मौजूद रहीं। यह जानकारी राज्य क्षय रोग अधिकारी डॉ शैलेंद्र भटनागर ने दी, उन्होंने इस पहल की तारीफ करते हुए कहा कि नरौरा पावर प्लांट जैसे कुछ और संस्थान आगे आ जाएं तो निश्चित तौर पर प्रदेश के प्रत्येक टीबी मरीज को राहत मिलेगी और टीबी को खत्म करने में निर्णायक भूमिका अदा करेंगे।

एसआईआर में बीएलओ कर रहे मनमानी, कार्रवाई हो

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुजफ्फरनगर और झांसी में मतदाता सूची से जुड़ी अनियमितताओं तथा बी.एल.ओ. की मनमानी के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

पार्टी ने ज्ञापन देकर मुजफ्फरनगर की 11-बुढ़ाना, 12-चरथावल, 13-पुरकाजी, 14-मुजफ्फरनगर, 15-खतौली और 16-मीरापुर विधान सभा क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं को दो प्रतियों में गणना प्रपत्र वितरण कराने तथा आयोग के नियमों के अनुसार बिना दस्तावेज़ प्रपत्र प्राप्त करने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने बुधवार को अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में बी.एल.ओ. घर-घर जाकर प्रपत्र देने के बजाय ग्राम प्रधान, कोटेदार या सत्ता पक्ष के नेताओं के घर बैठकर मतदाताओं को बुला-बुलाकर सिर्फ एक-एक गणना प्रपत्र दे रहे हैं। बी.एल.ओ. मतदाताओं पर दस्तावेज़ लगाने का दबाव भी बना रहे हैं, जो भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का घोर उल्लंघन है और इससे मतदाताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। ज्ञापन देने वालों में के.के. श्रीवास्तव और डॉ. हरिश्चंद्र सिंह ने इन गड़बड़ियों को गंभीर बताते हुए त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की।

नहर व्यवस्था सुधार के लिए 95 नई परियोजनाओं को मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 39453 लाख रु. की परियोजनाओं से 36 हजार हेक्टेयर में पुनर्स्थापित होगी सिंचाई क्षमता

अमृत विचार: राज्य सरकार ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की उत्तर प्रदेश में नहर व्यवस्था को और मजबूत बनाने की मंशा से 95 नई परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं प्रदेश के कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और किसानों को समयबद्ध सिंचाई उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कुल 39453.39 लाख रु. की लागत वाली इन परियोजनाओं के पूरे होने पर 36 हजार हेक्टेयर भूमि में सिंचाई क्षमता पुनर्स्थापित होगी, जिससे लगभग 9 लाख किसान और ग्रामीण आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। साथ ही 273 हेक्टेयर विभागीय राजकीय भूमि को संरक्षित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस योजना को लेकर एक समीक्षा बैठक में हिदायत दी कि सभी स्वीकृत कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे हों और गुणवत्ता पर किसी भी स्थिति में समझौता न किया जाए। बैठक में बताया गया कि नहर पुनर्स्थापना से जुड़ी इन 95 परियोजनाओं में नहर प्रणाली के गैप्स में नहर निर्माण, हेड रेगुलेटर, क्रॉस रेगुलेटर, साइफन, फॉल तथा अन्य पक्की संरचनाओं का निर्माण शामिल है। नहरों के आंतरिक एवं बाह्य सेक्शन के सुधार, फिलिंग रीच में लाइनिंग के कार्य, क्षतिग्रस्त कुलाबों के पुनर्निर्माण, नहरों पर पुल-पुलियों के निर्माण एवं मरम्मत तथा नहर पटरियों पर खड़ंजा निर्माण को भी परियोजनाओं में शामिल किया गया है।

अनुपयोगी पड़ी भूमि का भी सदुपयोग

- मुख्यमंत्री ने बैठक में विभाग को अनुपयोगी पड़ी भूमि के सर्वेक्षण और उसके सदुपयोग के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय भूमि का सुविचारित उपयोग विभाग की आय संवर्द्धन में सहायक होगा।

आवश्यकता को ध्यान में रखकर तैयारियां करें

- बैठक में मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रबंधन से जुड़े कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि आगामी वर्ष की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां जनवरी से शुरु कर दी जाएं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन से विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए।

23 प्रशिक्षु आईपीएस को जिलों में किया गया तैनात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ।

अमृत विचार: सरकार ने 2023 और 2024 बैच के 23 प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों को तीन माह के विशेष प्रशिक्षण को जिलों में तैनाती दी है। अभय राजेंद्र दागा को आगरा कमिश्नरेट, ईश्वर लाल गुर्जर प्रयागराज, मानसी वाराणसी, दीक्षा भोरिया गौतमबुद्धनगर, सुमेध मिलिंद जाधव कानपुर, एस. दीप्थी चाह्वाण गाजियाबाद और सरिका चौधरी को लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात किया गया है। संचित शर्मा को उन्नाव, श्लोक गौतम बांदा, सिमरन सिंह सहारनपुर, शुभम जैन अयोध्या और विनय कुमार यादव को झांसी, दिनेश गोदरा को गोरखपुर, अंजना दहिया बरेली, अंकित बंसल बिजनौर, मो. आफताब आलम प्रतापगढ़, बजरंग प्रसाद मेरठ, श्रष्टि जैन जौनपुर, प्रेमसुख दरिया आजमगढ़, जयविंद कुमार गुप्ता मथुरा, प्रदीप कुमार गोंडा, सम्यक चौधरी अलीगढ़, तैनाती दी गई है।

पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के विरोध में सपाइयों ने किया प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा के युवा संगठनों के नेतृत्व में बुधवार को भारी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने हजरतगंज में धरना प्रदर्शन किया। यह विरोध एक पत्रिका द्वारा सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव और उनके परिवार के खिलाफ प्रकाशित अशोभनीय एवं अभद्र टिप्पणी के खिलाफ किया गया। प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं और नेताओं को गिरफ्तार कर ईको गार्डेन भेज दिया।

प्रदर्शन के दौरान समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड तथा समाजवादी छात्रसभा के पदाधिकारियों ने हजरतगंज चौराहे पर सांकेतिक रूप से पत्रिका की प्रति को जला कर विरोध किया। कार्यकर्ताओं का कहना था कि पत्रिका ने नेताजी का नाम पौराणिक संदर्भों से जोड़कर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश की है, जिसे कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। चेतावनी दी कि यदि नेताजी का अपमान करने वाली सामग्री पर कार्रवाई नहीं हुई, तो विरोध और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं और नेताओं का हाल लेने सपा के प्रवक्ता फखरूल हसन चांद, प्रदेश सचिव सऊद मुशीर, नगर महासचिव शब्बीर खान और छात्रसभा के राष्ट्रीय सचिव अब्दुल्ला ईको गार्डेन पहुंचे और गिरफ्तार किए गए कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और एकजुट रहने का आश्वासन दिया।

राजधानी के हजरतगंज में प्रदर्शन करते सपा कार्यकर्ता।

अच्छी पहल

प्रदेश में पहली बार संरक्षण गृहों के बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'नवारम्भ' कार्यक्रम शुरू

बाल एवं किशोर संरक्षण गृहों के बच्चे किए जाएंगे शिक्षित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बेसिक शिक्षा मंत्री के निर्देश पर 46 शिक्षकों को मिल रहा विशेष प्रशिक्षण

अमृत विचार : बाल एवं किशोर संरक्षण गृहों में रहने वाले बच्चों को शिक्षित किया जाएगा। इन्हें सामान्य शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से 'नवारम्भ' नामक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। महिला कल्याण विभाग, यूनिसेफ और एससीईआरटी के सहयोग से शुरू इस कार्यक्रम के तहत बेसिक शिक्षा विभाग के 46 चयनित शिक्षकों को आधुनिक शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा रहा है।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बुधवार को जानकारी दी, उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का लक्ष्य है कि संरक्षण गृहों के बच्चे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार शिक्षा एवं करियर में आगे बढ़ सकें। हर बच्चे को सही दिशा और आत्मविश्वास देना सरकार की प्राथमिकता है। यह विशेष प्रशिक्षण 21 नवंबर तक चार सत्रों में आयोजित होगा।इस कार्यक्रम से उम्मीद है कि संरक्षण गृहों में रहने वाले बच्चे नई दिशा, नया आत्मविश्वास और नई ऊर्जा के साथ समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ सकेंगे।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि संरक्षण गृहों के बच्चों के लिए शिक्षक ही वास्तविक अभिभावक की भूमिका निभाते हैं। थोड़े प्रयास और उचित मार्गदर्शन से ये बच्चे सामान्य बच्चों की तरह आत्मनिर्भर बन सकते हैं और मुख्यधारा में लौट सकते हैं। उन्होंने बताया कि संरक्षण गृहों के बच्चे सामान्य वातावरण से दूर होने के कारण सीखने की गति और मानसिक चुनौतियों से जूझते हैं। उनकी विशेष आवश्यकताओं को समझकर शिक्षक यदि प्रभावी मार्गदर्शन करें, तो उनमें तेजी से सकारात्मक बदलाव संभव है। डिजिटल लर्निंग और जीवन कौशल उनके भविष्य को अधिक मजबूत बनाने में मदद करेंगे।

कॉनक्लेव ऑन जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन में कार्यक्रम का शुभारंभ

- किशोर न्याय समिति के तत्वाधान में एससीईआरटी, लखनऊ में आयोजित 'कॉनक्लेव ऑन जस्टिस फॉर चिल्ड्रेन' के दौरान इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। विशेषज्ञों ने बच्चों की मनोवैज्ञानिक जरूरतों, उनके सामाजिक परिवेश और सीखने की प्रक्रिया को समझते हुए समावेशी शिक्षा पर जोर दिया। प्रशिक्षण में उन्हें किशोर न्याय प्रणाली, जुवेनाइल बच्चों की मानसिकता और उनकी चुनौतियां, सीखने की बाधाएं और समाधान, समावेशी एवं त्वरित अधिगम, सुरक्षा एवं संरक्षण, डिजिटल लर्निंग, कंप्यूटेशनल थिंकिंग और शिक्षक की भूमिका व प्रभावी शिक्षण रणनीतियां आदि विषय पर उन्हें बारीकियां बतायी गयी हैं।

मरीजों को जली रोटियां परोसने की होगी जांच : ब्रजेश पाठक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : फतेहपुर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में मरीजों को जली रोटियां व पानी वाली दाल परोस जाने के प्रकरण पर भी उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गंभीरता से लिया और नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग की महानिदेशक अपर्णा यू को निर्देश दिए कि प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की जाए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मरीजों के स्वास्थ्य संबंधी प्रकरण बेहद गंभीर है। महानिदेशक को निर्देश दिए कि कमेटी मौके पर जाकर मामले की जांच करे। एक सप्ताह में जांच आख्या प्रस्तुत की जाए। साथ ही प्रशासनिक नियंत्रण न रख पाने में कॉलेज के प्रधानाचार्य और सीएमएस के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। भोजन परोसने वाली संस्था पर भी शिकंजा कसेगा।

आयुष्मान योजना में हेरफेर करने वालों पर हो रही कार्रवाई : अर्चना

- **अमृत विचार, लखनऊ :** आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के रिकॉर्ड में हेरफेर करने के मामलों में सख्त कार्रवाई की जाती है। दोष सिद्ध होने पर स्टॉप पेमेंट, डिएक्रिडिटेशन और रिकवरी जैसे कदम उठाए जाते हैं। इसके विपरीत, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अस्पतालों को प्रोत्साहित करने हेतु इंसेंटिव और सम्मान भी प्रदान किए जाते हैं। यह जानकारी स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेन्सिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (साचीज़) की मुख्य कार्यपालक अधिकारी अर्चना वर्मा ने बुधवार को दी, उन्होंने बताया कि 29 सितंबर 2025 को योजना को और अधिक सुलभ बनाने हेतु साचीज द्वारा लाभार्थियों के लिए सुविधाएं मुहैया करायी गयी हैं। इनमें आयुष्मान सारथी ऐप के जरिए घर बैठे सूचीबद्ध अस्पतालों की जानकारी मिलेगी, योजना की सरल भाषा में जानकारी और योजना से जुड़े प्रश्नों के उत्तर चैटबाट में मिलेंगे। इतना ही नहीं, आयुष्मान सेवा के नि:शुल्क नंबर 1800-1800-4444 पर कॉल कर ओपीडी अपॉइंटमेंट की सुविधा मिल रही है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,186.47	26,052.65
बढ़त	513.45	142.60
प्रतिशत में	0.61	0.55

सोना 1,27,300
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,60,000
प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 20 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

सैमसंग की बढ़कर हुई 1.11 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली। सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स की वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन आय 11% से अधिक वृद्धि के साथ 1.11 लाख करोड़ रुपये हो गई। कंपनी की 2023-24 में परिचालन आय 99,541.6 करोड़ रुपये रही थी। आरओसी (कंपनी रजिस्ट्रार) को दी जानकारी के अनुसार, सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ने परिचालन आय में वित्त वर्ष 2024-25 में एक लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर लिया। अन्य आय सहित इसकी कुल एकीकृत आय एक साल पहले ही इस आंकड़े को पार कर गई थी। वित्त वर्ष 2023-24 में यह 1,06,283 करोड़ दर्ज हुई थी। सैमसंग इंडिया की कुल आय में मोबाइल फोन व्यवसाय का बड़ा योगदान है।

ऑयल इंडिया ने किया टोटल से समझौता

नई दिल्ली। देश में सार्वजनिक क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी तेल खोज कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने टोटल एनर्जीज के साथ समझौता किया है। इसके तहत फ्रांस की दिग्गज ऊर्जा कंपनी गहरे पानी वाले क्षेत्रों में तेल और प्राकृतिक गैस भंडार खोजने के लिए तकनीकी सहायता देगी। ऑयल इंडिया ने बुधवार को कहा कि ऑयल इंडिया और टोटल एनर्जीज ने 19 नवंबर, 2025 को नयी दिल्ली में एक प्रौद्योगिकी सेवा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसका मकसद गहरे और अति-गहरे पानी वाले अपतटीय सीमाओं में खोज गतिविधियों के लिए रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। इस समझौते से ऑयल इंडिया को टोटल एनर्जीज की विशेषज्ञता का लाभ उठाने में मदद मिलेगी।

सर्वोटेक को मिली 74 करोड़ की परियोजना

नई दिल्ली। सर्वोटेक रिन्यूएबल पावर सिस्टम ने बुधवार को कहा कि उसे प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 74 करोड़ की रूफटॉप (छत पर लगाई जाने वाली) सौर परियोजना प्राप्त हुई है। सर्वोटेक ने कहा कि यह परियोजना आंध्र प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एनआरईडीसीएपी) द्वारा प्रदान की गई है। सर्वोटेक रिन्यूएबल 5,886 एससी/एसटी के परिवारों के लिए विभिन्न क्षमताओं के रूफटॉप सौर संयंत्रों का डिज़ाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और उन्हें चालू करने का कार्य करेगी।

आयातकों-निर्यातकों को नई सूचना देगा टीआईए

केंद्रीय उद्योग मंत्री बोले- ये मंच भारत की ओर से क्रियान्वित एफटीए की बेहतर समझ प्रदान करेगा

- वाणिज्य विभाग के तैयार टीआईए मंच वैश्विक एवं राष्ट्रीय डेटाबेस को करता है एकीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि ट्रेड इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स (टीआईए) मंच देश के आयातकों, निर्यातकों, स्टार्टअप और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को नई जानकारियां उपलब्ध कराएगा।

केंद्रीय उद्योग मंत्री ने कहा कि यह मंच निर्यातकों को भारत द्वारा अब तक क्रियान्वित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की बेहतर समझ प्रदान करेगा। वाणिज्य विभाग द्वारा तैयार 'टीआईए' मंच छोटे व्यवसायों के साथ-साथ कई वैश्विक एवं राष्ट्रीय 'डेटाबेस' को एकीकृत विश्लेषणात्मक मॉडल में एकीकृत करता है। यह 270 से अधिक विश्लेषण प्रदान करता है। यह मंच भारत और वैश्विक व्यापार, वस्तुओं व क्षेत्रीय विश्लेषण, निर्यात अवसरों सहित बाजार आसूचना एवं प्रतिस्पर्धी विश्लेषण पर वास्तविक समय, 'इंटरैक्टिव' अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। इसमें पीएलआई (उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन) और महत्वपूर्ण खनिजों से संबंधित विनिर्माण क्षेत्रों के लिए स्वचालित व्यापार रिपोर्ट और व्यापार प्रवृत्तियों पर नजर रखना भी शामिल है।

जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है मंच

वित्त विभाग के आर्थिक सलाहकार वनलालराम सांगा ने कहा कि मंच को हितधारकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके सुझावों के आधार पर इसे आगे और विकसित किया जाएगा। यह मंच एक केंद्रीकृत 'डिजिटल हब' के रूप में भी काम करेगा जो विविध व्यापार डेटाबेस (वैश्विक (यूएन कॉमट्रेड) एवं द्विपक्षीय) को एक एकीकृत प्रणाली में समेकित करेगा।

तेल अवीव की यात्रा के दौरान भारत-इजराइल एफटीए की समीक्षा करेंगे केंद्रीय उद्योग मंत्री

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की इस सप्ताह तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है। बुधवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, गोयल, इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। वहां वे द्विपक्षीय व्यापार, निवेश एवं नवाचार को बढ़ावा देने के तरीकों पर नेताओं और व्यवसाय जगत के लोगों के साथ चर्चा करेंगे। यह यात्रा 22 नवंबर को संपन्न होगी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर प्रगति की भी समीक्षा की जा सकती है। भारत और इजराइल मई 2010 से इस समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक आठ दौर की बातचीत हो चुकी है। दोनों देशों ने अक्टूबर 2021 में बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उस देश को भारत का निर्यात 2023-24 के 4.52 अरब डॉलर से 52 प्रतिशत घटकर 2.14 अरब डॉलर और आयात भी 26.2 प्रतिशत घटकर 1.48 अरब डॉलर रह गया। भारत, एशिया में इजराइल का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। द्विपक्षीय व्यापार में मुख्य रूप से हीरे, पेट्रोलियम उत्पाद और रसायन शामिल हैं, लेकिन हाल के वर्ष में इलेक्ट्रॉनिक मशीनरी और उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों, संचार प्रणालियों एवं चिकित्सकीय उपकरणों जैसे क्षेत्रों में भी व्यापार में वृद्धि देखी गई है।

सेवा संबंधी कॉल शृंखला 1600 को जल्द अपनाएं वित्तीय संस्थान : ट्राई

नई दिल्ली, एजेंसी

- शृंखला को चरणबद्ध अपनाने के लिए निर्धारित की समयसीमा

ट्राई ने बुधवार को बैंकों, एनबीएफसी, म्यूचुअल फंड और अन्य विनियमित संस्थाओं के सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए 1600 नंबरिंग शृंखला को चरणबद्ध तरीके से अपनाने के लिए समयसीमा तय की। यह कदम वॉयस कॉल से होने वाले धोखाधड़ी पर रोक को उठाया गया है।

ट्राई ने कहा कि सार्वजनिक और निजी के साथ विदेशी तथा वाणिज्यिक बैंकों को 1 जनवरी, 2026 तक इसे अपनाना होगा। दूरसंचार नियामक ने कहा कि ट्राई से जारी निर्देश में आरबीआई, सेबी और पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा विनियमित संस्थाओं द्वारा 1600 नंबरिंग शृंखला को अपनाने की अंतिम तिथियां बताई गई हैं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अनुसार, सभी म्यूचुअल फंड और परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) इसे 15 फरवरी 2026 तक अपनाए। पात्र स्टॉक ब्रोकर (क्यूएसबी) 15 मार्च तक इसे लागू करें। बड़े आकार के एनबीएफसी, भुगतान बैंक और लघु वित्त बैंकों को 1 फरवरी तक इसमें शामिल होने को कहा गया है और एनबीएफसी, सहकारी बैंक, ग्रामीण बैंक और छोटी संस्थाओं के लिए एक मार्च तय किया है।

आरबीआई ने अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की चेतावनी सूची में सात नए नाम जोड़े

मुंबई, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को अनधिकृत विदेशी मुद्रा व्यापार मंच की अपनी 'चेतावनी सूची' में सात नए नाम जोड़े और इनकी कुल संख्या 95 हो गई है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि चेतावनी सूची में उन इकाइयों के नाम शामिल हैं जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 (फेमा) के तहत विदेशी मुद्रा में लेनदेन करने के लिए अधिकृत नहीं हैं और जो विदेशी मुद्रा लेनदेन के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) संचालित करने को भी अधिकृत नहीं हैं। सूची में शामिल किए नए नामों में स्टारनेट एफएक्स, कैपप्लेस, मिररॉक्स, फ्यूजन मार्केट्स, ट्राइव, एनएक्सजी मार्केट्स और नॉर्ड एफएक्स है। आरबीआई ने कहा कि सूची में उन संस्थाओं, मंचों, वेबसाइट के नाम भी हैं, जो अनधिकृत इकाइयों या ईटीपी को बढ़ावा दे रही हैं। यह सूची संपूर्ण नहीं है।

गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर बरतें सावधानी : सेबी

नई दिल्ली। सेबी ने बुधवार को निवेशकों से गैर-पंजीकृत ऑनलाइन बॉण्ड मंच को लेकर सावधानी बरतने और लेनदेन से बचने का आग्रह किया। नियामक ने कहा कि इन मंचों पर नियामकीय निगरानी का अभाव है और निवेशकों की सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों से कहा कि वे लेनदेन से पहले ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं (ओबीपीपी) की पंजीकरण स्थिति का जांच कर लें और अपने हितों की रक्षा के लिए केवल सेबी-पंजीकृत इकाइयों के साथ ही लेनदेन करें। इसके अलावा, सभी बाजार सहभागियों को ओबीपीपी के रूप में कोई भी सेवा प्रदान करने से पहले लागू नियामक ढांचे का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए आगाह किया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब सेबी ने पाया कि वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों और शेयर ब्रोकर सहित कुछ संस्थाएं, शेयर बाजारों से अनिवार्य पंजीकरण प्राप्त किए बिना ऑनलाइन बॉण्ड मंच प्रदाताओं के रूप में सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसमें कहा गया, ऐसे गैर-पंजीकृत मंच पर नियामक या पर्यवेक्षी निगरानी का अभाव है और ये निवेशक सुरक्षा या शिकायत निवारण के लिए कोई व्यवस्था प्रदान नहीं करते हैं।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी लौटी

मुंबई, एजेंसी

- सेंसेक्स 513 अंक चढ़ा, निफ्टी फिर 26,000 के पार

स्थानीय शेयर बाजार में बुधवार को तेजी लौटी और बीएसई सेंसेक्स 513 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी फिर 26,000 अंक के पार पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद बंधने के साथ आईटी शेयर में लिवाली और घरेलू संस्थागत निवेशकों की लगातार खरीदारी से बाजार में तेजी आई।

बीएसई का सेंसेक्स 513.45 अंक चढ़कर 85,186.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 142.60 अंक यानी 0.55 प्रतिशत चढ़कर 26,052.65 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा और टाइटन लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, मारुति, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के मंगलवार को कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर 'आप अच्छी खबर सुनेंगे' जब यह समझौता निष्पक्ष, न्यायसंगत एवं संतुलित होगा। इस बयान से भी बाजारों को थोड़ा समर्थन मिला। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि मंगलवार की गिरावट के बाद बुधवार को शेयर बाजारों में तेजी लौटी। बाजार को मुख्य रूप से आईटी शेयरों में मजबूत लिवाली से समर्थन मिला। उन्होंने कहा, इस तेजी की अगुवाई इन्फोसिस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी आईटी कंपनियों ने किया। इन्फोसिस की 18,000 करोड़ रुपये के शेयर पुनर्खरीद की घोषणा के बाद धारणा में सुधार हुआ। संभावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीदों ने भी धारणा को मजबूत किया... । जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ने के चलते आईटी क्षेत्र में तेजी आई।

सोना 1,500 और चांदी 4,000 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में तेजी के चलते बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,27,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार 99.5% शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 1,26,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। चांदी की कीमतों में भी तेजी आई और यह 4,000 रुपये बढ़कर 1,60,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई। इससे स्थानीय सर्राफा बाजार में तीन दिन की गिरावट थम गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, बुधवार को सोने में तेजी आई, जिसे नए सिरे से सुरक्षित निवेश की मांग का समर्थन मिला, जबकि अमेरिकी श्रम बाजार में लगातार कमजोरी के संकेतों ने संभावित ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों को बनाए रखा।

राष्ट्रीय

उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण नहीं

सीजेआई गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने की सुनवाई

- कोर्ट ने कहा- देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उच्चतर न्यायिक सेवा (एचजेएस) में पदोन्नत जजों के लिए आरक्षण देने से इन्कार करते हुए कहा कि देश में असमान प्रतिनिधित्व की साझा व्याधि नहीं है, जिसके लिए ऐसी व्यवस्था की जरुरत हो। शीर्ष अदालत ने कहा कि कथित असंतोष और नाराजगी से किसी कैडर के सदस्यों का कृत्रिम वर्गीकरण नहीं किया जा सकता।

प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने कहा कि एचजेएस में चयन ग्रेड व सुपर टाइम स्केल में निर्धारण कैडर में योग्यता-सह-वरिष्ठता पर आधारित है और यह न्यायपालिका के निचले स्तर पर सेवा की अवधि या प्रदर्शन पर निर्भर नहीं हो सकता है।

पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, के. विनोद चंद्रन व जॉयमाल्या बागची शामिल थे। पीठ ने कहा कि सांख्यिकीय आंकड़े भिन्न हैं और एचजेएस में नियमित पदोन्नत व्यक्तियों (आरपी) के असंतोष और नाराजगी को उचित ठहराने के लिए कोई ठोस आधार प्रदान नहीं करते हैं। सेवारत न्यायिक अधिकारियों के पास जिला जजों के रूप में उन्नति के अवसर हैं, जिससे उन्हें सीधी भर्ती की अनुमति मिलती है।

प्रदूषण को ध्यान में रख खेल स्पर्धाएं कराए सीएक्यूएम

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से कहा कि वह वायु प्रदूषण के स्तर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों को नवंबर और दिसंबर में प्रस्तावित खेल स्पर्धाओं को सुरक्षित महीनों तक के लिए स्थगित करने पर विचार करे। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गंभीर वायु प्रदूषण संकट के मुद्दे पर सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की जरुरत है और शीर्ष अदालत को इस मामले की निगरानी के लिए मासिक आधार पर सुनवाई करनी चाहिए। सीएक्यूएम को यह निर्देश तब दिया गया जब वरिष्ठ अधिवक्ता एवं न्यायमित्र अपराजिता सिंह ने पीठ से कहा कि जब वयस्क लोग 'एयर प्यूरीफायर' चालू करके बंद जगहों पर बैठे हैं, तो ऐसे में बच्चे खुले गैस चैंबर में खेलकूद की तैयारी कर रहे हैं। बच्चे सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं।

अंग प्रतिरोपण पर राष्ट्रीय नीति व समान नियम बनाए केंद्र

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को अंगदान और आवंटन के लिए पारदर्शी एवं सक्षम प्रणाली बनाने के लिए राज्यों के परामर्श से राष्ट्रीय नीति और समान नियम बनाने के संबंध में कई निर्देश जारी किए। सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इंडियन सोसायटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन की याचिका पर ये निर्देश पारित किए। सीजेआई ने केंद्र से अनुरोध किया कि वह आंध्र प्रदेश को मानव अंग प्रतिरोपण अधिनियम, 1994 में 2011 के संशोधनों को अपनाने के लिए राजी करे। उन्होंने निर्देश दिया कि कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे राज्य, जिन्होंने अब तक मानव अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण नियम, 2014 को नहीं अपनाया है, इस मुद्दे के महत्व पर जोर देते हुए इसे शीघ्रता से अपनाएं। पीठ ने केंद्र से अंग प्रतिरोपण के लिए आदर्श आवंटन मानदंड वाली राष्ट्रीय नीति विकसित करने को कहा। पीठ ने कहा कि इस नीति में लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्य-वार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए देश भर के अंगदाताओं के लिए एक समान मानदंड स्थापित किए जाने चाहिए।

जांच सीबीआई को सौंपने संबंधी आदेश पर रोक

आर्मस्ट्रांग हत्याकांड

सुप्रीम कोर्ट ने बसपा की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या की जांच सीबीआई को सौंपने संबंधी मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और विजय बिश्नोई की पीठ तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर उस अपील पर सुनवाई कर रही है, जिसमें हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने मामले में राज्य पुलिस द्वारा दाखिल आरोपपत्र को भी रद्द कर दिया था। पूर्व में, 10 अक्टूबर को शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें आरोपपत्र को रद्द कर दिया गया था।

जीवनसाथी को बार-बार आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता : हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

- कोर्ट ने कहा- ऐसा आचरण जब दोहराया जाता है, तो वैवाहिक संबंध रखना असंभव हो जाता है

मुंबई हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को तलाक देते हुए कहा कि जीवनसाथी द्वारा बार-बार आत्महत्या करने की धमकी देना क्रूरता है। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने आदेश में कहा कि जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो पति या पत्नी के लिए वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

यह आदेश उस व्यक्ति की दायर याचिका पर पारित हुआ, जिसने पारिवारिक अदालत के 2019 के आदेश को चुनौती दी थी। पारिवारिक अदालत ने व्यक्ति की तलाक की अर्जी खारिज की थी। याचिका के मुताबिक व्यक्ति की शादी 2006 में हुई थी, लेकिन वैवाहिक विवाद के कारण वह 2012 से पत्नी से अलग रह रहा था। व्यक्ति ने दावा किया कि अलगाव और संदेह के साथ धमकी और आत्महत्या का प्रयास करना हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने के आधार हो सकते हैं। पीठ ने कहा कि पति-पत्नी एक दशक से अधिक समय से अलग-अलग रह रहे हैं और उनके बीच न तो कोई सौहार्द्रपूर्ण समझौता हो पाया है और न ही मेल-मिलाप संभव हो पाया। व्यक्ति ने क्रूरता के कई उदाहरणों का उल्लेख किया था, लेकिन पारिवारिक अदालत ने उन पर विचार नहीं किया।

पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि जीवनसाथी द्वारा आत्महत्या की धमकी देना क्रूरता है। हाईकोर्ट ने कहा, जब ऐसा आचरण दोहराया जाता है, तो दंपती के लिए शांतिपूर्ण वातावरण में वैवाहिक संबंध जारी रखना असंभव हो जाता है।

न्यायपालिका की आलोचना से आपत्ति नहीं, लेकिन व्यापक आरोप न लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी

- पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर लगाए आरोप पर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि उसे न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन व्यापक आरोप नहीं लगाए जाने चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, उज्ज्वल भुइयां और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा को आगाह किया, जिन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीशों पर कुछ आरोप लगाए हैं।

पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा कि आपने कई अच्छे मुद्दे उठाए हैं, लेकिन आप किसी पर भी व्यापक आरोप नहीं लगा सकते। हमें न्यायपालिका की आलोचना से कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन यह उचित तरीके से होनी चाहिए। वकील ने पीठ को बताया कि हाईकोर्ट ने शर्मा द्वारा बिना शर्त माफी मांगने पर अवमानना का आरोप हटाते हुए, पौधरोपण का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि चंडीगढ़ को हरियाली की जरूरत है और यह अच्छी बात है कि हाईकोर्ट ने ऐसा आदेश दिया। आदेश में कहा गया कि याचिकाकर्ता के वकील ने सूचित किया है कि 15 सितंबर 2025 के आदेश पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के समक्ष बिना शर्त माफ़ी और शपथपत्र पेश किया था। उदारता का परिचय देते हुए, हाईकोर्ट ने माफी स्वीकार कर ली और याचिकाकर्ता को अवमानना की कार्यवाही से मुक्त कर दिया है। शीर्ष अदालत ने उस याचिका का निस्तारण कर दिया, जिसमें शर्मा ने हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 15 सितंबर को, शीर्ष अदालत ने वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त कामत की इस दलील पर गौर किया कि शर्मा को अपने परिजनों द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष हलफनामे के माध्यम से दिये वचन का उल्लंघन करते हुए 2023 से 25 के बीच ईमेल भेजने की गलती का पछतावा है। पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 29 मई 2023 के अपने आदेश में इस वचन को विधिवत रूप से पुनः प्रस्तुत किया था।

निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य नहीं : ईसी

नागपुर। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग ने बुधवार को मुंबई हाईकोर्ट को बताया कि निकाय चुनावों के लिए वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग अनिवार्य नहीं है और यह तकनीकी रूप से भी व्यावहारिक नहीं है। आयोग ने नागपुर पीठ के समक्ष कांग्रेस नेता प्रफुल्ल गुडाधे की याचिका का विरोध करते हुए हलफनामा दायर किया। याचिका में महाराष्ट्र में निकाय चुनावों में वीवीपीएटी का उपयोग नहीं करने के उसके फैसले को चुनौती दी गई थी।

- मुंबई हाईकोर्ट में आयोग याचिका का विरोध करते हुए दिया हलफनामा

गुडाधे ने याचिका में कहा कि पारदर्शी चुनाव के लिए वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) प्रणाली जरूरी है। बुधवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अनिल किलोर की पीठ ने वीवीपीएटी मशीनों का उपयोग न करने का कारण जानना चाहा, खासकर तब जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वीवीपीएटी का उपयोग अनिवार्य है। आयोग के वकील ने अदालत को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला केवल आम चुनावों पर लागू होता है, निकाय चुनावों पर नहीं। आयोग ने हलफनामे में कहा कि नगरपालिका चुनावों को नियंत्रित करने वाले अधिनियमों में वीवीपीएटी के उपयोग को अनिवार्य नहीं किया गया है।

प्रदूषण से नहीं मिली राहत एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 391 दर्ज किया गया। इसी के साथ दिल्ली में लगातार छठे दिन वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप से यह भी पता चला है कि 38 में से 18 निगरानी केंद्रों ने एक्यूआई का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया है। चांदनी चौक, डीटीयू, बवाना, आनंद विहार, मुंडका, नरेला और वजीरपुर स्थित केंद्रों ने एक्यूआई 400 से ऊपर दर्ज किया है। मौसम की बात करें तो न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री रहा जो औसत से 2.1 डिग्री कम है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 97 प्रतिशत दर्ज की गई है।

एसआईआर से परेशान व्यक्ति ने पी लिया कीटनाशक, मौत

कोलकाता, एजेंसी

- परिजनों का दावा, 2002 की मतदाता सूची में था मृतक का नाम अन्य सदस्यों के नहीं थे नाम

प. बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 58 वर्षीय व्यक्ति की कीटनाशक पीने से मौत हो गई। परिजनों ने दावा किया है कि व्यक्ति मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मुद्दों को लेकर परेशान था।

पुलिस ने बताया कि मृतक बदुरिया पुलिस थाना क्षेत्र के जदुरहाटी पुरबा निवासी सफीकुल मंडल है। उसने एसआईआर शुरू होने के बाद 2002 की मतदाता सूची की जांच की थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिजनों का दावा है कि मंडल का नाम मतदाता सूची में था, लेकिन परिवार के कई अन्य सदस्यों के नाम नदारद थे। इससे बड़ी मुश्किल आने की आशंका से वह घबरा गया। मंडल ने मंगलवार को कीटनाशक पी लिया था और परिजन उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल ले गए थे।

अधिकारी ने बताया कि बाद में मंडल को कोलकाता के आरजीकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भेजा गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। टीएमसी के बदुरिया से विधायक काजी अब्दुर रहीम दिलू ने बुधवार सुबह परिवार से मुलाकात की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। हाल के हफ्तों में, उत्तर 24 परगना, मुर्शिदाबाद, बीरभूम और नादिया सहित कई जिलों से एसआईआर को लेकर चिंता से जुड़ी मौतों की खबरें आई हैं। निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सहित विभिन्न 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर अभियान शुरू किया है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

प्रवेशांक 2019

धन्यवाद साथियों, आभारी हूं आपका

आज मैं सिर्फ कागज़ के पन्नों का एक पुलिंदा भर नहीं हूं। मैं बरेली की मिट्टी में जन्मी एक धड़कन हूं ...एक सांस हूं, जो हर सुबह आपके घर के बरामदे में ताज़ी हवा की तरह दस्तक देती है। छह साल... किसी सदियों पुरानी विरासत के सामने यह वक्त का एक छोटा-सा टुकड़ा हो सकता है, लेकिन मेरे लिए, यह जीवन का एक पूरा, सार्थक चक्र है।

मेरा जन्म किसी बड़े दावे के साथ नहीं हुआ था, न ही मैं किसी पूर्व-स्थापित विरासत को चुनौती देने चला था। मेरे पास अहंकार नहीं, सिर्फ एक खाली कैनवास था, जिसे ईमानदारी और सच्चाई की स्याही से भरा जाना था। जब मैंने पहली बार इस शहर की सुबह में आंखें खोलीं तो मेरी सांसों में यहाँ की गलियों की हलचल थी, यहां के लोगों की उम्मीदें थीं।

शुरुआत कभी आसान नहीं होती ...हर सुबह, जब मैं आपके दरवाज़े पर दस्तक देता, तो दिल में एक अजीब सी घबराहट होती थी, क्या मैं स्वीकार किया जाऊंगा? आपने मुझे परखा, मेरी खबरों की गहराई को मापा। कुछ पाठकों ने मुझे अपने स्नेह के आंचल में जगह दी, अपने जीवन का हिस्सा बनाया। उनके प्रोत्साहन ने मुझे हर दिन, हर पल बेहतर बनने की प्रेरणा दी। और फिर एक काला दौर आया ...कोरोना काल। जब पूरी दुनिया के साथ साथ बरेली में भी नकारात्मकता का स्याह बादल छा रहे थे। लोग घरों में सिमट गए थे, तब मैंने तय किया कि मैं सकारात्मकता की एक किरण बनूंगा। मैं डर और निराशा की खबरों के बी च उम्मीद की आवाज़ बना, बरेली के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा।

छह वर्षों के अपने सफर में अमृत विचार ने इन प्रमुख राष्ट्रीय घटनाओं पर अपनी समर्पित और विस्तृत कवरेज के माध्यम से पत्रकारिता के उच्च मानदंडों को स्थापित किया है। इसने न केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग की, बल्कि उनके पीछे के महत्व, भावना और प्रभाव को भी पाठकों तक पहुंचाया। यही कारण है कि बरेली ने इसे भरपूर प्यार दिया है।

उस मुश्किल वक्त में आपका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी ताक़त था।

लेकिन यात्रा पथरीली भी रही। कुछ ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नकारा। उनकी आंखें मुझे देखकर फिर गईं, शायद मैं उनकी उम्मीदों के तराज़ू पर पूरा नहीं उतरा पाया... या शायद मेरे सच थोड़े कड़वे थे, जो हर किसी को रास नहीं आए। मैंने उन आलोचनाओं को भी अपने भीतर समेट लिया। मैं नाराज नहीं हुआ, बल्कि मैंने उन आवाजों को ध्यान से सुना और समझा। मैंने सीखा कि इस शहर का मिजाज़ क्या है, यहां के लोगों की ज़रूरतें क्या हैं और उनकी संवेदनशीलता कहां है।इन छह सालों में, मैंने सिर्फ खबरें छापना नहीं सीखा, मैंने खुद को आपके सांचे में ढाला है। यह केवल एक पेशेवर काम नहीं, एक रिश्ता बनाने की प्रक्रिया थी। मैंने यहां की तहजीब, यहां की भाषा, यहां के सुख दुख को समझा। जब शहर चैन की नींद सो रहा होता है, तब मेरे दफ्तर में आंखें खुली रहती हैं, सिर्फ़ इसलिए ताकि आपकी सुबह सच के उजाले और जागरूकता के साथ शुरू हो।

आज मैं सिर्फ़ बरेली की मिट्टी तक सीमित नहीं हूं। एक विशाल वटवृक्ष का रूप में बदल रहा हूं, जिसकी शाखाएं उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के महत्वपूर्ण शहरों तक फैली हुई हैं। बरेली की गलियों से, जहां मैंने आंखें खोलीं और जहां के पाठकों ने मुझे चलना सिखाया। वह एक रिश्ता था, एक संवाद था। बरेली के पाठकों के प्यार और विश्वास ने मुझे पंख दिए, और यह कारवां चल पड़ा। बरेली के बाद, मैंने लखनऊ की राजनैतिक धड़कन को महसूस किया, मुरादाबाद की औद्योगिक ऊर्जा को समझा और हल्द्वानी की शांत पहाड़ी सुबहों में अपनी खबरों की ताज़गी घोली। कानपुर के व्यस्त जीवन और अब अयोध्या की आध्यात्मिक भूमि तक मेरी पहुंच बन चुकी है। आज, जब मैं इन छह सालों के सफ़र पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो यह एक बच्चे के बड़े होने जैसा लगता है। हम गिरे, ठोकरें खाईं, फिर उठे, और आपके विश्वास के सहारे चलते रहे। आपके अटूट प्यार और समर्थन ने ही मुझे ...अमृत विचार को आपका प्यारा अमृत विचार बना दिया है। यह सफर भले ही छोटा हो, लेकिन मेरा संकल्प हिमालय जैसा अडिग है। मैं आपकी आवाज़ हूं, आपकी परछाई हूं, आपका पहरेदार हूं। आपकी खुशी में हंसता हूं, आपके गम में आपके साथ खड़ा होता हूं। जब तक आप हैं, तब तक मेरा वजूद है। यह रिश्ता अटूट है, और रहेगा।

आपका प्यारा अमृत विचार

निर्भया मामले के दोषियों को फाँसी (20 मार्च 2020)

निर्भया मामले के चारों दोषियों, मुकेश सिंह, विनय शर्मा, पवन गुप्ता और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 की सुबह तिहाड़ जेल में फाँसी दी गई। अमृत विचार ने इस खबर को न केवल एक समाचार घटना के रूप में बल्कि राष्ट्रीय महत्व के एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में पेश किया। समाचार पत्र ने इस लंबे चले मामले की पूरी समय-सारणी, अदालती कार्यवाही के उतार-चढ़ाव, और पीड़ितों के परिवार के संघर्ष को विस्तार से शामिल किया।

गलवान झड़प (15-16 जून 2020)

पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव पैदा कर दिया। इस घटना में कई भारतीय सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामले में अमृत विचार ने देश भर में फैले आक्रोश और भारतीय सेना के शौर्य को अपनी रिपोर्टिंग का केंद्र बनाया। समाचार पत्र ने इस घटना की भू-राजनीतिक प्रासंगिकता, शहीद सैनिकों की कहानियों और सरकार के बाद के कदमों (जैसे चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध) पर गहराई से नज़र रखी। रक्षा विशेषज्ञों के विचारों और भारत-चीन सीमा विवाद के इतिहास पर विशेष लेख भी प्रकाशित किए गए।

देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा (24 मार्च 2020)

अमृत विचार ने इस ऐतिहासिक घोषणा की तत्काल कवरेज की और इसके बाद के प्रभावों पर विस्तृत रिपोर्टिंग की। इसमें लॉकडाउन के नियमों, आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता, प्रवासी मजदूरों की दुर्दशा, और आर्थिक चुनौतियों पर कई लेख प्रकाशित किए गए।

राम मंदिर शिलान्यास (5 अगस्त 2020)

दशकों पुराने अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, 5 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जो एक ऐतिहासिक और भावनात्मक क्षण था। कवरेज : अमृत विचार ने इस को एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और राजनीतिक मील के पत्थर के रूप में कवर किया। शिलान्यास समारोह की तैयारियों, धार्मिक अनुष्ठानों, और देश भर में मनाए उत्सव पर विस्तृत रिपोर्ट प्रकाशित की गई। समाचार पत्र ने इस अवसर पर जारी किए गए बयानों, मंदिर निर्माण के लिए एकत्रित दान, और अयोध्या में हुए परिवर्तनों को प्रमुखता से शामिल किया। कुल मिलाकर, "अमृत विचार" ने इन घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ इन मुद्दों से जुड़ी मानवीय कहानियों और सामाजिक प्रभावों को भी सामने लाने में उल्लेखनीय कार्य किया है।

2020

2021

नीरज चोपड़ा का टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण

7 अगस्त, 2021 को नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। अमृत विचार ने नीरज की जीत को एक राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया और भारतभर में मने जश्न को कवर किया। हमने नीरज के संघर्ष और सफलता की कहानी पर जोर दिया, जिससे यह जीत और भी प्रेरणादायक बन गई।

सीडीएस जनरल बिपिन रावत का हेलीकॉप्टर हादसा

8 दिसंबर, 2021 को तमिलनाडु में हुए इस हादसे में भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत समेत 13 लोगों का निधन हो गया था। अखबार ने घटना की जानकारी के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर हुए दुख को भी दर्शाया।

2023

यूपी बजट

उत्तर प्रदेश सरकार के वार्षिक बजट 2024-25 को 'अमृत विचार' ने स्थानीय और क्षेत्रीय विकास के दृष्टिकोण से प्रमुखता से छापा। बजट के प्रावधानों का बरेली और पश्चिम उत्तर प्रदेश के विकास, बुनियादी ढाँचे, कृषि और रोजगार पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण किया गया।

भारत का चंद्रयान-3 मिशन (लॉन्च: 14 जुलाई 2023, लैंडिंग: 23 अगस्त 2023)

भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता एक राष्ट्रीय गौरव का क्षण थी, जिसे अमृत विचार ने बड़े उत्साह के साथ कवर किया। लॉन्च से लेकर चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग तक, मिशन के हर चरण को वैज्ञानिक तथ्यों और राष्ट्रीय उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया। सरल भाषा में विश्लेषण : जटिल वैज्ञानिक प्रक्रियाओं और 'लैंडिंग' के महत्व को सरल भाषा में समझाया गया।

2022

रूस-यूक्रेन युद्ध

'अमृत विचार' ने इस युद्ध को अंतरराष्ट्रीय स्तर की घटना के रूप में कवर किया, जिसके वैश्विक परिणाम थे। अमृत विचार ने युद्ध के विश्व स्तर पर, विशेषकर खाद्य सुरक्षा और तेल की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण किया। युद्धग्रस्त क्षेत्रों की स्थिति, हवाई हमलों की चेतावनी और मानवीय संकट पर लगातार अपडेट दिए गए।

यूपी विधानसभा चुनाव परिणाम

2022 के विधानसभा चुनाव परिणाम हमारी सबसे महत्वपूर्ण कवरेज में से एक रहे। चुनाव परिणामों के दिन, रुझानों से लेकर अंतिम परिणामों तक की लाइव और विस्तृत कवरेज की गई। अपने संस्करणों के क्षेत्रों में प्रत्येक सीट के परिणामों पर गहराई से नज़र रखी गई।

मोरबी पुल हादसा

गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बने केबल पुल के ढहने की दुखद घटना ने देश को झकझोर दिया था, जिसे 'अमृत विचार' ने संवेदनशीलता के साथ कवर किया। हमने लापरवाही, कंपनी की गैर-जिम्मेदारी और प्रशासन की ढिलाई पर सवाल उठाए। जांच कमेटी के गठन और ओरेवा समूह के खिलाफ कार्रवाई पर निरंतर जानकारी दी गई।

2024

अयोध्या में रामलला की स्थापना

22 जनवरी 2024 को अयोध्या में हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को अमृत विचार ने राष्ट्रीय गौरव के रूप में प्रस्तुत किया। इस दिन हमने विशेष अंक प्रकाशित किया। समारोह की गरिमा, अनुष्ठानों और प्रधानमंत्री की उपस्थिति की विस्तृत रिपोर्टिंग की गई।

बजट (1 फरवरी 2024)

1 फरवरी 2024 को पेश किए गए अंतरिम बजट पर अमृत विचार' ने आर्थिक विश्लेषण किया। बजट प्रावधानों का मध्यम वर्ग, किसान और युवाओं पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरल विश्लेषण प्रस्तुत किया गया। स्थानीय उद्योगपतियों और आर्थिक विशेषज्ञों के विचारों को प्रमुखता से छापा गया।

लोकसभा चुनाव परिणाम

18वीं लोकसभा के चुनाव परिणाम, जिनमें एनडीए ने जीत हासिल कर सरकार बनाई। चुनाव के रुझानों, परिणामों और राजनीतिक परिदृश्य पर विस्तृत विश्लेषण प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश की सभी सीटों के परिणामों और प्रमुख उम्मीदवारों की हार-जीत पर गहनता से रिपोर्टिंग की गई।

सुधांशु शुक्ला अंतरिक्ष मिशन

इस मिशन को अमृत विचार ने विज्ञान और राष्ट्रीय गौरव के रूप में कवर किया। मिशन की तकनीकी जानकारी और भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में इसके महत्व को उजागर किया गया। सुधांशु शुक्ला की पृष्ठभूमि और इस मिशन में उनकी भूमिका पर विशेष फीचर लेख प्रकाशित किए गए।

2025

कुंभ का भव्य आयोजन: आध्यात्मिकता की गहराई

कुंभ मेला, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता का सबसे बड़ा प्रतीक, लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। अमृत विचार ने कुंभ के आयोजन, उसकी व्यवस्थाओं और धार्मिक महत्व को समर्पित कवरेज दी। कुंभ के आध्यात्मिक और सामाजिक महत्व पर भी सारगर्भित लेख प्रकाशित किए। भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़े प्रशासनिक पहलुओं को भी उजागर किया गया, जिससे पाठकों को आयोजन की विशालता का अंदाजा हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर: राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतिबिंब

ऑपरेशन सिंदूर पर भी अमृत विचार" की पत्रकारिता सजग रही। पहलगाम हमले के बाद हुए इस ऑपरेशन ने भारत की नई रक्षा नीति को दर्शाया। अमृत विचार ने राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए, सटीक जानकारी दी और दिखाया कि आतंकवादियों के ठिकाने कहीं भी हों, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। अखबार ने भारतीय सेना के शौर्य और बलिदान को प्रमुखता से चित्रित किया, जिससे पाठकों में राष्ट्रीय गौरव की भावना मजबूत हुई।

बजट

आम बजट कवरेज को अमृत विचार ने आसान भाषा में दिया। पाठकों को स्पष्ट रूप से बताया कि कौन सी वस्तुएं सस्ती होंगी और कौन सी महंगी। अमृत विचार" ने बजट को एक संतुलित और भविष्योन्मुखी कदम के रूप में प्रस्तुत किया, जो आम जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने और देश की अर्थव्यवस्था को सही रास्ते पर रखने का प्रयास करता है।

जीएसटी कटौती

अमृत विचार ने जीएसटी कटौती को आम आदमी के जीवन पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभाव पर केंद्रित करते हुए व्यापक कवरेज दी है। अख़बार ने इस कदम को जनता के हित में एक महत्वपूर्ण सुधार बताया है। अमृत विचार की कवरेज ने इन जीएसटी सुधारों को आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ाने और देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाले एक महत्वपूर्ण गेमचेंजर कदम के रूप में प्रस्तुत किया।

अमृत विचार ने पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर उन्हें नए भारत की धड़कन बताते हुए विशेष कवरेज की। फोकस उनकी साधारण पृष्ठभूमि से शीर्ष नेतृत्व तक की यात्रा और प्रमुख उपलब्धियों पर था। इनमें GST, आवास योजनाएं, आयुष्मान भारत, मजबूत विदेश नीति और आत्मनिर्भर भारत जैसे परिवर्तनकारी कार्य शामिल थे। कवरेज ने मोदी को एक निर्णायक और जन-उन्मुख नेता के रूप में प्रस्तुत किया, जिनके जन्मदिन को जन सेवा के रूप में मनाया गया।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया: सड़क हादसे में भारतीय मूल की गर्भवती महिला की मौत

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में कार की चपेट में आने से भारतीय मूल की एक गर्भवती महिला की अपने अजन्मे बच्चे के साथ मौत हो गयी। आठ महीने की गर्भवती समन्विता धारेश्वर (33) तकनीकी विशेषज्ञ थी। पिछले शुक्रवार की रात को स्थानीय समयानुसार आठ बजे के कुछ देर बाद धारेश्वर अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ सिडनी में जॉर्ज स्ट्रीट, हॉर्न्सबी पर सैर कर रही थीं तभी एक 'किआ' कार, उन्हें रास्ता देने के लिए एक कार पार्किंग के प्रवेश द्वार पर धीमी हो गई थी। पुलिस के हवाले से 7न्यूजडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ ही पल के बाद एक बीएमडब्ल्यू ने किआ को पीछे से टक्कर मारी, जिसके चलते वह (किआ) आगे बढ़ी और महिला को टक्कर मार दी।

नेपाल : जेन जी की ओली के कार्यकर्ताओं से झड़प, बारा में कर्फ्यू

काठमांडू। भारत से सटे नेपाल के बारा जिले के कुछ हिस्सों में जेन जी युवाओं और अपदस्थ प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद बुधवार को इलाके में कर्फ्यू लगा दिया गया। बारा जिला प्रशासन ने बताया कि सिमारा हवाई अड्डे के 500 मीटर के दायरे में अपराह्न 12 :30 बजे से रात 8 :00 बजे तक कर्फ्यू लागू रहेगा, क्योंकि वहां सैकड़ों जेनरेशन जी युवा नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के खिलाफ नारे लगाते हुए एकत्र हुए थे।

टेक्सास में दो मुस्लिम समूहों को घोषित किया आतंकवादी संगठन

ह्यूस्टन। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने दो मुस्लिम समूहों को विदेशी आतंकवादी और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक संगठन घोषित किया है। उन पर राज्य में जमीन खरीदने पर रोक लगा दी गई है तथा सरकार के लिए उनसे जुड़ी किसी भी गतिविधि को बंद करने को कानूनी कार्रवाई का रास्ता साफ हो गया है। एबॉट ने एक बयान में कहा कि 'मुस्लिम ब्रदरहुड' और 'काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस' दुनिया भर में आतंकवाद का समर्थन करते हैं और हिंसा, धमकी तथा उत्पीड़न के माध्यम से हमारे कानूनों को तोड़ते हैं।

जयशंकर ने रूस में किया दो नए वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन

मॉस्को, एजेंसी

- कहा- इन दूतावासों से 2030 तक सौ अरब डॉलर बढ़ेगा व्यापार

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को रूस में दो नए भारतीय वाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन किया और कहा कि इनकी स्थापना से दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन, आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इन वाणिज्य दूतावासों की स्थापना 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी। रूस में अपनी राजनयिक उपस्थिति का विस्तार करते हुए, भारत ने येकातेरिनबर्ग और कजान शहरों में नए महावाणिज्य दूतावास खोले हैं। रूस स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट के अनुसार, अब तक भारतीय वाणिज्य दूतावास सेंट पीटर्सबर्ग और व्लादिवोस्तोक में थे।

रूस में पढ़ाई कर रहे 30,000 से अधिक भारतीय छात्रों में से 10,000 छात्र इन दो नए वाणिज्य दूतावासों द्वारा प्रदान की जाने वाली दूतावास संबंधी सेवाओं से लाभान्वित होंगे। उद्घाटन समारोह में रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रे रुडेंको और रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार भी उपस्थित थे। जयशंकर ने कहा, रूसी संघ में भारत के राजनयिक इतिहास में यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

हजारों खौफनाक मौतों का जरिया

दुनिया में आत्मघाती हमलों का इतिहास 1980 के दशक से तब शुरू हुआ जब आतंकी संगठन एलटीटीई (लिट्टे) ने इन्हें अपान एक प्रमुख हथियार बनाया। समय के साथ ऐसे हमले श्रीलंका के साथ इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और फिलीस्तीन जैसे देशों में भी आम हो गए। एक रिपोर्ट के अनुसार, 1981 से जून 2008 तक दुनिया भर में हुए 1,944 आत्मघाती हमले हुए जिनकी 51 संगठनों ने जिम्मेदारी ली। इन हमलों में कुल मिलाकर 70,884 लोग हताहत हुए। इनमें से 21,167 लोग मारे गए और 49,717 घायल हुए। इस अवधि में आत्मघाती हमलों में औसतन लगभग 11 लोग मारे गए और 25 से 26 लोग घायल हुए। भारत भी इन हमलों से अछूता नहीं रहा। हाल ही में दिल्ली में हुआ विस्फोट भारत में आत्मघाती हमले की ताजा घटना है जिसमें 15 लोग मारे जा चुके हैं और कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं।

आत्मघाती हमलावर

हमलों के मास्टरमाइंड

- लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) ने 1987 में पहला आत्मघाती हमला कर इसकी शुरुआत की।
- लिट्टे ने कुल मिलाकर 170 से अधिक हमलों को अंजाम दिया, यह ऐसा करने वाला सबसे बड़ा संगठन बना।
- अन्य प्रमुख संगठनों में अल-क़ायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, हमास, और बोको हराम शामिल हैं।
- इन हमलों में ज्यादातर विदेशी सेनाओं को निशाना बनाया गया था, बाद में नागरिक भी निशाने पर आने लगे।

इन देशों में सबसे ज्यादा हमले

इराक, अफगानिस्तान, फिलीस्तीन, पाकिस्तान और श्रीलंका सबसे अधिक हुए आत्मघाती हमले।

ऐसे बनते हैंआत्मघाती

- आतंकी संगठन इस्लामिक शहादत जैसी धार्मिक और राष्ट्रवादी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं।
- आत्मघाती हमलावरों को अक्सर धोखे से या दबाव से भी इस काम के लिए तैयार किया जाता है।
- संगठन अक्सर मनोवैज्ञानिक युद्ध का इस्तेमाल करके आत्मघाती हमलों के लिए प्रेरित करते हैं।
- विभिन्न संगठन धार्मिक या राष्ट्रवादी उद्देश्य प्राप्त करने के लिए आत्मघाती हमले अंजाम देते हैं।

इसलिए ज्यादा कामयाब

- आत्मघाती हमले लक्षित आबादी में डर पैदा करते हैं और उन्हें असुरक्षित महसूस कराते हैं।
- अक्सर सेना और सरकार को निशाना बनाया जाता है, ताकि राजनीतिक अस्थिरता पैदा हो।
- इन हमलों में हताहतों की संख्या ज्यादा होती है जो आतंकियों के लिए एक प्रभावी हथियार है।
- इन हमलों में कोई पारंपरिक बचाव प्रणाली नहीं होती, जिससे ये हमले बहुत प्रभावी होते हैं।

सबसे घातक हमले

- अमेरिका : 11 सितंबर 2001 को अल कायदा आतंकवादियों ने चार विमानों से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और पेंटागन पर हमला किया। इस हमले में लगभग 3,000 से अधिक लोग मारे गए।
- रूस : सितंबर 2004 में रूस के बेसलान शहर के एक स्कूल में आतंकवादियों ने तीन दिन हमला किया। इसमें करीब 330 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे।
- ईराक : 14 अगस्त 2007 को ईराक में एक कार में विस्फोट हुआ जिसमें 756 लोग मारे गए। यह इराक में हुआ एक बेहद घातक आत्मघाती हमला था।
- भारत : 22 जून 1985 को कनाडा-नई दिल्ली उड़ान भरने वाले एअर इंडिया के विमान में विस्फोट हुआ जिसमें 307 यात्री और 22 क्रू मेंबर मारे गए।
- भारत : मुंबई में 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किया गया हमला जिसमें 167 मारे गए। कई जगह आतंकियों ने नागरिकों पर गोली चलाई।

ट्रंप पर बढ़ा यौन अपराधी एपस्टीन से संबंधित फाइलें जारी करने का दबाव

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों में बिल पारित, मत विभाजन रोकने के प्रयास विफल

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी संसद के दोनों सदन प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने मंगलवार को निर्णायक रूप से एक विधेयक पारित कर न्याय विभाग पर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित उसकी फाइलें सार्वजनिक करने के लिए दबाव बढ़ा दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन नेतृत्व के विरोध से पार पाने के लिए कई महीने तक संघर्ष के बाद अमेरिकी संसद अपने इस प्रयास में कामयाब हो सकी।

संसद के एक छोटे व द्विदलीय समूह को जुलाई में प्रतिनिधि सभा में विधेयक को लाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। तब ट्रंप ने अपने समर्थकों से इसे खारिज करने को कहा था, लेकिन ट्रंप और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन दोनों मत विभाजन रोकने के अपने प्रयासों में विफल रहे। अब राष्ट्रपति ने विधेयक को लेकर बढ़ती लामबंदी के बीच इस पर अपना रुख नरम कर लिया है और यहां तक कहा है कि वह इस पर हस्ताक्षर करेंगे। निचले सदन द्वारा विधेयक पारित करने के कुछ घंटे बाद सीनेट ने आम-सहमति से विधेयक को पारित करने की मंशा जाहिर कर दी। प्रतिनिधि सभा ने 427-1 वोट से इस बिल को भारी मंजूरी दे दी, वहीं सीनेट ने औपचारिक वोट के बिना सर्वसम्मति से इसे तेजी से पास कर दिया। मंगलवार को कांग्रेस में हुए निर्णायक, द्विदलीय मत विभाजन ने सांसदों और ट्रंप प्रशासन पर लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए बढ़ते दबाव को और स्पष्ट कर दिया कि न्याय विभाग एपस्टीन से संबंधित अपनी केस फाइलें जारी करे।

एपस्टीन एक प्रभावशाली फाइनेंसर था, जिसने 2019 में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में मुकदमे का इंतजार करने के दौरान मैनहट्टन जेल में आत्महत्या कर ली थी। एपस्टीन फाइल्स स्कैंडल यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन और उसके साथियों की जांच से जुड़े हजारों पन्नों के दस्तावेज हैं। एपस्टीन पर आरोप लगे थे कि वह अपने पैसे और प्रभावशाली व्यक्तियों यानी राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और राजघरानों के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल करके लड़कियों की तस्करी का गिरोह चलाता था। वह इन हस्तियों के लिए पार्टी भी करवाता था। इनमें कई लड़कियों को यौन शोषण हुआ। एपस्टीन से संबंधों लेकर ट्रंप पर भी आरोप लग चुके हैं।

ट्रंप पर भी लगते रहे हैं यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधों के आरोप। - फाइल फोटो

पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने एपस्टीन ईमेल लीक होने के बाद ओपनएआई बोर्ड से इस्तीफा दिया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के पूर्व वित्तमंत्री लैरी समर्स ने ओपनएआई के निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है। समर्स का बोर्ड से इस्तीफा ऐसे ईमेल के लीक होने के बाद हुआ है, जिससे खुलासा हुआ था कि जेफरी एपस्टीन द्वारा 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने का अपराध स्वीकार किए जाने के बाद भी उन्होंने उसके साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखा था। बोर्ड ने एक बयान में कहा, लैरी ने ओपनएआई निदेशक मंडल से इस्तीफा देने का फैसला किया है और हम उनके फैसले का सम्मान करते हैं। हम उनके योगदान और बोर्ड में उनके द्वारा लाए गए दृष्टिकोण की सराहना करते हैं। समर्स के इस्तीफे की जानकारी उनके द्वारा सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने की घोषणा के एक दिन बाद की गई।

यूक्रेन के रिहायशी इलाकों में बरसीं रूस की मिसाइलें, 16 लोगों की मौत, 37 घायल

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में मंगलवार रात रूसी ड्रोन और मिसाइल हमले में 16 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की रूस पर दबाव बनाने के प्रयासों के तहत तुर्किये में वार्ता करने वाले हैं।

गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको के अनुसार, पश्चिमी यूक्रेन के शहर टेरनोपिल में नौ मंजिला दो अपार्टमेंट ब्लॉक पर रात में हमले हुए। हमले में लगभग 37 लोग घायल बताए जा रहे हैं, जिनमें 12 बच्चे भी शामिल हैं। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने रात भर 476 यूक्रेनी ठिकानों पर डिकॉय ड्रोन से हमले किए और विभिन्न प्रकार की 48 मिसाइलें दागीं।

रूसी हमले के बाद एक इमारत से बुजुर्ग महिला को निकालकर ले जाते यूक्रेनी बचावकर्मी।

जेलेंस्की ने मैसेजिंग ऐप 'टेलीग्राम' पर लिखा, आम जीवन के खिलाफ हर बेशर्म हमला यह दर्शाता है कि रूस पर युद्ध रोकने के लिए दबाव अपर्याप्त है। जेलेंस्की ने कहा कि वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने और उनपर अधिक अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के अपने प्रयासों के तहत बुधवार को तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन से मुलाकात करेंगे।

यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर उत्तर-पूर्वी खारकीव में, रूसी ड्रोन हमलों में दो लड़कियों समेत 46 लोग घायल हो गए।

गिद्ध मारीच 15,000 किमी की यात्रा करके लौटा मध्यप्रदेश

विदिशा। इस साल मार्च में मध्यप्रदेश के विदिशा जिले के हलाली बांध से उड़ान भरने वाला यूरेशियन ग्रिफॉन गिद्ध 'मारीच' 15,000 किमी की यात्रा पूरी करके सुरक्षित भारत लौट आया है।

विदिशा के डीएफओ हेमंत यादव ने बताया कि यह पक्षी पाकिस्तान, अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान और कजाकिस्तान की यात्रा करने के बाद लौटा है। वन विभाग 'सैटेलाइट रेडियो कॉल" से इसकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है। डीएफओ ने कहा कि 'ट्रैकिंग' से गिद्धों के प्रवास और संरक्षण के बारे में जानकारी मिलती है और मारीच की हर गतिविधि पर नज़र रखी जा रही है।

यादव ने बताया कि यह पक्षी 29 जनवरी को सतना जिले के नागौर गांव में घायल अवस्था में पाया गया था। पहले मुकुंदपुर चिड़ियाघर और फिर भोपाल वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में इसका इलाज किया गया। दो महीने बाद 29 मार्च को इसे टैग लगाकर हलाली बांध से छोड़ा गया।

सऊदी अरब में परिवार के व्यापार पर दागे सवाल तो रिपोर्टर पर भड़के ट्रंप

वाशिंगटन/न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्टर मैरी ब्रूस पर तब भड़क गए, जब उन्होंने व्हाईट हाउस में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस की आवभगत के बीच उनसे पूछा कि उनके राष्ट्रपति रहते हुए क्या उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। ब्रूस ने कई और तीखे सवाल पूछे जिस पर ट्रंप ने उन्हें बेहद खराब रिपोर्टर बताते हुए धमकी दे डाली कि वे एबीसी न्यूज के प्रसारण का लाइसेंस रद्द करा देंगे।

ब्रूस ने ट्रंप से पूछा कि क्या राष्ट्रपति पद पर रहते हुए उनके परिवार का सऊदी अरब में व्यापार करना उचित है। ब्रूस ने क्राउन प्रिंस से पूछा, अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला कि आपने एक पत्रकार की हत्या की साजिश रची। 9/11 पीड़ितों के परिजन आपके यहां आने से नाराज हैं। अमेरिकी आप पर क्यों भरोसा करें। इन सवालों के बाद ट्रंप ने एबीसी को 'फेक न्यूज' बताया और ब्रूस से कहा कि उन्होंने प्रिंस से बेहद खराब प्रश्न पूछा। यौन अपराधी एपस्टीन पर एक सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, आप एक खराब रिपोर्टर हैं।

- खराब रिपोर्टर बताते हुए प्रसारण लाइसेंस रद्द कराने की धमकी दी

खुफिया रिपोर्ट को नकारा, कहा- खशोगी की हत्या में प्रिंस शामिल नहीं

ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के उन निष्कर्षों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि 2018 में 'वाशिंगटन पोस्ट' के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की कुछ संलिप्तता हो सकती है। ट्रंप ने सात साल में पहली बार व्हाइट हाउस आए सऊदी अरब के शासक का गर्मजोशी से स्वागत किया। सऊदी अरब की नीतियों के कटु आलोचक रहे खशोगी की हत्या से एक समय के लिए अमेरिका-सऊदी अरब के रिश्तों में भारी तनाव आ गया था। ट्रंप ने खशोगी को 'बेहद विवादित व्यक्ति' बताया। प्रिंस मोहम्मद ने भी खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इनकार किया है।

म्यांमार के ठगी केंद्रों से रिहा 125 भारतीय थाइलैंड से स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। म्यांमार के म्यावाड्डी स्थित ठगी केंद्रों से रिहा किए गए 125 भारतीय नागरिकों को एक सैन्य विमान के जरिए थाईलैंड से भारत भेजा गया। बैंकॉक स्थित भारतीय दूतावास के अनुसार, इस वर्ष मार्च से अब तक म्यांमार के ठगी केंद्रों से रिहा हुए 1,500 भारतीयों को थाईलैंड के माध्यम से स्वदेश लाया जा चुका है।

दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, आज म्यांमार के म्यावाड्डी में ठगी केंद्रों से रिहा हुए 125 भारतीय नागरिकों को भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित एक विशेष उड़ान के जरिए थाईलैंड के माई सोत से वापस लाया गया। दूतावास ने आगाह किया कि भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे विदेश

- इस साल अब तक 1500 भारतीय को लाया गया है वापस स्वदेश

में नौकरी की पेशकश स्वीकार करने से पहले विदेशी नियोक्ताओं की विश्वसनीयता की जांच कर लें तथा भर्ती एजेंट और कंपनियों की भी जांच करें।

छह नवंबर को दो सैन्य विमानों से थाईलैंड से 270 भारतीय नागरिकों को वापस लाया गया था। कुछ दिन पहले ही म्यांमा में एक कुख्यात ठगी केंद्र पर कार्रवाई के बाद वे वहां से भागकर माई सोत चले गए थे। म्यांमा के शहर म्यावाड्डी में के.के. पार्क के साइबर अपराध केंद्र पर छापे के बाद पिछले महीने थाईलैंड पहुंचे 28 देशों के 1,500 लोगों में लगभग 500 भारतीय थे।

भारत की जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रैंकिंग में भारी गिरावट, 10वें स्थान से खिसककर 23वें पर पहुंचा

बेलेम, एजेंसी

- सीसीपीआई की ओर से बुधवार को जारी की गई रिपोर्ट

वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआई) में भारत की रैंकिंग में एक साल के भीतर भारी गिरावट हुई है। सीसीपीआई की बुधवार को जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत पिछले साल के 10वें स्थान से नीचे खिसककर इस साल 23वें स्थान पर आ गया है और मध्यम प्रदर्शन करने वाले देशों के समूह में शामिल हो गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, जलवायु नीति और ऊर्जा उपयोग में मध्यम रेटिंग प्राप्त की है, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में अपने प्रदर्शन के लिए अच्छी रेटिंग प्राप्त की है जो दर्शाती है कि भारत महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के साथ जलवायु कार्रवाई के प्रति प्रतिबद्ध है। रिपोर्ट में हालांकि कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करने के लिए एक संरचित समयसीमा की सिफारिश की गई है, जिसका अंतिम लक्ष्य पूरी तरह से कोयले के उपयोग को समाप्त करना है।

- भारत ने 2025 तक अपनी स्थापित बिजली क्षमता का 50% गैरजीवाश्म स्रोतों से प्राप्त कर लिया है, जो एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, क्योंकि भारत ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत इस लक्ष्य को 2030 से बहुत पहले ही प्राप्त कर लिया है।

कोयले पर निर्भरता को लेकर विशेषज्ञ चिंतित

विशेषज्ञों ने हालांकि हरित विकास के लिए धन वितरण और राष्ट्रीय कार्बन बाजार ढांचे में विकास के लिए भारत की सराहना की है लेकिन देश की कोयले पर निर्भरता को लेकर चिंता भी जताते हैं। वर्तमान में कोयले के उपयोग को समाप्त करने के लिए कोई राष्ट्रीय समयसीमा निर्धारित नहीं है और नए कोयला ब्लॉकों की नीलामी भी जारी है। उल्लेखनीय है कि भारत सबसे बड़े विकसित कोयला भंडार वाले शीर्ष 10 देशों में शामिल है और अपने कोयला उत्पादन का विस्तार करने की योजना बना रहा है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि जीवाश्म ईंधनों पर दी जाने वाली सब्सिडी को विकेंद्रीकृत, समुदाय-स्वामित्व वाली नवीकरणीय ऊर्जा पहलों की ओर मोड़ा जाना चाहिए।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 नवंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अमावस्या 12 .16 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

आज का पंचांग

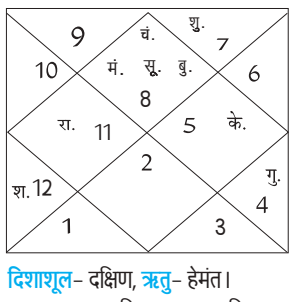

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-विशाखा 10 .58 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष - आज स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं।

वृष - आज परिवार में सुख-शांति रहेगी। आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी।

मिथुन - आज कार्यक्षेत्र में विदेशी लोगों से आपको समर्थन मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं।

कर्क - आज आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। घरेलू कलह से बचने के लिए स्वयं शांत रहें। अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें, सफलता शीघ्र ही मिलेगी। संतान के व्यवहार से निराशा हो सकती है।

सिंह - आज जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें। वरना आप काफी अकेलापन महसूस करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपका मन नहीं लगेगा।

कन्या - आज व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है।

तुला - आज मान-सम्मान में कमी आ सकती है। किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या अध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर अधिक धन खर्च कर सकते हैं।

वृश्चिक - आज मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर अत्यंत संवेदनशील रहेंगे।

धनु - आज आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी। मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। भाई-बहनों को कोई स्वास्थ्य समस्या हो सकती है।

मकर - आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा बढ़ेगा। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

कुंभ - आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। किसी से अधिक अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं। संतान को लेकर थोड़े विचारशील हो सकते हैं।

मीन - आज यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है। संपत्ति विवाद गहरा सकते हैं।

सुडोकू-166

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				3				
7								
		2		8				
						4		
		9						
					3			
								1
	5							

सुडोकू - 165 का हल

1	6	5	7	8	2	3	9	4
2	7	8	9	3	4	5	1	6
3	4	9	5	1	6	7	8	2
6	8	7	4	9	3	1	2	5
5	9	3	6	2	1	8	4	7
4	2	1	8	5	7	9	6	3
9	5	2	3	6	8	4	7	1
8	1	4	2	7	5	6	3	9
7	3	6	1	4	9	2	5	8

अमृत विचार

गुरुवार, 20 नवंबर 2025

देश की तरक्की के लिए हमें आपस में लड़ने के बजाए गरीबी, बीमारी और अज्ञानता से लड़ना होगा।
–लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

चेतावनी देती गड़बड़ी

इंटरनेट अवसंरचना प्रदान करने वाली दिग्गज कंपनी क्लाउडफ्लेयर में आई हालिया तकनीकी गड़बड़ी को केवल एक सामान्य तकनीकी व्यवधान मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह कंटेट डिलीवरी नेटवर्क दुनिया की 20 प्रतिशत वेबसाइट से सामग्री लेती और यूजर को देती है। वेबसाइट और यूजर के बीच ऐसे मध्यस्थ का काम करने वाले ऐसे प्लेटफार्म में, जिस पर दुनिया की हर पांचवी वेबसाइट आश्रित हो, इसी साल तीसरी बार बड़ी खराबी का होना, उसे घंटों बने रहना बताता है कि दुनिया का डिजिटल ढांचा कितनी नाजुक रीढ़ पर टिका हुआ है। क्लाउडफ्लेयर की लगातार गड़बड़ियों के दो प्रमुख कारण हो सकते हैं। पहला, अत्यधिक जटिलता, कंपनी की सेवाएं वैश्विक स्तर पर हजारों सर्वरों, डेटा-सेंटरों और नेटवर्क पॉइंट्स में फैली हैं, जिनका समन्वय किसी भी समय अत्यधिक संवेदनशील स्थिति में रहता है। दूसरा, तेजी से बढ़ते लोड और बदलती सुरक्षा चुनौतियों के चलते बैकएंड इंफ्रास्ट्रक्चर में लगातार बदलाव के चलते यह वैश्विक बाधा आई हो।

विडंबना ही कहेंगे कि दुनिया को तेज और सुरक्षित इंटरनेट देने का दावा करने वाली कंपनी को उसी की तकनीकी असुरक्षा या चूक, इंटरनेट की गति और सुरक्षा दोनों को प्रभावित कर देती है। इस व्यवधान का असर दुनिया भर में महसूस किया गया। भारत भी इससे अछूता नहीं रहा। कई डिजिटल भुगतान सेवाएं, समाचार वेबसाइटें, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, शिक्षा पोर्टल और ऐप कुछ समय के लिए बंद हो गए। भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था में ऐसे झटके केवल असुविधा नहीं, बल्कि आर्थिक व्यवधान भी पैदा करते हैं। यदि इस तरह की गड़बड़ियां बार-बार और लंबे समय के लिए होती रहीं, तो न सिर्फ डिजिटल भुगतान और बैंकिंग व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होगी, बल्कि साथ ही क्लाउड-आधारित स्टार्टअप और आईटी सेवाएं असुरक्षित महसूस करेंगी, तो एआई आधारित सेवाओं पर निर्भर उद्योगों में उत्पादकता का संकट भी उत्पन्न होगा।

इस प्रकार की तकनीकी खराबी सिर्फ एआई प्लेटफॉर्म को ही प्रभावित नहीं करती, इंटरनेट की यह 'रीढ़' लड़खड़ाती है, तो डिजिटल भारत का पूरा ढांचा हिल जाता है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवा, एयरलाइन रिजर्वेशन सिस्टम, ऑनलाइन शिक्षा, आपदा प्रबंधन प्लेटफॉर्म और सरकारी ई-सेवाएं भी ऐसे ही नेटवर्क संरचना पर निर्भर हैं। यूजर्स के पास इससे बचने के विकल्प अत्यंत सीमित हैं। सामान्य उपयोगकर्ता के लिए वैकल्पिक डिलीवरी नेटवर्क सिस्टम या फिर वीपीएन अस्थायी राहत दे सकते हैं, पर वास्तविक समाधान केवल कंपनियों के स्तर पर ही संभव है। व्यवसायों को भी 'सिंगल प्वाइंट ऑफ फेलियर' से बचने के लिए मल्टी-कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क की रणनीति अपनानी होगी, जिसमें क्लाउडफ्लेयर के साथ अन्य नेटवर्क प्रदाताओं का बैकअप हमेशा मौजूद रहे। क्लाउडफ्लेयर को प्रतिष्ठा बचाने और आगे से ऐसा न हो, इसके लिए नेटवर्क आर्किटेक्चर की रेडंडेंसी बढ़ानी होगी, स्वचालित लोड-शिफ्टिंग और फेल्योर सिस्टम को अधिक सक्षम बनाना होगा।

अमेरिका: नफरत की सियासत के शिकार भारतीय

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

मिसीसिपी यूनिवर्सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में एक भारतीय मूल की छात्रा ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से एक सवाल पूछ लिया- आपकी पत्नी ऊषा हिंदू हैं, क्या उन्हें अमेरिका से अपना लगाव साबित करने के लिए ईसाई बन जाना चाहिए? उसने इसी के साथ दूसरा सवाल हथकड़ी लगाकर वापस भारत भेजे गए लोगों के बारे में पूछा- आपने हमें सपना दिखाया कि आओ अमेरिका में पढ़ो, यहां की तरक्की में अपना योगदान दो, लेकिन अब अचानक कहने लगे कि यहां बहुत ज्यादा प्रवासी हो गए हैं। जिन लोगों ने कानूनी तरीके से यहां आकर मेहनत की, अपना भविष्य सुधारना चाहा उनके साथ छल क्यों किया जा रहा है?

सभी जानते हैं कि जेडी वेंस की महत्वाकांक्षा राष्ट्रपति बनने की है। रिपब्लिकन पार्टी में अपने राजनीतिक करियर को समयानुकूल मजबूती देने के लिए पिछले दिनों उन्होंने बयान दिया था, हालांकि मैं दबाव नहीं डालूंगा फिर भी मैं चाहता हूं कि मेरी पत्नी ऊषा भी मेरी तरह कैथोलिक ईसाई बन जाएं। वेंस भी नए-नए छह साल पहले कैथोलिक बने हैं। इससे पहले वे नास्तिक हुआ करते थे और बचपन में उनका परिवार इवेंजलेकिल क्रिश्चियन हुआ करता था। ईसाई धर्म की यह शाखा पोप, संतों और चमत्कारों को मान्यता नहीं देती।

उस छात्रा ने वाजिब सवाल उठाया था कि खुद को लोकतंत्र का रक्षक और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अग्रणी देश मानने वाले अमेरिका के प्रति अपना लगाव साबित करने के लिए किसी का कैथोलिक ईसाई होना कब से जरूरी हो गया है? इस घटना का एक खास संदर्भ है। हाल के वर्षों में अमेरिका में अल्पसंख्यकों खास तौर पर भारतीय मूल के लोगों या हिंदुओं के प्रति नफरता का खुला प्रदर्शन किया जा रहा है और उनके प्रतीकों पर हमले बढ़े हैं। खुद जेडी वेंस अंतरधार्मिक विवाह के कारण इस नफरत के उभार का कोप झेल रहे हैं। अभी जब उन्होंने अपनी पत्नी के कैथोलिक बनने की इच्छा वाला बयान दिया तो मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) समर्थकों और श्वेत राष्ट्रवादियों ने ट्रोलिंग करके उनकी शादी को गलत या गैरअमेरिकी बताते हुए कहा, ऊषा हिंदू ही रहेंगी और अमेरिका के लोग उन्हें कभी अपने देश की फर्स्ट लेडी के रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

मुख्यतः धार्मिक आधार पर नफरत फैलाकर (अन्य उप कारकों को जोड़ते हुए) जनमत बनाना, लोगों को संगठित करना, तेज ध्रुवीकरण करना और सत्ता हासिल करना दुनिया भर में राजनीति के नए सफल मॉडल के रूप में उभर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रपति के रूप में दूसरी जीत के पीछे इमिग्रेशन डिबेट की बड़ी भूमिका है, जिसने मुस्लिमों, अश्वेतों और भारतीय मूल के लोगों खासकर हिंदुओं के खिलाफ नफरत को हवा दी है। बाइडेन के कार्यकाल में दक्षिण एशिया के लोगों के प्रति नफरत इंटरनेट तक सीमित थी, लेकिन ट्रंप के कार्यकाल में सड़क पर दिखाई देने लगी है। ट्रंप-एलन मस्क-रामास्वामी के बीच इमिग्रेंट मामले को लेकर जो बड़ी बहस हुई, उसके बाद भारतीयों की नौकरी छीनने की धमकियों में पहले की तुलना में 75 फीसदी की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

ट्रंप के एच-वन वीजा की फीस बढ़ाने और 104 भारतीयों को जबरन जहाज में भरकर वापस भेजने से उत्तेजना बढ़ी है। सेंटर फार द स्टडी ऑफ आर्गेनाइज्ड हेट के अध्ययन का निष्कर्ष है कि सिर्फ नस्लभेदी पोस्ट्स ही नहीं बल्कि टेक्सास, वर्जीनिया और कैलिफोर्निया में मंदिरों पर हमले के मामले भी बढ़े हैं। कुछ समय पहले केंटकी के स्वामीनारायण मंदिर पर भड़काऊ ढंग से 'जीसस इज द ओनली गॉड' लिख दिया गया था। अमेरिका में रहने वाले भारतीय अपने देश में चल रही राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखते हैं और उनमें एक बड़ा तबका अल्पसंख्यकों के घरों पर बुल्डोजर चलाने जैसी घटनाओं पर खुशी को छिपाता नहीं है।

इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने पिछली बार अमेरिका में 14 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं और इस तरह के प्रदर्शन खुद उनके खिलाफ नफरत की राजनीति के उत्प्रेरक बन जाते हैं। भारतीय मूल के लोगों के प्रति नफरत को इतनी हवा दी गई है कि अक्सर त्योहारों पर माहौल खराब होने लगा है। अमेरिका में तीस लाख के आसपास हिंदू हैं। अब यह परंपरा बन चुकी है कि दीवाली पर कैलीफोर्निया प्रांत में सार्वजनिक अवकाश होता है, व्हाइट हाउस में रोशनी होती है, लेकिन इस बार दीवाली पर ट्रंप प्रशासन में उच्च पदों पर बैठे कुछ भारतीय मूल के लोगों को ट्रोल किया गया। डाइरेक्टर आफ नेशनल इंडेलिजेंस तुलसी गाबर्ड और एफबीआई के प्रमुख काश पटेल ने जब दीवाली पर शुभकामनाएं दीं, तो कट्टरपंथियों ने उन्हें गालियां दीं और अमेरिका छोड़कर चले जाने को कहा।

भारतीय मूल के लोग नफरत की राजनीति के इस विस्तार को अपने अस्तित्व पर खतरे के रूप में देखना शुरू कर चुके हैं, जो सोशल मीडिया और दूसरे मंचों पर जाहिर उनकी चिंताओं में दिखाई देने लगा है। अगर वे अमेरिका में दक्षिण एशियाई, अफ्रीकी या अन्य मूल के अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और अत्याचार की घटनाओं के विरोध में बोलते हैं, तो अपने आप एक ऐसे मोर्चे का निर्माण होगा, जो बहुसंख्यकों की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में सक्रिय हो सकता है। अभी तक ऐसा नही हो पाया है। वे दूसरे पीड़ितों के प्रति सहानुभूति रखेंगे, तो उन्हें भी समर्थन मिलेगा जो उनका सुरक्षा कवच बन सकता है। यहां भारत में अल्पसंख्यक सिख समुदाय से भी सीखा जा सकता है, जिन्होंने आपदा के समय सेवाभाव और परोपकार के कामों से प्रतिष्ठा पाई है और समाज में एक खास जगह बना ली है।

> इंडियन बिजनेस एसोसिएशन ने अमेरिका में स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए जो परेड निकाली थी, उसमें बुल्डोजर को भी शामिल किया गया था। ऐसा करते हुए यह भुला दिया जाता है कि वे खुद अमेरिका में अल्पसंख्यक हैं।

सोशल फोरम

किस्सा मलबे में दबी एक साहसी लड़की का

13 नवंबर 1985 को, कोलंबिया में नेवाडो डेल रुइज ज्वालामुखी फट पड़ा। उसके विस्फोट से मिट्टी, बर्फ और चट्टानों की एक विशाल लहर नीचे की ओर बहती हुई आर्मेरो नामक शहर पर टूट पड़ी। कुछ ही मिनटों में लगभग 23,000 लोगों की जान चली गई। एक 13 साल की बच्ची Omayra Sanchez भी मलबे में दब गई, जिसकी कहानी पूरी दुनिया को झकझोर गई।

शोएब गाजी
ब्लॉगर

जब राहतकर्मी मलबे तक पहुंचे, तो उन्होंने ओमायरा को ठंडे पानी और कंक्रीट के टुकड़ों में कमर तक फंसा हुआ पाया। उसकी टांगें उसके ही घर के मलबे के नीचे दब चुकी थीं और उसके पैरों के नीचे उसकी चाची का शव था, बेहद दर्द में होने के बावजूद, वह अद्भुत शांति के साथ सब कुछ झेल रही थी।

पूरी दुनिया ने 60 घंटे तक रिपोर्टरों के कैमरों के जरिए इस बच्ची की अकल्पनीय हिम्मत को देखा। ओमायरा आसपास के लोगों से प्यार से बात करती, खाने या पानी के लिए पूछती, यहां तक कि यह चिंता करती कि वह स्कूल के लिए देर न कर दे। कभी वह धीरे-धीरे गाना गाती, तो कभी प्रार्थना करती। उसकी काली आंखों में डर भी था और एक अद्भुत साहस भी।

राहतकर्मियों ने हर संभव कोशिश की। पानी निकालने के लिए पंप लाए। उसे सान्त्वना दी। टांगें छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन मलबा बहुत भारी था। डॉक्टरों को पता था कि बिना सही उपकरण के उसे निकालना खून बहने से मौत का कारण बन सकता है। इन घंटों में पत्रकार फ्रैंक फोर्नियर ने ओमायरा की तस्वीरें खींचीं। वे तस्वीरें जिन्होंने पूरी मानवता की अंतरात्मा को हिला दिया।

उसकी एक तस्वीर, जिसमें उसकी आंखें खुली थीं, चेहरा फीका और उंगलियां सूजी हुईं। बाद में World Press Photo of the Year का पुरस्कार जीती। यह कला के लिए नहीं, बल्कि उसकी सच्चाई और पीड़ा के लिए सम्मानित हुई।

ओमायरा के आखिरी शब्द प्यार से भरे थे। उसने बचावकर्मियों को धन्यवाद कहा। उसने अपनी मां से कहा- "मत रोना, मैं आराम करने के लिए तैयार हूं।" और 16 नवंबर की सुबह, 60 घंटे से अधिक संघर्ष करने के बाद, उस बहादुर लड़की ने हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लीं।

–फेसबुक वाल से

प्रसंगवश

तहजीब के शहर को यूनेस्को की मान्यता

हाल में विश्व नगर दिवस के अवसर पर यूनेस्को ने अपने रचनात्मक शहरों की सूची में 58 नए शहरों को शामिल किया है। इस सूची में लखनऊ का होना भारत के लिए गर्व का विषय है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को 'पाक-कला के सृजनशील शहर' का दर्जा मिलना न केवल लखनऊ की समृद्ध नवाबी विरासत का प्रतीक है, बल्कि इससे हमारे देश की खान-पान की खास परंपराओं पर वैश्विक मुहर भी लगी है।

लखनऊ की पाक परंपरा केवल भोजन नहीं, बल्कि समृद्ध खान-पान संस्कृति, इतिहास और भावनाओं का संगम है। वहां की गलियों में महकने वाला स्वाद सदियों पुरानी नवाबी तहजीब की निशानी है। वहां के रसदार कबाब, खास बिरयानी और अन्य

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

खान-पान केवल व्यंजन नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही पाक कला के स्थापित प्रतीक हैं। लखनऊ साबित करता है कि भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि एक रचनात्मक अभिव्यक्ति भी है, जो समुदायों को जोड़ती है और इतिहास को जीवित रखती है। लखनऊ का यूनेस्को की रचनात्मक शहरों की सूची में शामिल होना, केवल एक सम्मान नहीं बल्कि एक अवसर है। इससे जहां शहर को न केवल वैश्विक स्तर पर पहचान मिलेगी, वहीं पाक-कला के संरक्षण, नवाचार और पर्यटन को भी नई दिशा मिलेगी। यह दर्जा इस शहर को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पाक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रशिक्षण के अवसरों से जोड़ेगा। इससे स्थानीय रसोइयों, छोटे खानपान व्यवसायों और पारंपरिक खाद्य निर्माताओं को भी नई आर्थिक संभावनाएं मिलेंगी।

2019 में हैदराबाद को यह दर्जा मिला था। इसके बाद लखनऊ भारत का दूसरा शहर है, जिसे पाक-कला श्रेणी में यह सम्मान मिला है। इससे दुनिया में यह संदेश गया है कि हमारे देश का खानपान केवल विविध नहीं बल्कि नवाचार और परंपरा के संतुलन का एक अद्भुत उदाहरण भी है। लखनऊ की यह उपलब्धि भारत के हजारों गांवों, कस्बों और छोटे शहरों के लिए प्रेरणा बन सकती है। देश के हर क्षेत्र की अपनी कोई न कोई खाद्य पहचान है। आगरा का पेठा, मथुरा के पेड़े, जैसलमेर के घोटिया लड्डू, रेवाड़ी की बर्फी, बीकानेर का भुजिया और रसगुल्ले, जोधपुर की कचौरी समेत तमाम स्थानों की खान-पान संबंधी कोई न कोई पहचान है, जिसमें स्थानीय मिट्टी, जलवायु, संस्कृति और श्रम की मिठास मिली है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि ज्यादातर इलाकों के स्वाद की कहानी इन इलाकों तक ही सिमट कर रह गई है। लखनऊ की तरह यदि ऐसे सभी स्थानों की विशेषता को पहचान दिलाने के लिए संगठित प्रयास हों, तो ये भी देश और दुनिया के खानपान नक्शे पर जगह बना सकते हैं।

यह सही है कि यूनेस्को का दर्जा हर शहर को नहीं मिल सकता, लेकिन उस स्तर तक पहुंचने के लिए प्रयास जरूर किए जा सकते हैं। स्थानीय ब्रांडिंग और संरक्षण के तहत हर जिले के विशिष्ट व्यंजन की कहानी और परंपराओं का दस्तावेजीकरण और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन डिश' जैसे अभियानों का आगाज इसमें योगदान दे सकता है। पर्यटन विभाग यदि स्थानीय व्यंजनों पर आधारित फूड फेस्टिवल आयोजित करे, तो न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय रोजगार भी सृजित होंगे। अगर छोटे होटल, स्ट्रीट फूड विक्रेता, गृहिणी उद्यमी और रसोइए मिलकर स्थानीय स्तर पर ब्रांड बनाएं, तो इससे 'मेक इन इंडिया' का स्वादिष्ट रूप भी सामने आ सकता है। छोटे शहरों के युवा अपने क्षेत्रीय व्यंजनों को डिजिटल माध्यमों पर प्रस्तुत करें, तो बड़ी पहचान मिल सकती है।

आमने

भाजपा निष्पक्ष चुनाव लड़ती है। अगर हम चुनाव को नियंत्रित करना चाहते, तो अंता चुनाव का नतीजा हमारे पक्ष में होता। अगर हम चुनाव को प्रभावित करते, प्रशासन की मदद लेते या वोटर लिस्ट में हेर-फेर करते तो आज चुनाव हमारी जेब में होता।

–राधा मोहन अग्रवाल
भाजपा प्रदेश प्रभारी, राजस्थान

सामने

अंता-उपचुनाव में बीजेपी के कई नेता प्रदेश भाजपा प्रभारी की शह पर अंदरखाने कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के साथ खड़े थे। राज्य सभा सांसद @AgrawalRMD द्वारा यह कहना कि हम चाहते, इसका अर्थ उन्होंने सीधे निर्वाचन आयोग को अप्रत्यक्ष रूप से अपनी पार्टी के अधीन बताया है।

–हनुमान बेनीवाल
सांसद आरएलपी, राजस्थान

मेगा मर्जर नहीं, नए ग्लोबल बैंकों की जरूरत

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले कुछ वर्षों में तीसरे स्थान तक पहुंचने की क्षमता रखता है। ऐसे समय में बैंकिंग ढांचे का मजबूत और स्थिर होना बहुत जरूरी है। फिलहाल देश में 12 सरकारी बैंक हैं, जो 2017 से 2020 के बीच 27 बैंकों को मिलाकर बनाए गए हैं। सरकार अब इन 12 बैंकों में भी 'मेगा मर्जर' की बात कर रही है, लेकिन सवाल यह है कि क्या बार-बार बैंकों को मिलाना सच में देश के लिए अच्छा कदम है? क्या इससे भारत को दुनिया के बड़े बैंकों के मुकाबले खड़ा किया जा सकेगा? इसका सीधा जवाब है- नहीं। भारत को मर्जर नहीं, बल्कि नई सोच की जरूरत है। ऐसे नए ग्लोबल बैंक बनाने की, जिनकी नींव शुरू से ही आधुनिक तकनीक, बड़ी पूंजी और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सोच पर रखी जाए।

पिछले कुछ वर्षों में सरकारी बैंकों की हालत बेहतर हुई है। पहले जहां बैंक भारी घाटों और बढ़ते एनपीए से जूझ रहे थे, वहीं 2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया और 2024–25 में यह बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना किसी नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं। 2018 में सरकारी बैंकों का खराब ऋण (एनपीए) करीब 14 प्रतिशत था, जो अब घटकर लगभग 3 प्रतिशत के आसपास आ गया है। इससे साफ है कि बैंकों ने खुद को ठीक किया है। ऐसे में यदि फिर से बड़े पैमाने पर मर्जर की योजना लाई जाती है, तो यह पहले से सुधरते सिस्टम में अनावश्यक दबाव डालेगा।

मर्जर का सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि दो या तीन बैंकों को जोड़ने में बहुत पैसा खर्च होता है। कंप्यूटर सिस्टम बदलना, आईटी प्लेटफॉर्म जोड़ना, शाखाएं मिलाना, कर्मचारियों की पोस्टिंग बदलना, पुराने लोगों और ब्रांडिंग हटाना आदि। इस पर हजारों करोड़ रुपये लग जाते हैं, जो ग्राहकों के हित में नहीं होते। यह खर्च सीधे आर्थिक विकास में योगदान नहीं देता, जबकि वही पैसा नए डिजिटल बैंक, आधुनिक तकनीक और ग्लोबल विस्तार पर खर्च किया जाए, तो उसका फायदा अधिक होगा।

दूसरी बड़ी समस्या यह है कि मर्जर के बाद बैंक बहुत बड़े हो जाते हैं, जिससे उनका काम 'तेज़' होने के बजाय 'धीमा' हो जाता है। निर्णय लेने में ज्यादा समय लगता है। शाखाओं में भीड़ बढ़ती है और स्थानीय ग्राहकों के लिए सेवाएं सुचारु नहीं रह पातीं। भारत जैसे देश में, जहां आधी से ज्यादा आबादी गांवों और छोटे कस्बों में रहती है, वहां बैंकों का स्थानीय स्तर पर मजबूत होना ज्यादा जरूरी है। अगर शाखाएं बंद होती हैं या बहुत दूर चली जाती हैं, तो ग्रामीण और छोटे व्यवसाय सबसे ज्यादा परेशान होते हैं।

जब हम अंतर्राष्ट्रीय बैंकों को देखते हैं- जैसे JP Morgan Chase, HSBC, ICBC, तो पता चलता है कि उनकी ताकत सिर्फ उनके आकार में नहीं है, बल्कि उनकी शुरुआत ही ग्लोबल विजन के साथ हुई थी। वे तकनीक पर खड़े हुए, अंतर्राष्ट्रीय लेन-देन में विशेषज्ञ बने और दुनिया भर के बाजारों में फैले। भारत अगर सिर्फ पुराने ढांचे को जोड़कर 'बड़ा बैंक' बनाएगा, तो वह इन दिग्गजों की बराबरी नहीं कर पाएगा। भारत को चाहिए कि वह शुरुआत से ही 2–3 नए 'वैश्विक बैंक' बनाए, जिनकी संरचना डिजिटल हो। जोखिम प्रबंधन आधुनिक हो और पूंजी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुटाई जाए। ऐसे बैंक भारत को वैश्विक वित्तीय जगत में वह पहचान दिला सकते हैं, जिसकी हमें जरूरत है।

आज भारत की अर्थव्यवस्था 4.1 ट्रिलियन डॉलर के करीब है और अगले पांच साल में सात ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। इस तेज विकास के लिए ऐसे बैंक चाहिए, जो दुनिया भर में काम कर सकें, न कि केवल घरेलू बाजार तक सीमित रह जाएं। भारत में 2025 तक बैंकिंग क्रेडिट लगभग 220 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने का अनुमान है। इतनी बड़ी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए सिर्फ मर्जर से बने 'भारी-भरकम' बैंक पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए आधुनिक, तेज़ और वैश्विक सोच वाले बैंक चाहिए।

नीति के स्तर पर सरकार को दो समानांतर रास्ते अपनाने चाहिए। पहला, मौजूदा 12 बैंकों को उनकी क्षेत्रीय ताकत के साथ स्वतंत्र और स्थिर काम करने देना। दूसरा, 2–3 नए ग्लोबल बैंक बनाना, जिनका टारगेट 2035 तक दुनिया के टॉप 50 बैंकों में शामिल होना हो। इन नए बैंकों में बोर्ड पूरी तरह पेशेवर हो, टेक्नोलॉजी आधुनिक हो और पूंजी जुटाने की क्षमता अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हो। ऐसे बैंक भारत की आउटबाउंड निवेश, ग्लोबल प्रोजेक्ट फाइनेंस, विदेशी मुद्रा कारोबार और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

भारत को यह समझना चाहिए कि मेगा मर्जर से बैंक 'बड़े' तो हो सकते हैं, लेकिन 'वैश्विक' नहीं। भारत की असल जरूरत है, नई नींव पर बने नए ग्लोबल बैंक की। मौजूदा बैंकों को मजबूत रहने दिया जाए और उनके ऊपर अनावश्यक मर्जर का दबाव न डाला जाए। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में बैंकिंग का नया ढांचा चाहिए, जो आधुनिक, तेज, सुरक्षित और वैश्विक हो, इसलिए भारत को मेगा मर्जर नहीं, बल्कि मेगा विजन अपनाना चाहिए और यह विजन नए वैश्विक बैंकों के निर्माण से ही पूरा होगा।

> 2023–24 में सरकारी बैंकों ने रिकॉर्ड 1.41 लाख करोड़ रुपये मुनाफा कमाया, जो 2024–25 में बढ़कर लगभग 1.78 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यह दिखाता है कि बिना नए मर्जर के भी बैंक अपनी स्थिति सुधार सकते हैं।

सामयिकी

पीहर की विरासत और बेटियों का दर्द

हर बेटी का अपने मायके से खास लगाव होता है। बेटी माता-पिता के शरीर का अंग होती हैं, पर ये कहानी एक ऐसी बेटी की है, जिसके जिस्म का एक अंग उसके पिता में समाहित हो गया था। नईहर (मायके) में जब ऐसी बेटी के ऊपर चप्पल उठ गई हो, तो उसके दिल को इतनी तकलीफ हुई होगी, जितनी तकलीफ उसे अपने पिता का जीवन बचाने के लिए अपने शरीर को चाक करके किडनी निकालने में भी नहीं हुई होगी।

राजद संस्थापक लालू प्रसाद यादव को अपनी किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य का दर्द जब छलका तो मीडिया की सुर्खियां बन गया। देश के एक बड़े सियासी घराने की ये बात जब घर की दीवारें पार कर देश-दुनिया तक पहुंचीं, तो ये घटना सबको अखर रही है। बात बड़े सियासी घराने की थी, तो दुनिया तक पहुंच गई।

सीमा चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

सच तो ये है कि रोहिणी जैसी लाखों आम बेटियों का ऐसा दर्द, घर की चाहारदीवारों में सिसक कर खामोश हो जाता है। देश के घर-घर में न जाने ऐसी कितनी कहानियां होंगी, जो मीडिया के जरिए हमारे-आप तक नहीं पहुंच पातीं। ससुराल में तो आम बात है, औरत मायके में भी जुल्म का शिकार होती है। सड़क पर भी और संस्थान में भी।

बेटियां विदा होने के बाद भी मायके में अपनी जिम्मेदारियां निभाने के अवसर तलाश लेती हैं। ससुराल में छोटों को प्यार, बड़ों को सम्मान, पति को दिल और पिता को किडनी तक दे देती हैं। हर बुरे वक्त पर ससुराल से मायके दौड़ कर आ जाने वाली बेटी, विवाह उपरांत पीहर छोड़ती हैं, तो मां-बाप की विरासत को भी उनसे छीन लिया जाता है। सेवा संस्कार का हक तो बचा होता है, पर विरासत और जायदाद का हक उससे छीन लिया जाता है। लालू की पुत्री की कहानी में उससे उसके पिता की सियासत की विरासत का हक नहीं मिल रहा।

घर-घर की यही कहानी है। पुत्र घर का मालिक बन जाता है और पुत्री मेहमान। भाई राखी के बंधन की भी लाज न रखने वाला हो, तो बहन को अपने पिता के घर अपमानित होना पड़ता है। हमारे समाज के सुसंस्कारों में कुछ कुसंस्कार हैं। अन्यायपूर्ण न्याय है। रस्में और रवायतें ऐसी हैं कि हम अपनी बेटियों को पराया बना देते हैं। शायद इसी को पुरुष प्रधान समाज कहते हैं, जहां हम नारी को शक्ति मानते हैं। देवी का दर्जा देते हैं। नौ कन्याओं के पैर धोकर धार्मिक परंपराओं का पालन करते हैं, वहीं प्रयोगात्मक जीवन में बेटी, मां, बहन के साथ अक्सर अमानवीयता कर पुरुष प्रधानता के सुबूत देते हैं।

परवरिश से लेकर शिक्षा तक में पुत्र की अपेक्षा पुत्री से भेदभाव करते हैं। लड़की पराया धन है... मर्द हो तो ये करके दिखाओ... हमने चूड़ियां नहीं पहनी हैं... जैसे मुहावरों से लेकर, सारी गालियां महिलाओं पर घात करती हैं। हम नारी को देवी भी मानते हैं और नारी का तिरस्कार करने का हर मौका ढूंढते रहते हैं, लेकिन ये सत्य है कि लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का सम्मान न हो तो घर से शक्ति, धन, यश, कीर्ति, समृद्धि, उन्नति, ज्ञान... सबकुछ रूठ कर चला जाता है।

अपने पिता लालू यादव को किडनी देने वाली बेटी रोहिणी आचार्य को पीहर के घर अपमानित होना पड़ा। उन पर चप्पल उठाई गई, तो एक बहन और बेटी क्या करती! अपनी वेदना व्यक्त की और मायके का घर और भाई से नाता तोड़कर रोती हुई अपनी ससुराल उलटे पैरों वापस हो गईं, जिसके मां-बाप दोनों पूर्व मुख्यमंत्री हों, ऐसी बेटी अपने छोटे भाई के व्यवहार से दुखी होकर मीडिया के सामने अपनी वेदना व्यक्त कर रही है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

कुछ लोगों की लेखनी में ऐसा दम होता है कि उनके शब्द पाठक को बांध लेते हैं। अगर आपको लिखना पसंद है और टेक्नोलॉजी की दुनिया में भी दिलचस्पी है, तो आपके लिए टेक्निकल राइटर के क्षेत्र में सबसे सही करियर विकल्प हो सकता है। यह ऐसा पेशा है, जहां शब्द और मशीन दोनों की भाषा एक साथ चलती है। अमेरिका के यूएस डिपार्टमेंट ऑफ लेबर की रिपोर्ट के मुताबिक, यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। आज आपको बताते हैं कि Technical Writing में अपना भविष्य कैसे बनाएं।

-ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर
बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

टेक्निकल राइटिंग
कलम और की बोर्ड का शानदार संगम

क्या होता है टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर वह होता है, जो किसी मशीन, सॉफ्टवेयर या ऐप को इस्तेमाल करने के तरीके को आसान शब्दों में समझाता है। जैसे मोबाइल का यूजर मैनुअल, किसी वेबसाइट का Help सेक्शन या किसी ऐप का गाइड या FAQ पेज-इन सबके पीछे टेक्निकल राइटर की मेहनत होती है। इस पेशे का उद्देश्य यही है कि टेक्नोलॉजी को आम लोगों के लिए समझना आसान बनाया जाए।

कैसे बनें टेक्निकल राइटर

टेक्निकल राइटर बनने के लिए किसी एक खास डिग्री की जरूरत नहीं होती, लेकिन अगर आपने इंग्लिश, मॉस कम्युनिकेशन, जर्नलिज्म या कंप्यूटर साइंस से पढ़ाई की है, तो फायदा जरूर होगा। साथ ही कई ऑनलाइन कोर्स भी उपलब्ध हैं, जो शुरुआती लोगों के लिए मददगार हैं, जैसे- Google Technical Writing Course, Coursera Technical Writing Specialization, इन कोर्सेस से आप सीख सकते हैं कि किसी तकनीकी जानकारी को किस तरह सरल, स्पष्ट और प्रोफेशनल अंदाज में लिखा जाए।

इन क्षेत्रों में अवसर

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में टेक्निकल राइटर्स की मांग लगातार बढ़ रही है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS), इंफोसिस, इंफोटेक और अन्य बड़ी आईटी कंपनियों में इनकी डिमांड हमेशा बनी रहती है। इसके अलावा विज्ञापन एजेंसियों, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फर्म्स, मीडिया संस्थानों और यहां तक कि सरकारी विभागों में भी इनकी मांग बढ़ी है। अगर आप स्वतंत्र रूप से काम करना पसंद करते हैं, तो बतौर फ्रीलांसर टेक्निकल राइटर भी अच्छा करियर बना सकते हैं। आज कई वेबसाइट्स और स्टार्टअप्स प्रोजेक्ट-बेस्ड काम देती हैं, जिससे आप घर बैठे अच्छी कमाई कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक सफल टेक्निकल राइटर बनने के लिए केवल लिखने की क्षमता ही नहीं, बल्कि रिसर्च और तकनीकी समझ भी जरूरी है। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपके पास ये कौशल होने चाहिए-

- साफ और सरल भाषा में लिखने की कला
- रिसर्च करने और जानकारी को संक्षेप में प्रस्तुत करने की क्षमता
- ग्रामर और एडिटिंग की अच्छी समझ
- तकनीकी जानकारी और कंप्यूटर टूल्स की पकड़

कम्युनिकेशन स्किल्स

- डॉक्यूमेंटेशन टूल्स जैसे-MS Word, FrameMaker, Markdown आदि का ज्ञान
- चार्ट, स्क्रीनशॉट या डायग्राम के जरिए चीजों को दिखाने की क्षमता
- टाइम मैनेजमेंट और डेडलाइन पर काम करने की दक्षता

प्रमुख संस्थान

- डॉक्यूमेंटेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग सेंटर, बेंगलुरू
- फॉर सी कंटेंट एक्सपर्ट्स, बेंगलुरू
- टी. डब्ल्यू.बी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल कम्युनिकेशन, बेंगलुरू
- टेक्नोप्वॉइंट, बेंगलुरू
- टेक्नोराइटर्स एकेडमी, पुणे
- एक्स.आई.सी, मुंबई
- यूनिवर्सिटी ऑफ कालीकट, केरल

सैलरी एंड करियर ग्रोथ

टेक्निकल राइटिंग के साथ विकास के कई रास्ते भी खुलते हैं। एक प्रवेश-स्तर के तकनीकी लेखक के रूप में शुरुआत करके, आप वरिष्ठ या प्रमुख पदों पर पहुंच सकते हैं या सामग्री रणनीति या सूचना वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता भी प्राप्त कर सकते हैं। अनुभव के साथ, अपने करियर के दौरान दिशाएं बदलना संभव है। शुरुआती महीनों में 25,000 से 40,000 रुपये तक कमा सकते हैं। अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आप सीनियर टेक्निकल राइटर, कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट या इन्फॉर्मेशन आर्किटेक्ट जैसे पदों तक पहुंच सकते हैं, जहां सैलरी 80,000 रुपये या उससे अधिक हो सकती है। आप चाहे तो फ्रीलांसिंग करके घर से भी अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

जॉब अलर्ट

बैंक ऑफ बड़ौदा

- पद का नाम : प्राप्य प्रबंधन पद (कॉन्ट्रैक्ट बेस)
- पदों की संख्या : 82
- वेतन : योग्यता या अनुभव के आधार पर
- योग्यता : स्नातक (वरीयता : एमबीए / पीजी डिप्लोमा)
- आयु सीमा : 25 से 52 वर्ष (पदानुसार)
- अंतिम तिथि : 09-12-2025
- वेबसाइट : bankofbaroda.in

ईएसआईसी

- पद का नाम : प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर एवं शैक्षणिक पद
- पदों की संख्या : 256
- योग्यता : पदानुसार
- वेतन : 67,100-1,23,100 रुपये
- वॉक-इन इंटरव्यू तिथि- 24 -25नवंबर, 2025
- वेबसाइट : esic.gov.in

एमपीएमकेवीवीसीएल

- पद का नाम : ट्रेड अप्रेंटिसशिप
- पदों की संख्या : 309
- योग्यता : आईटीआई
- आयु सीमा : 18-25 वर्ष
- अंतिम तिथि : 07 दिसंबर,2025
- वेबसाइट : mpcz.in

ओडिशा हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन लि.

- पद का नाम : इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, वेल्डर ट्रेनी एवं स्टोर कीपर ट्रेनी
- पदों की संख्या : 125
- वेतनमान : 22,500 - 81,100 रुपये (ट्रेनिंग के दौरान 22,700 रुपये स्टाइपेंड मिलेगा)
- आयु सीमा : 18 से 32 वर्ष
- अंतिम तिथि : 11 दिसंबर, 2025
- वेबसाइट : admin.ohpcltd.com

कैंपस में पहला दिन
उत्साह के साथ चिंता भी थी मन में

उस दिन उत्साह, घबराहट और सपनों का एक अद्भुत संगम मेरे मन में उमड़ रहा था। वह दिन था, जब मैं इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम बी.फार्मा. में प्रवेश लेने शहर के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में पहुंची थी। यह दिन मेरे करियर की नई यात्रा का पहला पड़ाव था, इसलिए मन में उत्सुकता कुछ ज्यादा ही थी। मैं समय से पहले कॉलेज पहुंच गई और जैसे ही गेट के अंदर कदम रखा, लगा मानो किसी बिल्कुल नई दुनिया में प्रवेश कर रही हूं। विशाल इमारतें, प्रयोगशाला से आने वाली हल्की-सी महक, सफेद कोट पहने वरिष्ठ विद्यार्थी, यह सब कुछ मुझे बरबस ही आकर्षित कर रहा था।

इंटर की मेरिट अच्छी होने के कारण मुझे आसानी से प्रवेश मिल गया। अपनी कक्षा तक पहुंचते हुए रास्ते भर दिमाग में कई सवाल उठ रहे थे। क्या मैं सबके बीच तालमेल बिठा पाऊंगी? क्या पढ़ाई बहुत कठिन होगी? क्या नए माहौल में मैं खुद को समायोजित कर पाऊंगी? यह सोच ही रही थी कि तभी दो-तीन नई छात्राओं से बात हुई और कुछ ही मिनटों में हम एक-दूसरे के साथ सहज हो गए। यह छोटी-सी बातचीत मेरे लिए आत्मविश्वास का पहला कदम बन गई।

कक्षा शुरू हुई, तो प्रोफेसर ने बी फार्मा की पढ़ाई, दवाओं के विज्ञान और इस क्षेत्र की जिम्मेदारियों को बड़े सरल, लेकिन प्रभावी अंदाज में समझाया। उनका कहना था कि यह केवल एक डिग्री नहीं, अपितु मानवीय सेवा से जुड़ा हुआ एक संवेदनशील पेशा है। उनकी बातें सुनकर मेरे मन में गर्व और उत्साह का संचार हुआ। जब उन्होंने हमें बताया कि आने वाले दिनों में हमें प्रयोगशालाओं में काम करना होगा, विभिन्न रसायनों से परिचित होना होगा और औषधि निर्माण के छोटे-छोटे प्रयोग करने होंगे, तो मेरे भीतर की जिज्ञासा फिर से जाग उठी। दोपहर में हम कैंटीन गए, जहां माहौल पूरी तरह अलग था। वहां हंसी-मजाक, बातचीत और नए संबंधों की शुरुआत का सुंदर मिश्रण था। हमने अपने-अपने स्कूल के अनुभव, घर की बातें और भविष्य के सपने साझा किए। कुछ ही घंटों में जो लोग अजनबी थे, वे अब दोस्त जैसा महसूस होने लगे।

प्रथम दिन का सबसे रोमांचक हिस्सा था-फार्मेसी लैब का पहला दौरा। पारदर्शी बोतलों में रखे रंग-बिरंगे रसायन, व्यवस्थित उपकरण, बड़े-बड़े मापयंत्र यह सब कुछ मैंने बड़ी उत्सुकता से देखा। मुझे महसूस होने लगा कि यही वह जगह है, जहां आने वाले चार वर्षों में मैं अपने सपनों को आकार दूंगी। जब शाम को कॉलेज से बाहर निकली, तो सुबह की घबराहट मानो कहीं गायब हो चुकी थी। उसकी जगह नई ऊर्जा और आत्मविश्वास ने ले ली थी। यह सिर्फ कॉलेज का पहला दिन ही नहीं था, बल्कि यह मेरी पेशेवर यात्रा की नींव रखने वाला दिन था, जो मुझे हमेशा याद रहेगा और आगे बढ़ने की मुझे हमेशा ही प्रेरणा देता रहेगा।

-प्रेरणा अवस्थी
लखीमपुर खीरी

नोटिस बोर्ड

- बरेली कॉलेज एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त प्रयास से 21 नवंबर (शुक्रवार) को विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। आयोजन नए परीक्षा भवन में सुबह 9 बजे से होगा। मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 25 प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेंगी, जो लगभग 2000 रिक्तियों पर चयन करेंगी।
- 26 नवंबर से एचबीटीयू में बायोगैस पर विशेष कार्यशाला आयोजित होगी। यह कार्यशाला चार दिन तक चलेगी। बायो कैमिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में उद्यमी भी शामिल होंगे।

डिग्री के बिना सफलता की राह करें आसान

कई बार हालात ऐसे बन जाते हैं कि हम चाहकर भी अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते। कोई कॉलेज तक नहीं पहुंच पाता, तो कोई बीच में ही पढ़ाई छोड़ देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि करियर रुक गया। आज का समय स्किल का है और अगर आपके पास सही स्किल है, तो डिग्री न होने के बावजूद भी आप शानदार कमाई कर सकते हैं। आज हम ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स के बारे में बात करेंगे, जो आने वाले समय में सबसे ज्यादा मांग वाले स्किल बनेंगे और जिनके जरिए आप आसानी से अच्छी नौकरी भी पा सकते हैं। -फीचर डेस्क

ये कोर्स काफी डिमांड में होंगे

साल 2026 तक कई ऐसे ऑनलाइन सर्टिफिकेशन मौजूद होंगे, जो टेक्नोलॉजी और बिजनेस के फील्ड में इंडस्ट्री द्वारा मान्यता प्राप्त होंगे और डिग्री की जगह ले सकेंगे। जी हां, डिग्री की जगह। मतलब अब आपको डिग्री लेने की जरूरत नहीं है। आप बस ये ऑनलाइन कोर्स भी कर सकते हैं।

AWS सॉल्यूशंस आर्किटेक्ट

अमेजन वेब सर्विसेज का यह कोर्स क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर डिजाइन करने की ट्रेनिंग देता है। इस कोर्स के बाद छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। यह कोर्स मुख्य AWS सेवा जैसे कि कंप्यूट, स्टोरेज, नेटवर्किंग और सुरक्षा के बारे में छात्रों को बताता है। साथ ही AWS के Well-Architected Framework के बारे में छात्रों को जानकारी देता है।

सर्टिफाइड स्क्रम मास्टर

स्क्रम मास्टर प्रमाणन (सीएसएम) एजाइल मैनेजमेंट के बारे में बताता है। सॉफ्टवेयर के फील्ड में डेवलेपमंट के लिए ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। इस कोर्स में भी सर्टिफिकेट दिया जाता है।

हबस्पॉट कंटेंट मार्केटिंग सर्टिफिकेशन

डिजिटल मार्केटिंग में करियर बनाना है, तो ये कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स में कॉन्टेंट स्ट्रैटजी और इनबाउंड मार्केटिंग के बारे में बताया जाता है। ये आम मार्केटिंग कोर्स से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

प्रोजेक्ट मैनमेंट प्रोफेशनल (PMP)

किसी भी छोटे-बड़े प्रोजेक्ट को हैंडल करने के लिए एक्सपर्ट की जरूरत पड़ती है। ऐसे में ये कोर्स काफी महत्वपूर्ण है। कई जगहों पर इस सर्टिफिकेट कोर्स को डिग्री के बदले स्वीकार भी किया जाता है। इन्हें 12-22 लाख रुपये प्रति वर्ष सैलरी मिलती है।

माइक्रोसॉफ्ट सर्टिफाइड फंडामेंटल्स

क्लाउड कंप्यूटिंग और माइक्रोसॉफ्ट के बारे में इस कोर्स के बताया जाता है। इस कोर्स की मदद से आप क्लाउट कंप्यूटिंग से जुड़े स्किल्स सीख पाएंगे। यह एक सर्टिफिकेट कोर्स है।

सर्टिफाइड डाटा प्रोफेशनल (CDP)

डेटा से जुड़े स्किल्स की मार्केट में काफी मांग है। इस कोर्स में सर्टिफिकेट दिया जाएगा। इस कोर्स में नौकरी के काफी अवसर मिलते हैं। अनुभव के साथ ही सैलरी लाखों में मिलती है।

घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम पर हमेशा मिश्रित राय होगी, लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है।

-शार्दुल ठाकुर

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार 20 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल बने नंबर एक वनडे बल्लेबाज

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा कुछ समय तक शीर्ष पर रहने के बाद बुधवार को जारी आईसीसी की एकदिवसीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार शतक की बदौलत मिचेल एकदिवसीय बल्लेबाजों की सूची में नंबर एक स्थान हासिल करने वाले न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने कैरेबियाई टीम के खिलाफ श्रृंखला के शुरुआती मैच में अपना सातवां एकदिवसीय शतक लगाया और यह फॉर्म में चल रहे इस दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए रोहित को पछाड़कर अपने करियर में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए पर्याप्त साबित हुआ। मिचेल के वर्तमान में 782 रेटिंग अंक हैं जो रोहित से एक अंक अधिक है।

बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की शीर्ष रैंकिंग पर

दुबई। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में छह विकेट लेकर नंबर एक टेस्ट गेंदबाज का स्थान बरकरार रखा है। उनके साथी कुलदीप यादव (दो स्थान के फायदे से करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर) और रविंद्र जडेजा (चार स्थान के फायदे से 15वें स्थान पर) की गेंदबाजी रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के मार्को यानसेन (एक स्थान के फायदे से 11वें स्थान पर) और साइमन हार्मर (20 स्थान ऊपर चढ़कर 24वें स्थान पर) भी भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद टेस्ट गेंदबाजों की सूची में आगे बढ़े हैं।

फिडे विश्व कप में भारत की चुनौती समाप्त

पणजी। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को बुधवार को यहां क्वार्टर फाइनल के टाईब्रेक में चीन के वेई यी के खिलाफ 1.5-2.5 से हार का सामना करना पड़ा, जिससे फिडे शतरंज विश्व कप में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। रेपिड टाईब्रेक बाजियों में भाग्य ने एरिगेसी का साथ नहीं दिया। चीन के खिलाड़ी ने एरिगेसी पर लगातार दबाव बनाए रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहली टाईब्रेक बाजी ड्रॉ रही लेकिन दूसरी बाजी में एरिगेसी ने नियंत्रण गंवाने के साथ मुकाबला भी गंवा दिया। एरिगेसी दूसरी बाजी में सफेद मोहरों से खेल रहे थे लेकिन इसके बावजूद फायदा उठाने में नाकाम रहे।

फेडरर को टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुना गया

न्यूयॉर्क। महान खिलाड़ी रोजर फेडरर को पात्रता के पहले ही साल में अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ में शामिल किया गया। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीस ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने रफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' कहा था। खिलाड़ियों के चयन पर टूर से पांच साल दूर रहने के बाद विचार किया जा सकता है और उन्हें मतदान समूह के 75 प्रतिशत सदस्यों द्वारा चुना जाना आवश्यक है।

विस्फोटक रिंकू सिंह ने खेली करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी

कोयंबटूर, एजेंसी

टी-20 क्रिकेट में फिनिशर की भूमिका के लिए मशहूर रिंकू सिंह ने बुधवार को यहां प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करियर की सर्वश्रेष्ठ 176 रन की पारी खेली जिससे उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप ए के मैच के चौथे और अंतिम दिन बुधवार को यहां तमिलनाडु के खिलाफ पहली पारी के आधार पर बढ़त हासिल करके तीन अंक जुटाए।

तमिलनाडु के पहली पारी के 455 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश ने 460 रन बनाकर ड्रॉ हुए मैच में तीन अंक हासिल किए। तमिलनाडु को एक अंक मिला। उत्तर प्रदेश को बढ़त दिलाने में रिंकू की अहम भूमिका रही जिन्होंने 247 गेंद की अपनी पारी में 17 चौके और छह छक्के मारे। निचले क्रम में शिवम मावी ने भी 54 रन की उपयोगी पारी खेली। भारत की राष्ट्रीय टीम जब स्वदेश में टेस्ट मैच में स्पिनरों का सामना करने में जूझ रही है तब रिंकू ने इस पारी से टीम में जगह बनाने की अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। नागपुर में पूर्व चैंपियन विदर्भ ने तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे (15 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से बड़ौदा को 144 रन से हराया। विदर्भ को

- तमिलनाडु के खिलाफ ड्रॉ मैच से यूपी ने बटोरे तीन अंक

इस जीत से छह अंक मिले जिससे उसने तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। विदर्भ के 276 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बड़ौदा ने मंगलवार को 73 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे और अंततः उसकी पूरी टीम 50.4 ओवर में 131 रन पर सिमट गई। विदर्भ के पहली पारी के 169 रन के जवाब में बड़ौदा ने 166 रन बनाए थे। विदर्भ की जीत में नालकंडे की अहम भूमिका रही जिन्होंने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण के सात साल बाद पहली बार पारी में पांच विकेट चटकाए।

बड़ौदा की ओर से दूसरी पारी में सुकीर्त पांडे 37 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। जमशेदपुर में झारखंड ने आंध्र को पारी और 81 रन से हराया। झारखंड के 328 रन के जवाब में आंध्र ने पहली पारी छह विकेट पर 567 रन बनाकर घोषित की। इसके बाद झारखंड की टीम दूसरी पारी में 158 रन पर सिमट गई और उसे पारी के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। आंध्र की ओर से सौरभ कुमार ने 47 रन पर पांच जबकि त्रिपुराना विजय ने 39 रन पर तीन विकेट चटकाए। आंध्र को इस जीत से बोनस अंक सहित सात अंक मिले। भुवनेश्वर में ओडिशा ने नगालैंड को 299 रन से हराया।

ओडिशा के 465 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नगालैंड की टीम गोविंदा पोद्दार (69 रन पर पांच विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 165 रन पर सिमट गई। नगालैंड की ओर से देगा निश्चल ने सर्वाधिक 52 रन बनाए।

गिल पूरी तरह फिट नहीं, पर खेलने को बेताब

टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को पहुंचे गुवाहाटी, बीसीसीआई सचिव बोले- उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा फैसला

गुवाहाटी, एजेंसी

भारतीय कप्तान शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए टीम के बाकी सदस्यों के साथ बुधवार को गुवाहाटी पहुंच गए, लेकिन उनकी गर्दन की चोट शनिवार को यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पूरी तरह ठीक होने की संभावना नहीं है। पूरी संभावना है कि गिल गुरुवार और शुक्रवार को होने वाले अभ्यास सत्रों के दौरान खुद को फिट साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम के सूत्रों की मानें तो 26 वर्षीय गिल अभी शतप्रतिशत फिट नहीं हैं। उनकी गर्दन में दर्द अभी भी बना हुआ है, हालांकि यह पहले की तुलना में काफी कम है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिन में कहा था कि गिल टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने एक बयान में कहा शुभमन पर उपचार का अच्छा असर हो रहा है और वह 19 नवंबर 2025 को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। उन्होंने कहा बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी निगरानी करती रहेगी और दूसरे टेस्ट में उनकी भागीदारी पर फैसला उनकी प्रगति को देखकर लिया जाएगा।

इस तरह से बीसीसीआई के सचिव ने भी गिल के दूसरे टेस्ट में खेलने को लेकर संशय बरकरार रखा। कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन गिल की गर्दन में अकड़न आ गई थी। वह पहली पारी में चार रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए थे और इसके बाद मैच में आगे नहीं खेल पाए थे। गिल को इस चोट के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

गिल को चिकित्सकीय रूप में फिट घोषित किया जा सकता है लेकिन पांच दिन की क्रिकेट की चुनौती अलग तरह की होती है जिसके कारण समस्या बढ़ सकती है और उन्हें लंबे समय तक बाहर रहना पड़ सकता है। पहले टेस्ट मैच में

गुवाहाटी के गोपीनाथ बोरदोलोई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत और दक्षिण अफ्रीकी टीमों के खिलाड़ी व स्टाफ के सदस्य। एजेंसी

30 रनों से भारतीय टीम को कोलकाता टेस्ट में शुभमन गिल की अनुपस्थिति में हार का सामना करना पड़ा था

भारतीय बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने की कमजोरी का खुलासा हो गया।

कोलकाता टेस्ट के बाद ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर एक बड़ा खतरा बन गए हैं, ऐसे में स्पिन का सामना करने में सक्षम दाएं हाथ के बल्लेबाज की टीम को सख्त जरूरत है। मौजूदा कोचिंग स्टाफ और चयन समिति को सरफराज खान, करुण नायर या अभिमन्यु ईश्वरन जैसे खिलाड़ियों पर ज्यादा भरोसा नहीं है, जबकि ये तीनों स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं। उनका सीधा तर्क यह है कि भले ही साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल दोनों बाएं हाथ के खिलाड़ी हैं, लेकिन किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल करने पर युवा खिलाड़ियों की दबाव झेलने की क्षमता पर विश्वास की कमी का संकेत मिलेगा। सुदर्शन का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है और कुछ लोगों का मानना है कि ध्रुव जुरेल अपनी बेहतर तकनीक के साथ तीसरे नंबर पर बेहतर विकल्प हो सकते हैं। भारतीय टीम की वर्तमान स्थिति को देखते हुए ही गिल बल्लेबाजी के लिए पर्याप्त रूप से फिट होना चाहते हैं, क्योंकि आधा फिट कप्तान भी सुदर्शन, ईश्वरन या सरफराज से अधिक प्रभावी माना जाता है। इसके अलावा गिल का टेस्ट कप्तान के रूप में यह शुरुआती दौर है और वह किसी मैच से बाहर नहीं बैठना चाहेंगे। गिल के चोटिल होने के कारण नितीश रेड्डी को राजकोट में दक्षिण अफ्रीका ए व भारत ए की सीरीज से वापस बुला दिया गया है।

एकदिवसीय मुकाबलों से बाहर रह सकते हैं हार्दिक और बुमराह

गुवाहाटी। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए जांघ की चोट से उबर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में खेलने की संभावना नहीं है और उम्मीद है कि वह फिलहाल केवल सबसे छोटे प्रारूप (टी20) पर ही ध्यान केंद्रित करेंगे। मुख्य तेज गेंदबाजों के काम के बोझ के प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला से आराम दिए जाने की संभावना है क्योंकि इसका टी20 विश्व कप की तैयारी में कोई खास महत्व नहीं है। हार्दिक को सितंबर में दुबई में एशिया कप टी20 के दौरान जांघ में चोट लगी थी और वह पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम नहीं छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया हार्दिक इस समय अपनी जांघ की चोट से उबर रहे हैं। वह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी आरटीपी ट्रेनिंग कर रहे हैं। फिलहाल जांघ की चोट से वापसी के बाद उन्हें धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ाने की जरूरत है और सीधे 50 ओवर के मैच खेलना जोखिम भरा होगा।

लक्ष्य सहित पांच भारतीय दूसरे दौर में

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी आस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

भारत ए पर जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ए बचा क्लीन स्वीप होने से

राजकोट, एजेंसी

- सीरीज के तीसरे व अंतिम मैच में भारत ए को 73 रनों से हराया

युवा बल्लेबाज हुआन ड्रे प्रिटोरियस के शानदार शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ए ने तीसरे अनधिकृत वनडे में भारत ए को 73 रन से हराकर सीरीज में सूपड़ा साफ होने से बचाया। भारत ए ने पहले दोनों मैच जीते थे।

प्रिटोरियस (98 गेंद में 123 रन)के अलावा सलामी बल्लेबाज रिवाल्डो मूनसामी (130 गेंद में 107 रन) ने भी शतक लगाया और दोनों ने 241 रन की साझेदारी करके दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों में छह विकेट पर 325 रन तक पहुंचाया। भारत के लिये हर्षित राणा, प्रसिद्ध कृष्णा और खलील अहमद ने दो दो विकेट लिये। जवाब में भारत ए टीम 49.1 ओवर में 252 रन पर आउट हो गई। भारत ए के लिये सिर्फ आयुष बडोनी 66 गेंद में 66 रन बना सके। ईशान किशन ने 67 गेंद में 53 रन बनाए जबकि बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे।

विश्व चैंपियनशिप पूरे आत्मविश्वास और नियंत्रण के साथ लड़ते हुए विश्व चैंपियन जैस्मीन ने कजाकिस्तान की सरसेनबेक को हराया

भारत के रिकॉर्ड 15 मुक्केबाज स्वर्ण के लिए पेश करेंगे दावा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

विश्व चैंपियन जैसमिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) ने बुधवार को यहां जारी विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में भारत के अब तक के सबसे दमदार दिन का नेतृत्व किया।

दोनों सितारों ने प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक मुकाबलों में जगह बनाई, जबकि मेज़बान भारत ने गुरुवार को होने वाले खिताबी मुकाबलों के लिए रिकॉर्ड 15 फाइनलिस्ट तैयार कर दिए। यह उपलब्धि इस प्रतिष्ठित 'टॉप-8' प्रतियोगिता में किसी भी देश द्वारा हासिल सबसे बड़ा आंकड़ा है। टूर्नामेंट का आयोजन शहीद विजय सिंह पाठक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। जैसमिन ने कजाखस्तान की पूर्व एशियन यूथ चैंपियन उल्जान सरसेनबेक पर 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज करने के दौरान बेहतरीन लय, मजबूत डिफेंस और धारदार संयोजन दिखाए। इस शानदार जीत के साथ विश्व चैंपियन जैसमिन अब फाइनल में पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी से भिड़ेंगी, जो टूर्नामेंट की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक मानी जा रही है। उधर, निकहत ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए उज्बेकिस्तान के खिलाफ भारत को सत्र 7 में 'ट्रिपल जीत' दिलाई। निकहत ने गनीएवा गुलसेवर के खिलाफ नियंत्रित लेकिन आक्रामक मुक्केबाज़ी दिखाते हुए लगातार अपने तेज़ लेफ्ट हुक जमाए। उनके साथ सचिन सिवाच (60 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने भी शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। सचिन ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और दूरी बनाकर विपक्षी को मात दी, जबकि हितेश ने उत्कृष्ट काउंटर-पंचिंग का प्रदर्शन करते हुए मुख़म्मदअज़ीज़बेक इस्मोइलोव की तेज़ी को उन्हीं पर भारी कर दिया। दोपहर के सत्र में पवन (55 किग्रा) और जदुमणि (50 किग्रा) ने भी शानदार जीतों से भारत की लय को कायम रखा। पवन ने कड़े पहले राउंड के बाद दमदार वापसी करते हुए इंग्लैंड के एलिस ट्रोब्रिज को 5-0 से हराया। जदुमणि ने ऑस्ट्रेलिया के ओमर इज़ाज़ (जो अस्ताना वर्ल्ड कप पदक विजेता हैं) को लगातार दबाव, तेज़ हुक्स और चतुर फुटवर्क से परास्त किया। इस बीच जुगनू (85 किग्रा) 5-0 से हारकर बाहर हो गए

महिलाओं के 70 किग्रा सेमीफाइनल में भारत की अरुंधति चौधरी (लाल रंग में) ने जर्मनी की लियोनी मुलर के खिलाफ जमकर वार किया। एजेंसी

अरुंधति फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा से भिड़ेंगी

लियोनी मुलर के खिलाफ अपनी जीत के बाद, अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) फाइनल में उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा से भिड़ेंगी, जो 2022 एशियाई युवा चैंपियन और 2024 एशियाई रजत पदक विजेता हैं। नूपुर (80 किग्रा) का मुकाबला उज्बेकिस्तान की सोतिम्बोएवा ओल्टिनोय से होगा, जबकि पूजा (80 किग्रा) को पोलैंड की अगाता काजमारस्का, जो 80 किग्रा वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं, के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पुरुषों की लाइनअप में, अंकुश फंगल (80 किग्रा) 2024 विश्व मुक्केबाजी कप चैंपियन, इंग्लैंड के शिद्दू ओलादिमेजी के खिलाफ फाइनल में प्रवेश करेंगे।

स्पेन, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड और स्कॉटलैंड ने विश्व कप में जगह बनाई

ग्लास्गो, एजेंसी

स्कॉटलैंड ने डेनमार्क को हराकर 28 साल के इंतजार के बाद विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित की जबकि ऑस्ट्रिया भी 1998 के बाद पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहा।

स्पेन ने यूरोप में प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में 31 मैच तक अजेय रहने के इटली के रिकॉर्ड की बराबरी करके अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में अपनी जगह सुरक्षित की। मंगलवार को यूरोपीय क्वालीफाइंग समाप्त होने के साथ ही बेल्जियम और स्विट्ज़रलैंड ने भी विश्व कप 2026 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस तरह यूरोप से 12 टीमों ने अपने ग्रुप में विजेता बनकर क्वालीफाई कर लिया है।

विश्व कप फुटबॉल में अपनी जगह सुरक्षित करने के बाद बेल्जियम के खिलाड़ी।

डेढ़ लाख की आबादी वाले देश कुराकाओ ने विश्व कप में जगह बनाकर रचा इतिहास

किंग्सटन, जमैका : कुराकाओ की जनसंख्या लगभग डेढ़ लाख है, लेकिन इसके बावजूद उसने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाकर नया इतिहास रच दिया। कुराकाओ ने जमैका के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलकर पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। इस तरह से वह फुटबॉल विश्व कप में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश बन गया है। कुराकाओ के केंद्रीय सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार पिछली जनवरी तक देश की जनसंख्या 156,115 थी। इससे पहले विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाने वाला सबसे कम आबादी वाला देश आइसलैंड था। उसने जब 2018 में रूस ने खेले गए विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था तब उसकी जनसंख्या लगभग 350,000 थी।